



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 22, 1980 (चैत्र 2, 1902)

No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 22, 1980 (CHAITRA 2, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	233
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	343
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई, अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	363
भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	3161
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	153
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधितर नियम और आदेश	27
भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ सेवा आयोग रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1165
भाग III—खण्ड 2—एकल कार्यलय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	43
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधितर अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	—
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	—

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 233	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	343	PART II—SECTION 3.—Sub-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	363	PART III—SECTION 1.—Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	3161
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	513
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	27
PART II—SECTION 3.—Sub-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1165
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	43

६३१

७२

२०११

६५

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी 1980

संकल्प

सं० 02012/4/76-साइट--उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के संकल्प सं० 02012/4/76-साइट दिनांक 30-11-1978 में आंशिक संशोधन करते हुए भारत सरकार ने नमक जांच समिति के गठन में निम्नलिखित परिवर्तन करने का निर्णय लिया है :—

1. श्री लक्ष्मण कुमार, अध्यक्ष
औद्योगिक लागत तथा मूल्य ब्यूरो
उद्योग मंत्रालय,
श्रीमति धामा साहिब के स्थान पर समिति के अध्यक्ष होंगे।
2. श्री एस० के० सरकार
संयुक्त सचिव
उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
श्री मनीष बहल के स्थान पर समिति के सदस्य होंगे।

2. भारत सरकार ने समिति की अवधि 30 जून 1980 तक बढ़ाने का निर्णय भी लिया है तथा इस तारीख तक समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर देगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि योजना आयोग, मंत्रिमण्डल, सचिवालय प्रधान मंत्री का कार्यालय व सभी राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों सहित भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को इस संकल्प की एक प्रति भेजी जाये।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी हेतु हम संकल्प को भारत के राजपत्र में भी प्रकाशित किया जाये।

एम० के० सरकार, संयुक्त सचिव

विज्ञान और औद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली-110029, दिनांक 29 फरवरी 1980

संकल्प

विषय :—पर्यावरणीय प्रतिरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विधायी उपायों और प्रशासनिक तंत्र की सिफारिश करने के लिए समिति का संघटन।

सं० 1/4/80-इन्वा०—1. 23 जनवरी 1980 को सातवीं संसद के पहले संयुक्त अधिवेशन में अधिभाषण करते हुए भारत के राष्ट्रपति ने पर्याप्त शक्तियों सहित विशेष संज्ञा की स्थापना करने की आवश्यकता को धोर संकेत किया ताकि पौररिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के उपायों को योजनाबद्ध विकास में शामिल किया जा सके। इसे पर्यावरण के क्रमिक ह्रास के सन्दर्भ में, जो कि देश और जनता के वर्तमान और भविष्य कल्याण के लिए खतरा है उसकी ओर संकेत किया गया। इस बात पर

बल दिया गया है, कि वनरोपण, बाढ़ नियंत्रण, मृदा संरक्षण वनस्पतिजात और प्राणिजात के परिरक्षण उपयुक्त सू-उपयोग योजना, जल और वायु प्रदूषण नियंत्रण और उद्योगों के न्यायसंगत स्थान निर्धारण को तत्काल प्रावश्यकता के आधार पर कार्यान्वित किया जाना चाहिए।

2. राष्ट्रपति के अधिभाषण में अभीष्ट विशेष संज्ञा के लिए केन्द्रीय और राज्यों के स्तर पर पर्यावरण की प्रतिरक्षा के लिए मौजूदा कानूनों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करने और उपयुक्त सिफारिशें करने की आवश्यकता है।

3. उसके अनुसरण में भारत सरकार ने एक तदर्थ समिति का गठन किया है जिसके निम्नलिखित सदस्य हैं :—

- | | |
|--|---------|
| (1) उपाध्यक्ष
योजना आयोग | अध्यक्ष |
| (2) सचिव
कृषि मंत्रालय | सदस्य |
| (3) सचिव
विज्ञान और औद्योगिकी विभाग | सदस्य |
| (4) श्री एम० कृष्णन
प्रकृति वैज्ञानिक और अन्य जीवन छवि-कार
मद्रास। | सदस्य |
| (5) श्री जफर फतेहगली
डोडा गुम्मी पोस्ट
बंगलौर। | सदस्य |
| (6) श्री बी० बी० बोहरा
सचिव
पेट्रोलियम विभाग। | सदस्य |
| (7) श्री निलय चौधरी
अध्यक्ष,
जल प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड
नई दिल्ली। | सदस्य |
| (8) श्री दर्जन सिंह
'टाइगर हैवन'
डाकखाना पलिया,
जिला खड़ी,
उत्तर प्रदेश। | सदस्य |
| (9) प्रो० माधव गाडगिल
इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ साइंस
बंगलौर। | सदस्य |
| (10) डा० ए० के गांगुली
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
बम्बई। | सदस्य |

4. समिति के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :

- (क) केन्द्र और राज्य स्तरों पर पर्यावरणीय प्रतिरक्षा के विषय पर मौजूदा कानूनों की समीक्षा करना और पर्यावरणीय गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए विधायी उपार्यों की सिफारिश करना।
- (ख) पर्यावरण की प्रतिरक्षा के लिए मौजूदा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करना और पर्यावरणीय प्रतिरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सम्बन्धित प्रशासनिक तंत्र की सिफारिशें करना।
- (ग) पर्यावरणीय गुणवत्ता में सुधार और पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने के लिए केन्द्र और राज्य दोनों स्तरों पर सरकार में उपयुक्त और पर्याप्त तंत्र की सिफारिश करना।

5. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग समिति के कार्यक्रम का समन्वय करेगा और इसे आवश्यक सचिवालय सहायता प्रदान करेगा समिति के संयोजक की नियुक्ति के बारे में प्रथम आदेश जारी किए जाएंगे और वह पूर्णकालिक आधार पर कार्य करेगा।

6. समिति आवश्यकतानुसार देश के किसी भी भाग में विशेषज्ञों और लोगों से मिलने के लिए और आवश्यक सूचना और धोकड़े प्राप्ति करने के लिए बार बार बैठकों का आयोजन कर सकती है।

7. समिति के कार्य के सम्बन्ध में समिति के गैर सरकारी सदस्यों को यात्रा/दैनिक भत्तों का भुगतान विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया जाएगा।

8. समिति भारत सरकार को अपनी रिपोर्ट 31 जुलाई 1980 तक प्रस्तुत कर देगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति समिति के सभी सदस्यों संबंधित विभागों/संगठनों को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जन सामान्य की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० जी० कै० मेनन, प्रचर

समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1980

संकल्प

सं० 17-12/79-एम० आई०—विकलांग व्यक्तियों का पुनर्वास एक विस्तृत परिकल्पना है जिस में अनेक क्षेत्र और विभाग सम्मिलित हैं। विशेषकर भारत जैसे देश में पुनर्वास की सफलता के लिए देश के विभिन्न भागों में प्रलग-प्रलग विभागों से वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अनुसंधान द्वारा सहायक यन्त्रों/उपकरणों इत्यादि का विकास अपेक्षित है। यद्यपि भारत ने विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है तो भी इस क्षेत्र में अनुसंधान कुछ उपेक्षित ही रहा है।

2. इस लिए समाज कल्याण मंत्रालय भारत सरकार ने विकलांग व्यक्तियों के लिए टेक्नोलॉजीकल सहायक यन्त्रों के सम्बन्ध में एक विशेषज्ञ दल का गठन करने का निर्णय किया है जिस के विचारार्थ विषय निम्नलिखित होंगे :—

- (1) विकलांग व्यक्तियों के लिए तकनीकी सहायक यन्त्रों और साज सामान/उपकरणों के सम्बन्ध में अनुसंधान को विस्तृत रूप में बढ़ावा देना;
- (2) अनुसंधान और अध्ययन के क्षेत्रों को पता लगना तथा प्राथमिकताओं निर्धारित करना;
- (3) समाज कल्याण मंत्रालय को वित्तीय सहायता के लिए पेश किए गए अनुसंधान सम्बन्धी प्रस्तावों पर सलाह देना;

(4) विकलांग व्यक्तियों के लिए सहायक यन्त्रों और उपकरणों इत्यादि के सम्बन्ध में अनुसंधान के विकास से सम्बन्धित कोई अन्य मामला।

3. समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

- | | |
|---|---------|
| 1. सचिव
समाज कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार। | अध्यक्ष |
| 2. संयुक्त सचिव
(विकलांग व्यक्तियों के कल्याण के कार्यकारी)
समाज कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार। | सदस्य |
| 3. डा० बी० शंकरण
अध्यक्ष,
भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम
कानपुर। | सदस्य |
| 4. डा० एस० के० गुहा
प्रोफेसर
बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग
प्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
नई दिल्ली। | सदस्य |
| 5. डा० टी० एम० श्रीनिवासन
बायो-इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट
प्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
मद्रास। | सदस्य |
| 6. डा० एस० के० वर्मा
प्रधान
पुनर्वास और कृत्रिम अंग विभाग
आल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
अन्सारी नगर
नई दिल्ली-110016। | सदस्य |
| 7. डा० एस० के० बरकधा
परियोजना समन्वयकर्ता
विज्ञान और टेक्नोलॉजी से सम्बन्धित राष्ट्रीय
समिति विज्ञान और टेक्नोलॉजी विभाग
नई दिल्ली। | सदस्य |
| 8. डा० ए० एफ० छपगर
वैज्ञानिक
नेशनल फिजीकल लैबोरेटरी
हिल साइड रोड
नई दिल्ली-110012। | सदस्य |
| 9. डा० प्रार० सी० दास
डीन (अनुसंधान)
राष्ट्रीय वैश्विक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
श्री धरविन्द मार्ग
नई दिल्ली। | सदस्य |
| 10. प्रोफेसर उषा के० लुधरा
वरिष्ठ उप महा निदेशक
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद
मेडिकल एन्क्लेव (अन्सारी नगर)
नई दिल्ली-110016। | सदस्य |

11. निदेशक

सदस्य-सचिव

योजना अनुसंधान मूल्यांकन
और प्रबोधन प्रभाग
समाज कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार
नई दिल्ली।

4. विशेषज्ञ दल का कार्यकाल दो वर्षों की अवधि के लिए होगा। सरकार इस अवधि को बढ़ा सकती है।

5. समाज कल्याण मंत्रालय सलाह के लिए सदस्यों को सहभोजित कर सकता है अथवा विशेषज्ञ दल की बैठकों में विशेष आमंत्रितों को बुला सकता है।

6. विशेषज्ञ दल की सदस्यता के लिए कोई विशेष पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। सरकारी सदस्य अलभता इस कार्य के सम्बन्ध में की गई यात्राओं के लिए उन के सम्बन्धित विभागों में उन पर लागू नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता इत्यादि पाने के हकदार होंगे। गैर-सरकारी सदस्य (सहभाजित सदस्य अथवा समिति के विशेष आमंत्रित सम्मिलित) बैठकों में भाग लेने के लिए उन के द्वारा की गई यात्राओं के लिए बहु यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता लेने के हकदार होंगे जो भारत सरकार के प्रथम ग्रेड अधिकारियों को स्वीकार्य होगा।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

2. प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि सभी राज्य सरकारों, केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रभामनों, मंत्रिमंडल सचिवालय, योजना आयोग प्रथम मंत्री कार्यालय, लोक सभा और राज सभा सचिवालय को भेजी जाए।

भास्कर जोष, संयुक्त सचिव

ऊर्जा और सिंचाई मंत्रालय

सिंचाई विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1980

संकल्प

सं० बा० नि० 2(1)/80—इस मंत्रालय के संकल्प सं० बा० नि० 2 (23)/74, दिनांक 28 दिसम्बर, 1974 के पैरा 1 में, जिसके द्वारा बहुपुल बाढ़ नियंत्रण बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था, क्रम सं० 1 की वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए :—

“1. सिंचाई के कार्यकारी केन्द्रीय मंत्री..... अध्यक्ष”।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति असम और अरुणाचल की राज्य सरकारों/भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों/प्रधान मंत्री सचिवालय/राष्ट्रपति के निजी और सैनिक सचिव/भारत के नियंत्रक और महा लेखा-परीक्षक, योजना आयोग को सूचसार्थ भेजी जाए।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि वे आम सूचना के लिए इसे राज्यों के राजपत्र में प्रकाशित करें।

सं० बा० नि०-2/1/80—जितनी अवधि के लिए असम राज्य राष्ट्रपति के शासनाधीन है, तब तक बहुपुल बाढ़ नियंत्रण बोर्ड के उपाध्यक्ष के कार्य, असम के राज्यपाल के उस सलाहकार द्वारा निष्पादित किए जाएंगे, जो असम राज्य के बाढ़ नियंत्रण विभाग से संबंधित कार्य के प्रभारी हैं।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति असम तथा अरुणाचल प्रदेश की राज्य सरकारों/भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों/प्रधान मंत्री सचिवालय/राष्ट्रपति के निजी तथा सैनिक सचिव/भारत के नियंत्रक तथा महा लेखा-परीक्षक/योजना आयोग को सूचसार्थ भेज दी जाए।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए और राज्य सरकारों से अनुरोध किया जाए कि वे इसे आम सूचना के लिए राज्यों के राजपत्रों में प्रकाशित करा दें।

इन्दर प्रकाश कपिला, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1980

नियमावली

सं० 79/ई० (जी० आर०) 1/2/67—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों भरने के लिये 1980 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा—इंजीनियरी सेवा परीक्षा की नियमावली मंत्रालयों/विभागों की सहमति से सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित की जाती है।--

ग्रुप क सेवाएँ/पद

- (i) इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी पद
- (iv) सैनिक इंजीनियरी सेवा (भवन तथा सड़क संवर्ग)
- (v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (सिविल इंजीनियरी पद)
- (vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- (vii) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक-तार, सिविल इंजीनियरी स्कंध)
- (viii) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा
- (ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) सिविल इंजीनियरी पद

ग्रुप ख सेवाएँ/पद

- (X) सहायक इंजीनियर (सिविल), डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध
- (xi) सहायक इंजीनियर (सिविल), सिविल निर्माण-स्कंध, आकाश-वाणी।

वर्ग II—यांत्रिक इंजीनियरी

ग्रुप क सेवाएँ/पद

- (i) यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (iii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (iv) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (v) सैनिक इंजीनियरी सेवा (विद्युत् तथा यांत्रिक संवर्ग) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (vi) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (vii) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा, (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (viii) यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ), भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण।
- (ix) सहायक ग्रिलिंग इंजीनियर भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण।
- (X) सहायक प्रबंधक (कारखाना) (डाक-तार तार-संचार कारखाना संगठन)।
- (xi) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (यांत्रिक)—सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा।
- (xii) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

- (xiii) केन्द्रीय बैद्युत् तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (xiv) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (यांत्रिक इंजीनियरी पद)।
- (xv) सहायक निदेशक (तकनीकी) ग्रुप 'क' का पद (यांत्रिक इंजीनियरी पद), भारी उद्योग के विभाग।

ग्रुप ख सेवायें/पद

- (xvi) सहायक यांत्रिक इंजीनियर, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण।
- (xvii) कर्मशाला अधिकारी (यांत्रिक), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

बर्ग III — बैद्युत् इंजीनियरी

ग्रुप क सेवायें/पद

- (i) बैद्युत् इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (ii) भारतीय रेल मंडार सेवा (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (iii) केन्द्रीय बैद्युत् और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (iv) भारतीय आयुध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (v) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (vi) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (vii) सहायक कार्यकारी इंजीनियर (बैद्युत्) (डाक-तार सिविल इंजीनियरी स्कंध)।
- (viii) सैनिक इंजीनियरी सेवा (बैद्युत् तथा यांत्रिक संवर्ग) (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।
- (ix) कर्मशाला अधिकारी (बैद्युत्), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।
- (x) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (बैद्युत् इंजीनियरी पद)।

ग्रुप ख सेवायें/पद

- (xi) सहायक इंजीनियर (बैद्युत्) (डाक-तार इंजीनियरी स्कंध)।
- (xii) सहायक इंजीनियर (बैद्युत्), सिविल विमानन स्कंध, आकाशवाणी।
- (xiii) कर्मशाला अधिकारी (बैद्युत्), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

IV — इलेक्ट्रानिकी और दूर-संचार इंजीनियरी

ग्रुप क सेवायें/पद

- (i) सिगनल इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा।
- (ii) भारतीय रेल मंडार सेवा (दूर संचार)/इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)।
- (iii) भारतीय दूर-संचार सेवा।
- (iv) इंजीनियर वायरलेस आयोजन और समन्वय स्कंध/अनुभव संगठन।
- (v) उप प्रभारी इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा।
- (vi) सहायक स्टेशन इंजीनियर, आकाशवाणी।
- (vii) तकनीकी अधिकारी, सिविल विमानन विभाग।
- (viii) संचार अधिकारी, सिविल विमानन विभाग।
- (ix) भारतीय आयुध कारखाना सेवा, (इंजीनियरी शाखा), इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)।
- (x) भारतीय नौ सेना आयुध सेवा (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद)।
- (xi) केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा (दूर संचार इंजीनियरी पद)।

- (xii) कर्मशाला अधिकारी (इलेक्ट्रानिकी), ई० एम० ई० कोर रक्षा मंत्रालय।

- (xiii) सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय (इलेक्ट्रानिकी तथा दूर-संचार इंजीनियरी पद)।

ग्रुप ख सेवायें/पद

- (xiv) सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी।
- (xv) सहायक इंजीनियर समुद्रपार संचार सेवा।
- (xvi) तकनीकी सहायक (ग्रुप ख, भ्राराजपत्रित), समुद्रपार संचार सेवा।
- (xvii) कर्मशाला अधिकारी (इलेक्ट्रानिकी), ई० एम० ई० कोर, रक्षा मंत्रालय।

1. परीक्षा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित रीति से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग निश्चित करेगा।

उम्मीदवार उपर्युक्त सेवाओं/पदों के वर्गों में से किसी एक या अधिक के लिए प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन पत्र में उन सेवाओं/पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह बरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक हो।

उन्हें भोट कर लेना चाहिए कि उन्होंने सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी बरीयता का उल्लेख किया है और किसी अन्य सेवा/पद के लिए नहीं।

सेवाओं/पदों के वर्गों या वर्गों जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, बैद्युत् इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी में सम्मिलित जिन सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहा है उनके संबंध में उम्मीदवार द्वारा इंगित बरीयताओं के परिवर्तन के किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक इस प्रकार के परिवर्तन के संबंध से अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

उम्मीदवारों द्वारा अपने आवेदन पत्र भेजने के पश्चात् उनको कोई भी ऐसा पत्र आयोग या रेल मंत्रालय की ओर से नहीं भेजा जाएगा जिसमें कि उनसे विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये अपनी संशोधित बरीयताओं, यदि कोई हों बताने के लिये कहा जाए।

किन्तु शर्त यह है कि जब कोई अनुरोध पूर्वोक्त अवधि के समाप्त होने के बावजूद सेवाओं के आवेदन को अन्तिम रूप दिए जाने से पहले प्राप्त हो, तो रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) इस बात से संतुष्ट होने पर कि उम्मीदवार को उम्र सेवा में आवंटित किए जाने से अनुचित कठिनाई होगी जिसके लिए उसने अपनी बरीयता निश्चित की है संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से ऐसे अनुरोध पर विचार कर सकता है।

ध्यान दें: उम्मीदवार केवल उन्हीं सेवाओं और पदों के लिए अपनी बरीयता बताएं जिनके लिए वे नियमों की शर्तों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए वे प्रतियोगी हों जिन सेवाओं और पदों के लिए वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से संबंधित परीक्षाओं में उन्हें प्रवेश नहीं दिया जाता है उनके बारे में बताई गई बरीयता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः नियम 5 (क) या 5 (ग) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवार केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे अन्य सेवाओं और पदों के लिये उनकी बरीयता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा। इसी तरह नियम 8 के परन्तुक के अधीन परीक्षा में प्रवेश दिए गए उम्मीदवारों की बरीयता पर भी केवल उक्त परन्तुक में उल्लिखित पदों के लिये ही विचार किया जाएगा तथा अन्य सेवायें और पदों के लिये बरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए, आरक्षित रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों का अर्थ संविधान (अनुसूचित जातियाँ) अधिनियम, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) अधिनियम, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) अधिनियम, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) अधिनियम, 1951, (अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ सूचियाँ (आशोचन), अधिनियम, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ अधिनियम (अशोचन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ अधिनियम, 1956 अनुसूचित जातियाँ तथा अनुसूचित जन जातियाँ अधिनियम (अशोचन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (अश्वमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियाँ अधिनियम, 1959, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ अधिनियम, 1962, संविधान (दादरा व नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ अधिनियम, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ अधिनियम 1964, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) अधिनियम 1967, संविधान (गोवा, दमन तथा दियू), अनुसूचित जातियाँ अधिनियम, 1968; संविधान (गोवा, दमन तथा दियू) अनुसूचित जन जातियाँ अधिनियम, 1968; और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियाँ अधिनियम, 1970; में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से कोई एक है।

4. कोई उम्मीदवार या तो—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) भारत में स्थाई निवास के हरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या
- (ङ) भारत में स्थाई निवास के हरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों का नागरिक, मलावी, जेरे, इथियोपिया और बिसतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) से सम्बद्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया हो।

5. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 1980 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 28 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1953 से पहले और 1 अगस्त, 1960 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम 1 में उल्लिखित प्राधिकारियों में से किसी के नियंत्रण में रहने वाले विभाग/कार्यालय में नियोजित है और यदि वे कालम 2 में उल्लिखित समरूपी सेवा(ओं)/पद(ों) हेतु परीक्षा में बैठने का आवेदन करते हैं तो उनके मामले में 27 वर्ष की उपरी आयुसीमा में छूट देकर 32 वर्ष तक कर दी जायेगी।

(i) वह उम्मीदवार जो सम्बद्ध विभाग/कार्यालय विशेष में मूल रूप से स्थायी पद पर है। उक्त विभाग/कार्यालय में स्थायी पद पर नियुक्त परीक्षाधीन अधिकारी को उसकी परीक्षा की अवधि के दौरान यह छूट नहीं मिलेगी।

(ii) वह उम्मीदवार जो किसी विभाग/कार्यालय विशेष में 1 अगस्त, 1980 को कम से कम 3 वर्ष लगातार अस्थायी सेवा नियमित आधार पर कर चुका हो।

कालम 1	कालम 2
रेल विभाग	आई० आर० एम० ई०, आई० आर० एम० ई० ई०, आई० आर० एम० एम० ई०, आई० आर० एम० एम० ई०, आई० आर० एम० एम०।
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सी० ई० एम० ग्रुप क, सी० ई० एम० एम० ई० एम० ग्रुप क
इंजीनियर-इन-चीफ, धन मुख्यालय	एम० ई० एम० ग्रुप क (बी० एम० आर० केडर) एम० ई० एम० ग्रुप क (ई० एम० केडर)
आयुध कारखाना महानिदेशालय	आई० ओ० एक० एम० ग्रुप क
केन्द्रीय अल आयोग	सी० डब्ल्यू० ई० (ग्रुप क) सेवा
केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण	सी० पी० ई० (ग्रुप क) सेवा
भारतीय सूचना सर्वेक्षण	यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क
वेतार आधोजन तथा समय स्तंभ	इंजीनियर (ग्रुप क), डिप्टी इंजीनियर
अनुश्रवण संगठन, समुद्रपार संचार सेवा	इन चार्ज (ग्रुप क) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) तकनीकी सहायक ग्रुप ख—अराज-पलित।
आकाशवाणी	सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (सिविल/इलेक्ट्रिकल), निविल कन्स्ट्रक्शन बिग, आकाशवाणी।
नागर विमानन विभाग	तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) संचार अधिकारी (ग्रुप क)
भारतीय नौ सेना	भारतीय नौसेना आयुध सेवा।
आकाश विभाग	भारतीय दूर संचार सेवा, ग्रुप क सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल/वेबुन) ग्रुप क, आकाश विभाग स्तंभ सहायक इंजीनियर (सिविल/वेबुन) ग्रुप ख, आकाश विभाग स्तंभ सहायक इंजीनियर (कारखाना) ग्रुप क, आकाश दूर संचार कारखाना संगठन।
सीमा सड़क संगठन	सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा
तकनीकी विकास	सहायक विकास अधिकारी
महानिदेशालय	(इंजीनियरी) ग्रुप "क"

नोट—प्रशिक्षण की अवधि के बाद यदि रेलों में किसी कार्यकारी पद पर नियुक्ति हो जाती है तो आयु में छूट के प्रयोजन के लिये प्रशिक्षण की अवधि रेल सेवा मानी जाएगी।

(ग) इसके अलावा निम्नलिखित स्थितियों में भी ऊपर निर्धारित उपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी—

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक;

- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया या आने वाला भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (vi) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से 1 जून 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारतमूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (viii) शलू देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान बिकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (ix) शलू देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान बिकलांग हुए तथा इनके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (x) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में बिकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा बल के कामियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष; और
- (xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में बिकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा बल के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास नियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है और जो नियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (xiii) यदि उम्मीदवार भारतमूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो या जॉर्जिया मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- ध्यान दें—जिस उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(ख) या (ग) में उल्लिखित आयु सम्बन्धी रियायतें देकर परीक्षा में प्रवेश दिया गया है उसकी उम्मीदवारी उस स्थिति में

रह कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद वह परीक्षा देने से पहले या बाद में सेवा से त्यागपत्र दे देता है या उसके विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं किन्तु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह परीक्षा देने का पात्र बना रहेगा।

जो उम्मीदवार विभाग को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस सेवा/पद हेतु विभाग की आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता भगते कि उसका आवेदन-पत्र उसके मूल विभाग द्वारा अप्रेषित कर दिया गया है।

उपर्युक्त व्यवस्था के अलावा निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार—

- (क) के पास भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद् के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की द्वारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्था से इंजीनियरी में डिग्री होनी चाहिए, अथवा
- (ख) इंजीनियरी की संस्था (भारत) की परीक्षा का भाग क और उसीर्ण हो; अथवा
- (ग) के पास किसी विदेशी विश्वविद्यालय/कालिज/संस्था से इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए; जिसे समय-समय पर इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त हो; अथवा
- (घ) इलैक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी की संस्था (भारत) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो; अथवा
- (ङ) नवम्बर 1959 के बाद ली गई इलैक्ट्रानिकी और रेडियो संचार इंजीनियरी की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा उत्तीर्ण हो।

नवम्बर 1959 से पहले इलैक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था (लन्दन) की ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा भी निम्नलिखित स्थितियों में स्वीकार्य होगी :—

- (i) कि जिन उम्मीदवारों ने नवम्बर, 1959 से पहले ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की है वे ग्रेजुएट मेम्बरशिप परीक्षा की 1959 के बाद की योजना के अनुसार निम्नलिखित प्रतिरिक्त प्रश्न-पत्रों में बैठें हों और उनमें उत्तीर्ण हों :—
- (i) रेडियो और इलैक्ट्रानिकी I के सिद्धान्त (सेक्शन "ए")
- (ii) गणित II (सेक्शन "बी")
- (2) कि संबद्ध उम्मीदवारों को उपर्युक्त (i) पर निर्धारित शर्तों को पूरा करने के लिए इलैक्ट्रानिकी और रेडियो इंजीनियरी की संस्था लन्दन से प्रमाण-पत्र लेकर प्रस्तुत करना चाहिए।

किन्तु वायरलेस आयोजन तथा सन्तन्त्र स्कंध/अनुसूचक संगठन संचार मंत्रालय में इंजीनियर ग्रुप क, समुद्रपार संचार सेवा में उप प्रभारी इंजीनियर ग्रुप क, आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप क, भारतीय नौसेना आयुध सेवा में इलैक्ट्रानिकी इंजीनियरी (पब) आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख समुद्रपार संचार सेवा में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख और समुद्रपार संचार सेवा में तकनीकी सहायक (ग्रुप ख अराज-पत्रित) के पदों के लिए उम्मीदवारों के पास उपर्युक्त कोई योग्यता या निम्नलिखित योग्यता हो, जैसे—

वायरलेस संचार इलैक्ट्रानिकी रेडियो भौतिकी या रेडियो इंजीनियरी के विशेष विषय के साथ एम० ए० सी० डिग्री या समकक्ष।

नोट 1—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर व शैक्षिक दृष्टि से इस परीक्षा में बैठने का आ पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में पहली दिसम्बर, 1980 तक सीजे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

नोट 2—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिस पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

नोट 3—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विशेषी विश्वविद्यालय की ऐसी डिग्री है जो सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त नहीं है वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग को विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों पर आकस्मिक या बैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों उन सबको इस आशय का परिचयन (अंशटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छप रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों की बिगाड़ गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है; अथवा
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अप्रसंगिक भाषा में या अशुद्ध भाषा की हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यवहार किया हो, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक अति पहुँचाई हो,

(xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यतिरिक्त करने का प्रयत्न किया हो,

तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए आयोज्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें आयोग की विवक्षा पर व्यक्ति-त्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्ति-त्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाए जा सकते तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्ति-त्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

13. साक्षात्कार के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से लिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अतारक्षित खाली जगहों पर भर्ती का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाए गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताए गए वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

16. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जाँच करके हम बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार बरिष्ठ तथा पूर्व-वृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि (लिखित डाक्टरी परीक्षा जो सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाए, यथास्थिति के बाद) किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हुआ कि वह इन बातों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

परीक्षा के लिखित भाग के आधार पर जो उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं, उनकी डाक्टरी जांच साक्षात्कार की तारीख के तुरन्त बाद आने वाले कार्य-विभव को की जाएगी (दूसरे शनिवार को छोड़कर रविवार और छुट्टियों वाले दिन डाक्टरी जांच नहीं होगी)। इस प्रयोजन के लिए सभी सफल उम्मीदवारों को प्रायः 9.00 बजे, प्रतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, केन्द्रीय अस्पताल, उत्तरी रेलवे, बसंत मेन, नई दिल्ली पर उपस्थित होना पड़ेगा। यदि उम्मीदवार चरमा लगाने हों तो उन्हें हाथ ही के चश्मे के नंबर के साथ मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित होना चाहिए।

डाक्टरी जांच की तारीख या स्थान में परिवर्तन का अनुरोध सामान्यतः स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को यह नोट कर लेना चाहिए कि किसी भी हालत में डाक्टरी जांच से छूट के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों का ध्यान इसमें प्रकाशित शारीरिक परीक्षा से सम्बन्धित विनियमों की ओर आकर्षित किया जाता है। उसमें विभिन्न सेवाओं के लिए शारीरिक स्वस्थता के मापदंड अलग अलग हैं। अतः उम्मीदवारों को यह सलाह दी जाती है कि जिन सेवाओं के लिए वे प्रतियोगी हैं जिनके सेवाओं/पदों के लिए सं० लो० से० आ० को वरीयता बतायी है उन सेवाओं के विशेष संदर्भ में इन मापदंडों को ध्यान में रखें।

उम्मीदवार यह भी नोट करने कि—

- (i) उनको रु० 16/- की नकद राशि मेडिकल बोर्ड को भुगतान करनी होगी;
- (ii) डाक्टरी जांच के संबंध में की गई यात्राओं के लिए उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा; और
- (iii) उम्मीदवार की डाक्टरी जांच हो जाने का अर्थ यह नहीं होगा कि नियुक्ति के लिए उसके मामले पर विचार किया ही जाएगा।

उम्मीदवार यह नोट कर लें कि उनको रेलवे मंत्रालय द्वारा डाक्टरी जांच से संबंधित अलग से कोई सूचना नहीं भेजी जाएगी।

निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी परीक्षा करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट II में दिए गए हैं। 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान चिकलांग हुए और परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए भूतपूर्व सैनिकों और सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए चिकलांग हुए व्यक्तियों को प्रत्येक सेवा की अपेक्षाओं के स्तर में छूट दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति से—

- (क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जोधित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ख) जोधित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हूँ तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में प्रवेश से पहले हिन्दी का कुछ ज्ञान विभागीय परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने में सहायक होगा जो कि उम्मीदवार को सेवा में प्रवेश के बाद उत्तीर्ण करनी है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट III में दिया गया है।

के० बालचन्द्र,
सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग I—लिखित परीक्षा दो भागों में होगी। भाग I में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे और भाग II में परम्परागत प्रश्नपत्र होंगे। दोनों भागों में संगत इंजीनियरी शिक्षा शाखाओं जैसे सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, विद्युत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिक्की तथा दूर संचार इंजीनियरी की पूरी पाठ्यचर्या होगी। इस प्रश्न पत्रों के लिए निर्धारित स्तर तथा पाठ्यचर्या परिशिष्ट की अनुसूची में दिए गए हैं। लिखित परीक्षा का विवरण जेमे विषय, प्रत्येक विषय के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक नीचे पैरा 2 में दिए गए हैं।

भाग II—लिखित परीक्षा के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

वर्ग I—सिविल इंजीनियरी
(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण (भाग क :	2 घंटे	200
सामान्य अंग्रेजी, भाग ख : सामान्य अध्ययन)		
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत प्रश्न-पत्र		
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
सिविल इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

वर्ग II—यांत्रिक इंजीनियरी
(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण		
(भाग क : सामान्य अंग्रेजी,		
भाग ख : सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II परम्परागत प्रश्न-पत्र		
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
यांत्रिक इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

बर्ग III—वैद्युत इंजीनियरी
(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण	2 घंटे	200
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी, भाग ख: सामान्य अध्ययन)		
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	2 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II परम्परागत प्रश्न-पत्र		
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
वैद्युत इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

बर्ग IV इलेक्ट्रानिकी और दूरसंचार इंजीनियरी
(देखिए नियमावली की प्रस्तावना)

विषय	समय	पूर्णांक
भाग I—वस्तुपरक प्रश्न-पत्र		
सामान्य योग्यता परीक्षण		
(भाग क: सामान्य अंग्रेजी, भाग ख: सामान्य अध्ययन)	2 घंटे	200
इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न पत्र I	2 घंटे	200
इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	2 घंटे	200
भाग II—परम्परागत		
प्रश्न-पत्र इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी		
प्रश्न-पत्र I	3 घंटे	200
इलेक्ट्रानिकी और दूर संचार इंजीनियरी प्रश्न-पत्र II	3 घंटे	200
योग		1000

3. व्यक्तित्व परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता पहला तथा मेधा शक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जास्वित्ता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

4. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएं।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपनी विवक्षा से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. लिखाई खराब होने पर लिखित विषयों के पूर्णांक में से 5 प्रतिशत तक अंक काट लिए जाएंगे।

9. परीक्षा के परम्परागत प्रश्न-पत्र में इस बात को श्रेय दिया जाएगा कि अभिव्यक्ति कम शब्दों में प्रभाव, प्रभाव पूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न-पत्रों में यथा आवश्यक तीन और माप की मीटरी प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट—उम्मीदवारों को जब भी जरूरी समझा जाएगा परीक्षा भवन में सन्दर्भ हेतु भारतीय मानक संस्था द्वारा संकलित तथा प्रकाशित मीटरी इकाइयों की सारणी उपलब्ध कराई जाएगी।

परिशिष्ट I की अनुसूची

स्तर और पाठ्य क्रम

सामान्य योग्यता परीक्षण के प्रश्न पत्र का स्तर वैसा ही होगा जैसा कि एक इंजीनियरी/विज्ञान स्नातक से अपेक्षा की जाती है। अन्य विषयों के प्रश्न पत्रों का स्तर एक भारतीय विश्वविद्यालय के इंजीनियरी डिग्री स्तर की परीक्षा के अनुरूप होगा। किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

सामान्य योग्यता परीक्षण

भाग-(क) : सामान्य अंग्रेजी : अंग्रेजी का प्रश्न पत्र इस प्रकार बनाया जाएगा ताकि उम्मीदवार की अंग्रेजी भाषा की समझ और शब्दों के कुशल प्रयोग की जांच हो सके।

भाग (ख) : सामान्य अध्ययन : सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र से सामयिक घटनाओं और ऐसी बातों की, उनके वैज्ञानिक पहलुओं पर ध्यान देते हुए, जानकारी सम्मिलित होगी जो प्रतिदिन के अनुभव में आती है तथा जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी सम्मिलित होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार विशेष अध्ययन किए बिना ही दे सकेंगे।

सिविल इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)

प्रश्न-पत्र-I

1. भवन सामग्री और निर्माण—पथर, इमारती लकड़ी, ईंट, सिमेंट, प्लेब, कंक्रीट रचित, इस्पात।
2. धन यांत्रिकी
[प्रतिबल, विकृति, धन द्रव्य का विफलन सिद्धांत, साधारण बंकन और विमोटन के सिद्धांत, अपरूपण केन्द्र]
3. आग्नेय स्थैतिकी
[बल बहुभुज, प्रतिबल आरेख]
4. संरचनात्मक विश्लेषण
[ट्रसेस और फ्रेम का विश्लेषण]
[प्लास्टिक विश्लेषण का परिचय]
5. धातु संरचना का अभिकल्पन
कार्यकारी प्रतिबल और साधारण संरचना के चरम सामर्थ्य अभिकल्पन
6. कंक्रीट और चिनाई रचना के अभिकल्पन
चिनाई दीवार का अभिकल्पन, कार्यकारी प्रतिबल समतल का अभि-
कल्पन, प्रबलित और प्रतिबलित कंक्रीट, प्रबलित और प्रतिबलित
कंक्रीट का चरम सामर्थ्य अभिकल्पन।

प्रश्न-पत्र-II

1. तरल यांत्रिकी, जल स्रोत इंजीनियरी
[विद्युत चैनल, और पाइप प्रवाह, जल विज्ञान, नहरों का अभि-
कल्पन और जलय संरचना]
2. मृदा यांत्रिकी और आधार इंजीनियरी सामर्थ्य पैरामीटर, भूमि
वाह सिद्धान्त, उथले और गहरे आधारों का अभिकल्पन
3. सर्वेक्षण सहित परिवहन इंजीनियरी
सड़क, अतिउन्नयन, नियमन प्रवणता, फुटपाथ यातायात नियंत्रण
विचारणीय अभिकल्पन

4. पर्यावरण इंजीनियरी
जब स्वच्छता, सीवेज अभिक्रिया एवं निपटान
5. निर्माण, नियोजन और प्रबंध
निर्माण पद्धति के तत्व, बार चार्ट, सी० पी० एम०, पी० ई०
प्रार० टी०।

यांत्रिक इंजीनियरी

(वस्तुपरक तथा परम्परागत दोनों प्रश्न-पत्रों के लिए)।

प्रश्न-पत्र—1

1. उष्मागतिकी
नियम, आदर्श गैसों और वाष्प के गुण धर्म, विद्युत चक्र, गैस पावर चक्र, गैस टरबाइन चक्र, ईंधन और दहन
2. आई० सी० इंजन
सी० आई० और एस० आई० इंजन, अभिसफोटन, ईंधन भ्रंश-क्षेपण और कार्बुरेशन निष्पादन और परीक्षण, टर्बो जेट और टर्बो प्रोपेलर इंजन, राकेट इंजन, नाभिकीय शक्ति संयंत्र और नाभिकीय ईंधन का प्रारम्भिक ज्ञान।
3. वाष्प बायलर इंजन, वाष्प टरबाइन, प्ररूप, नाजल से वाष्प प्रवाह, भाषेग और अभिक्रिया टरबाइन के वेग आरेख। दक्षता और नियन्त्रण
4. संपीड़ित, गैस गतिकी और गैस टरबाइन प्रत्यागामी, केन्द्राभिमुख और अक्षीय प्रवाह के संपीड़न वेग आरेख/दक्षता और निष्पादन। प्रवाह पर यांत्रिक श्रंको का प्रभाव, आइसेन द्रापिक प्रवाह, भोजल से सामान्य प्रपात और प्रवाह बहुधरणीय संपीड़न सहित गैस टरबाइन चक्र, पुनर्तापन, पुनरुत्पादन।
5. उष्मा अन्तरण, प्रशीतन और वातानुकूलन
चालन, संवहन और विकिरण उष्मा/विनिमयक प्ररूप। सम्मिलित उष्मा अन्तरण। सम्पूर्ण उष्मा अन्तरण गुणांक। प्रशीतन और ऊष्मा पम्प चक्र। प्रशीतन प्रणाली; निष्पादन के गुणांक—माइक्रोमीट्रिक और साइकोमीट्रिक, चार्ट कम्पर्ट सूचक, प्रशीतन और विरादोकरण विधि। भौजोगिक वातानुकूलन प्रक्रिया। कीतलन और तापन चार गणना।
6. तरलों के वर्गीकरण और गुण धर्म, तरल स्वेतिकी शुद्ध गतिकीय और गतिकी सिद्धान्त और प्रयोग। दावांतरमापीय और उत्प्लावन। आदर्श तरलों का प्रवाह। स्तरीय तथा प्रक्षुब्ध प्रवाह। पट्टिसीमा स्तर सिद्धान्त। निमज्जित वस्तुओं पर प्रवाह। पाइपों और खुली नालियों में से प्रवाह, विक्षीय विश्लेषण तथा सादृश्य तकनीक अभिमीय विशिष्ट गति तथा सामान्यतः तरल मशीनों का वर्गीकरण, ऊर्जा हस्तांतरण संबंध। पम्पों और भाषेगों तथा प्रतिक्रिया जल टरबाइन का निष्पादन और संचालन। द्रवगतिक विद्युत संचारण।

प्रश्न-पत्र—II

7. मशीनों का सिद्धान्त (i) गतिमान पिंड, (ii) मशीनों के वेग और त्वरण क्लाइन का निर्माण, मशीनों में जड़त्व बल कैम्स, गीयर और गियरत गतिपालक चक्र और नियामक पिंडों का पूर्ण एवं प्रत्यागामी संतुलन स्वतंत्र और प्रणोदित कम्पमान की प्रणाली शैफ्ट की क्रान्तिक गति और भ्रमरी।
8. मशीन अभिकल्पन—वैक बंधन और पावर स्क्रू का जोड़—हुंजियां कोटरस; युग्म—वेल्ड संघि पारगमन पद्धति—पट्टा और वेन चासित—तार रज्जु—शेफ्ट।
गियर—सर्पी और रोलिंग बेयरिंग।
9. पदार्थों की सञ्चलता।
द्विविमीय प्रतिबल और विकृति मोहुरस चक्र प्रत्यास्थ स्थिरांक के बीच संबंध।

किरणपुंज—बंकन आधुनिक अपरूपक बल और विक्षेप शैफ्ट—सम्मिलित बंकन प्रत्यक्ष और मरोड़ी प्रतिबल।

स्थूल—वेल्ड सिलिन्डर और वाक के अन्तर्गत गोलग स्प्रिंग, आलंजन स्तम्भ और कालम, विकलन का सिद्धान्त।

10. इंजीनियरी पदार्थ।

मिश्र धातु और धातुमिश्रण ताप अभिक्रिया; संयोजन गुणधर्म और प्रयोग प्लास्टिक और अन्य नये इंजीनियरी पदार्थ।

11. उत्पादन इंजीनियरी।

धातु मशीनीकरण—कर्तन औजार, औजार धातु, बिसाई और यंत्रीकरणयता कर्तन शक्ति का माप प्रक्रियायें—मशीनीकरण—पेषण, वेल्डन, गीयर निर्माण धातु रूपांकन, धातु संचलन और सम्मिलन बेसिक, विशेष प्रयोजन, कार्यक्रम और संख्यात्मक। नियंत्रित मशीनी औजार, जिग और अनुसूची (तथ्यों का अन्वेषण)।

12. भौजोगिक इंजीनियरी

कार्य अध्ययन और कार्य की माप मजदूरी प्रोत्साहन उत्पादन कीमत और उत्पादन प्रणाली का अभिकल्पन, संयंत्र विन्यास के सिद्धान्त—उत्पादन नियोजन एवं नियंत्रण, पदार्थ व्यवस्था, संक्रिया विज्ञान। रैखिक प्रोग्रामन पंक्ति सिद्धान्त इंजीनियरी जाल विश्लेषण। सी० पी० एम० एवं पी० ई० प्रार० टी० संगणकों का उपयोग।

वैद्युत इंजीनियरी

(वस्तुपरक और परम्परागत दोनों प्रश्नपत्रों के लिये)

प्रश्न-पत्र I

1. वैद्युत परिपथ।

जाल प्रमेय, आवाक्रीय जाल के सोपानों, रैम्प भाषेग और आवाक्रीय निवेश की अनुक्रिया आवृत्ति क्षेत्र का विश्लेषण, द्विप्रकार जाल संश्लेषण का तत्व। संकेत-प्रवाह आक।

2. ई० एम० सिद्धान्त।

वैद्युत स्थैतिक, सविश प्रणाली का प्रयोग करते हुए चुम्बक स्थैतिक चुम्बकीय पदार्थों और चालक के अन्तर्गत पराविद्युत के क्षेत्र। समय परवर्ती क्षेत्र, मैक्सवेल का समीकरण, चालक परावैद्युत मोडिया में समतल तरंग संचरण, संचरण लाइन का गुण धर्म।

3. पदार्थ विज्ञान: (वैद्युत—पदार्थ)

पट्ट सिद्धान्त स्थितिज और वैकल्पिक क्षेत्रों का व्यवहार वाक, विद्युत। धातु की चालकता अतिचालकता, पदार्थों का चुम्बकीय गुणधर्म। फेरी और फेरी—चुम्बकत्व अर्द्ध चालकों में चालकता ह्रास प्रभाव।

4. वैद्युत मापन

मापन के सिद्धान्त। परिपथ वेरामीटर का सेतु मापन। माप यंत्र। बी० टी० बी० एम० तथा सी० प्रार० धो०क्यू०—मीटर, स्पेक्ट्रम विश्लेषक। ट्रांसड्यूसर्स तथा गैर-वैद्युत मात्राओं का मापन, अंकीय मापन, दूरमापन, तथ्य अभिलेखन तथा प्रदर्श।

प्रश्न-पत्र II

5. अधिकलन के तत्व:—

अंकीय प्रणाली, एलगोटिम विधियां, प्रवाह-संविज्ञान भाषाकरण: प्ररूप विवरण, सरणी भाषाकरण अंक गणित निष्पीड़न, ताकिक निष्पीड़न निविष्टीकरण विवरण, कार्यक्रम संरचना, वैज्ञानिक तथा इंजीनियरी अनुप्रयोग।

6. वैद्युत उपकरण तथा प्रणालियां:

वैद्युत यांत्रिकी: वैद्युत यांत्रिकीय ऊर्जा रूपान्तरण के सिद्धान्त। बी० सी०, तुल्यतालिक तथा प्रेरण मशीनों का विश्लेषण। भिन्ना-

तमक अवशक्ति मोटर, नियंत्रण प्रणालियों में मशीनें। ट्रांसफार्मर्स चुम्बकीय परिपथ तथा परिचालनों के लिये मोटरों का चयन। विद्युत प्रणाली:—विद्युत उत्पादन: तापीय, जलीय तथा नाभिकीय। विद्युत संचरण, कोरोना, पूल चालक, विद्युत प्रणाली रक्षण। आर्थिक परिचालन: लोड आवृत्ति—नियंत्रण—स्थायित्व विश्लेषण।

7. नियंत्रण प्रणालियाँ:

विद्युत—पाश तथा संयुक्त पाश प्रणालियाँ, अनुक्रिया विश्लेषण, मूल केन्द्र प्रविधि, स्थायित्व, प्रतिपूरण तथा अभिकल्पन प्रविधियाँ। स्थिति परिवर्ती उपगमन।

8. इलेक्ट्रॉनिकी तथा संचार:

इलेक्ट्रॉनिकी:—घनावस्था युक्तियाँ तथा परिपथ। लघु सिगनल प्रवर्धक अभिकल्प, पुनर्चरण प्रवर्धक, दोलिम तथा संक्रियात्मक प्रवर्धक, एफ० ई० टी० परिपथ तथा रैडिओ आई० सी०। स्थान परिपथ बुलीय बीजगणित, तर्क परिपथ, सांयोजिक तथा अनुक्रमिक अंकीय परिपथ।

संचार:—सिगनल विश्लेषण, सिगनलों का प्रेषण। माड्युलन तथा विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियों का संसूचन। संचार प्रणालियों का निष्पादन।

इलेक्ट्रॉनिकी तथा दूरसंचार इंजीनियरी

(वस्तुपुरक तथा परम्परागत दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिये)

प्रश्न-पत्र-I

पदार्थ

1. सामग्री, घटक तथा युक्तियाँ,

वैद्युत इंजीनियरी सामग्रियों की संरचना तथा गुणधर्म। निष्क्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। सक्रिय घटक—प्रकार तथा गुणधर्म। घनावस्था युक्तियाँ भौतिक, लक्षण तथा नमूने।

2. जाल सिद्धान्त।

जाल प्रमेय। विद्युत परिपथों की स्थिर अवस्था तथा क्षणिक अनुक्रिया। परिपथ जाल विश्लेषण। प्रारम्भिक परिपथ जाल संश्लेषण।

3. विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त।

क्षेत्रगत सिद्धान्त। संचरण लाइन सिद्धान्त। ऐंशेना सिद्धान्त। परिक्रम तथा अपरिक्रम मीडिया में विद्युत-चुम्बकीय तरंगों का प्रवर्तन।

4. मापन तथा यंत्रीकरण

वैद्युत मात्राओं का आधारभूत माप। यंत्रों का मापन तथा उनकी कार्य-प्रणाली का सिद्धांत। ट्रांसड्यूसर्स। गैर-वैद्युत मात्राओं का माप।

प्रश्न-पत्र II

1. रैडिओ तथा अरैडिओ अनुक्रम परिपथ:

मूल रैडिओ इलेक्ट्रॉनिक परिपथ। स्पंद-रूपण परिपथ। तरंग आकार जनित। स्थायीकारक।

3. अंकीय परिपथ।

तर्क परिपथ तथा गेट। संगणन परिपथ। सांयोजिक तथा अनुक्रमिक परिपथ।

3. नियंत्रण प्रणालियाँ

पुनर्चरण सिद्धान्त। निबंधन प्रणाली घटक। नियंत्रण प्रणालियों की अनुक्रिया। व्यावहारिक प्रणाली का अभिकल्पन।

4. संचार प्रणालियाँ:

मूल सूचना सिद्धान्त। माड्युलन तथा संसूचन प्रक्रियाएँ। विभिन्न प्रकार की संचार प्रणालियाँ। रेडियो तथा लाइन संचार। दूरदर्शन तथा रेडार। संचालन सहाय। अनुगामी संचार सिद्धान्त।

5. सूक्ष्म-तरंग इंजीनियरी:

सूक्ष्म तरंग स्त्रोत: सूक्ष्म तरंग घटक तथा जाल। मापन तथा सूक्ष्म तरंग आवृत्तियाँ। सूक्ष्म तरंग संचार प्रणालियाँ।

परिशिष्ट II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

(ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किये जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिये भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता है तो उसे स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा स्वास्थ्य घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारित मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए, भारत सरकार को यह अनुशंसा कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी।

2. किन्तु वह बात भी भली प्रकाश समझ लेनी चाहिये कि भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।)

1. नियुक्ति के लिये स्वस्थ ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आगु, कद और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़ सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाय। यदि बजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिये और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिये। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कुछ सेवाओं के लिये कद और छाती के घेर के लिये कम से कम मानक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता:--

सेवा का नाम	कद	छाती का घेर (पूरा फुला कर) कर)	फैलाव
रेल इंजीनियरी सेवा (सिबिल, वैद्युत, यांत्रिक और सिगनल) और के० लो० नि० वि० में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा केन्द्रीय वैद्युत इंजीनियरी सेवा			
ग्रुप क	से० मी०	से० मी०	से० मी०
(क) पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152	84	5
(ख) महिला उम्मीदवारों के लिये	150	79	5

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैंड के आदिवासियों आदि जिनका औसत कद स्पष्टतः ही कम होता है के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद में छूट दी जा सकती है।

(ग) सेना इंजीनियरी सेवाओं, ग्रुप क तथा भारतीय आयुध कारखाना सेवा ग्रुप के लिये छाती की नाप में कम से कम 5 सें० सी० के फैलाव की गुंजाइश रखनी होगी।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से मापा जायेगा:—

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप वण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पाँव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिविल एंजियर्स के पाँवों के ग्रुपों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एंजियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे माप वण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (बर्टिकल आफ दी हैड मेबल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आये। कद सेंटी मीटरों और आधे सेंटीमीटरों में मापा जायेगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भांति खड़ा किया जायेगा कि उसके पाँव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्व इस तरह लगाया जायेगा कि इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फ्रीरियर एंगिल्स) के पीछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्व से जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जायेगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा साँस लेने के लिये कहा जायेगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जायेगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा जैसे 84-89, 86-93.5 आदि। माप की रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम भिन्न (फैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिये।

ध्यान दें—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापी जाने चाहिये।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलो ग्रामों में रिकार्ड किया जायेगा, आधे किलोग्राम से कम भिन्न (फैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिये।

6. उम्मीदवार की नजर की जाँच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जाँच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा:—

(i) सामान्य—किसी रोग की असामान्यता का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आँखों की सामान्य परीक्षा की जायेगी। यदि उम्मीदवार की आँखों, पलक अथवा साथ लगी संरचनाओं, (कार्टिलेजस स्ट्रक्चर्स) का कोई ऐसा रोग ही जो, उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिये अयोग्य बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

(ii) दृष्टि—सीधे (विजुअल एम्पुड्टी)—दृष्टि की तीव्रता का निर्धारण करने के लिये दो तरह की जाँच की जायेगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नजदीक की नजर के लिये। प्रत्येक आँख की अलग अलग परीक्षा की जायेगी।

चश्मे के बिना आँख की नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा उसे रिकार्ड किया जायेगा। क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जायेगी।

चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा —

सेवाएँ	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आँख	खराब आँख	अच्छी आँख	खराब आँख
	(टीक की हुई दृष्टि)	(टीक की हुई दृष्टि)	(टीक की हुई दृष्टि)	(टीक की हुई दृष्टि)
1	2	3	4	5

क. तकनीकी

1. रेल इंजीनियरी, सेवाएँ (सिविल, वैद्युत, यांत्रिक और मिग्नल)।
2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा

ग्रुप क

केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)

6/6 अथवा 6/12 जे I जे II

6/9 6/9

ग्रुप क तथा तार इंजीनियरी सेवा ग्रुप क, सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत) ग्रुप क (भारतीय दूर संचार इंजीनियरी स्कन्ध) सहायक इंजीनियर (सिविल तथा वैद्युत)

ग्रुप ख (डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध) डब्ल्यू० पी० एण्ड सी० स्कन्ध, अनुश्रवण, संगठन, संचार मंत्रालय, में इंजीनियर का पद/प्रो० [सी० एस० में डिप्टी इंजीनियर

इन्चार्ज, ग्रुप क,

आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप क,

नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी ग्रुप क, नागर विमानन विभाग में संचार अधिकारी ग्रुप क, भारतीय नौसेना, आयुध सेवा, में भारतीय आयुधशाला सेवा ग्रुप क, सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा, ग्रुप 'क' आकाशवाणी में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख, प्रो० सी० एस० में सहायक इंजीनियर ग्रुप ख और प्रो० सी० एण्ड में तकनीकी सहायक (ग्रुप ख अराणपत्रित)।

और सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद, तकनीकी विकास महानिदेशालय

3. सेना इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' तथा सहायक प्रबन्धक (कार- खाना) ग्रुप 'क', डाकतार संचार कारखाना संगठन।	6/6	6/18 जे० I जे० II
	6/9	6/9

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

ख. गैर तकनीकी

4. भारतीय रेल भंडार सेवा, सहायक ट्रिलिंग इंजीनियर	6/9	6/12	जे० I जे० II
ग्रुप 'क' और भारतीय भू-विज्ञान सर्वे- क्षण में यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप 'क'।			

नोट (1):

(क) उपर्युक्त क पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में मियोपिया (मिलेण्डर सहित) का कुल परिमाण--4.00 डी० से अधिक नहीं होगा। हाइपरमेट्रोपिया (रिलेण्डर सहित) का कुल परिमाण+4.00 डी० से अधिक नहीं होगा।

किन्तु शर्त यह है कि "तकनीकी" (रेल संसलस्य अधीन सेवाओं के अलावा अन्य) के रूप में वर्गीकृत सेवाओं का उम्मीदवार यदि शार्प मियोपिया के कारण अयोग्य पाया जावे तो यह मामला तीन नेत्र विज्ञानियों के विशेष बोर्ड को भेज दिया जायेगा जो यह घोषणा करेंगे कि यह मियोपिया रोगात्मक है कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं हो तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जायेगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धी अपेक्षाएँ पूरी कर वे।

(ख) मियोपिया फंडम के प्रत्येक मामले में जांच करानी चाहिये और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार की कोई रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने और उससे उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर असर पड़ने की सम्भावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिये।

नोट (2):

तकनीकी विकास महानिदेशालय में भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' और सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी के अलावा उपर्युक्त 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में वर्ण दर्शन की जांच अनिवार्य होगी।

जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है वर्ण अवगम उच्चतर तथा निम्नतर ग्रेडों में होना चाहिये जो सैलन में ड्राफ्ट (एपेंडर) के आकार पर निर्भर हो:-

ग्रेड	वर्ण अवगम का उच्चतर ग्रेड	वर्ण अवगम का निम्नतर ग्रेड
1. सैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16'	16'
2. ड्राफ्ट (एपेंडर) का आकार	1.3 मि० मीटर	13 मि० मीटर
3. विधाने का समय	5 सेकेण्ड	5 सेकेण्ड

रेल इंजीनियरी सेवा (निविल, बैद्युत निगल और यांत्रिक) और जन सुरक्षा से सम्बन्धित अन्य सेवाओं के लिये ऊँचे ग्रेड के वर्ण दर्शन की जरूरत है किन्तु अन्यथा नीचे ग्रेड के वर्ण दर्शन को पर्याप्त माना जाना चाहिये:

सेवाओं/पदों के वर्ण जिनके लिये उच्च या निम्न ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है नीचे दिये जा रहे हैं:-

तकनीकी सेवाएँ या पद जिनके लिये उच्च ग्रेड का वर्ण दर्शन अपेक्षित है।

- रेल इंजीनियरी सेवा
- सैन्य इंजीनियरी सेवा

- केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क)
- केन्द्रीय शक्ति इंजीनियरी सेवा
- संचार अधिकारी ग्रुप 'क' नागर विमानन विभाग।
- तकनीकी अधिकारी ग्रुप 'क' नागर विमानन विभाग।
- सहायक कारखाना प्रबन्धक (कारखाना) (डाक तार) दूर संचार कारखाना संगठन
- सीमा सड़क इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'
- कर्मशाला अधिकारी ग्रुप "क" तथा ग्रुप "ख"

तकनीकी सेवाएँ या पद जिनके लिये निम्न ग्रुप का वर्ण दर्शन अपेक्षित है:-

- केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा
- केन्द्रीय बैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा
- भारतीय नौ सेना आयुध सेवा का ग्रेड II
- भारतीय आयुध कारखाना सेवा
- केन्द्रीय जल इंजीनियरी सेवा
- सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा बैद्युत) ग्रुप 'क'), (डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध), स्लाम I डाक तार
- सहायक स्टेशन इंजीनियर ग्रुप 'क' आकाशवाणी
- इंजीनियर ग्रुप 'क' जेनर आयोजन और समन्वय स्कन्ध अनु-अवण संगठन।
- उप प्रभारी इंजीनियरी ग्रुप 'क' समुद्र पार संचार सेवा
- सहायक इंजीनियर सिविल विद्युत दूर संचार और इलेक्ट्रानिकी ग्रुप 'ख' आकाशवाणी।
- सहायक इंजीनियर (सिविल और बैद्युत) ग्रुप 'ख' (डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध)।
- सहायक इंजीनियर ग्रुप 'ख' समुद्र पर संचार सेवा
- तकनीकी सहायक ग्रुप 'ख' (अराजपत्रित) समुद्र पार संचार सेवा।

लाल हरे और सफेद रंग के संकेत को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना सन्तोषजनक वर्ण दर्शन है। वर्ण दर्शन की परीक्षा के लिये इतिहास की प्लेटों तथा एडिजिनिन की सैलन दोनों का प्रयोग किया जायेगा।

नोट (3)--दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन)--सभी सेवाओं के लिए सम्मुखन विधि द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा अमन्तोषजनक या संश्लिष्ट हो तब दृष्टि क्षेत्र को परिभाषी (पेरा मीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

नोट (4)--(रतौधी नाइट) (ब्लाइन्ड)--केवल विशेष मामलों को छोड़ कर रतौधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतौधी या अंधेरे में बिछाई न देने की जांच करने के लिये कोई स्पेड्ड टेस्ट निश्चित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम बलाउ टेस्ट कर लेने चाहिये जैसे रोगानी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विषयवा नहीं करना चाहिये किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिये।

नोट (5)--केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा हेतु उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझे जाने पर वर्ण दर्शन और रतौधी सम्बन्धी परीक्षण पास करना होगा।

नोट (6)--दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएँ (आम्बुलर कंडीशंस)।

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन क्षुष्टि (रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिये।

(ख) भँगापन --ऊपर 'क' पर उल्लिखित तकनीकी सेवाओं हेतु जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भँगापन अयोग्यता माना जायेगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो। यदि दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित मानक के अनुसार हो तो अन्य सेवाओं हेतु भँगापन अयोग्यता नहीं माना जायेगा।

(ग) यदि कोई एक आंखवाला व्यक्ति है या उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य है तथा दूसरी आंख की दृष्टि कमजोर है या उसकी दृष्टि उप सामान्य है तो इसका सहज प्रभाव यह होता है कि गहनता अवगम के लिये उसके पास द्विविध दृष्टि की कमी है। कई सिविल पदों के लिये ऐसी दृष्टि जरूरी नहीं है। चिकित्सा बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की स्वस्थ होने की अनुमति कर सकता है बशर्ते उसकी सामान्य आंख:--

(i) की चश्मा लगाकर या चश्मे बिना दूरदृष्टि 6/6 और निकट दृष्टि जे I है बशर्ते कि किसी मेरीडियन में दूर दृष्टि सम्बन्धी दोष 4 डायोप्टर से अधिक न हो।

(ii) का दृष्टि क्षेत्र पूर्ण हो;

(iii) आवश्यकतानुसार सामान्य वर्ण वर्णन।

किन्तु बोर्ड सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार मन्दर्भगत कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्रवाई कर सकता है।

"तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के उम्मीदवारों के लिये दृष्टि की तीक्ष्णता का शिथिल किया हुआ उपर्युक्त मानक लागू नहीं होगा।

नोट (7)--कान्टेक्ट लेन्स--चिकित्सा परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेन्स प्रयोग करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये।

नोट (8)--आवश्यक है कि आंख का परीक्षण करने समय दूर की दृष्टि के लिये टाइप अक्षरों की प्रदीप्ति 15 फुट कैंडिल की प्रदीप्ति जैसी हो।

नोट (9)--सरकार किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में विशेष कारण-वश किसी भी शर्त में छूट दे सकती है।

7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेरुजीम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है --

(i) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष की उम्र की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+ आयु का सामान्य नियम बिल्कुल सन्तोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें--सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संश्लेष मान लेना चाहिये और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिये कि खराब (कम्पाउंड) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई क्रियाक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का पक्षमर और इलैक्ट्रोकार्डिओग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकास (क्लियरेंस) की जांच भी तेजी से करनी चाहिये। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने का न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित पाँच पाँच दाबमापों (मरकरी मैनेमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिये। किसी किस्म का व्यायाम या खराब राहत के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिये। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत हारिजेंटल स्थिति में रोगी के पाँव पर हो तथा उसके कंधे तक कपड़ा उतार देना चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रबड़ कर और उसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिये। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिये ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु घमनी (ब्रेकिंगल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेथेस्कॉप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न सगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एम० जो० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे इसकी हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक छवियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर घरे का कालस टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज छवियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर से साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली छवियाँ हल्की दबी हुई सी लुप्त प्राय हो जाएँ यह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये ओषकारक होता है और इससे रीढ़िंग गलत होती है। यदि बीमारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर छवियाँ सुनाई पड़ती हैं; दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "माइलेंट मैप" से रीढ़िंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूल की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शर्करा का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्योतक चिह्न और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के विषय, अपेक्षित मेडिकल फिजनेस के स्टैंडर्ड के अनुसार पाए तो वह उम्मीदवार को इन शर्तों के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इन केस को मेडिसिन के किसी ऐसे विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टावरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट", "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिन. उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रगट पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वास्थ्य प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद अयोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अनिवार्य बातों का प्रेषण किया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने

की खराबी का इलाज जल्द किया (प्रापरेणन) या डिपिरिग ऐड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपबंध भारतीय रेल भंडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं सेना इंजीनियरी सेवा, भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप क, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा ग्रुप क और सीमा राइफ इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है :-

(1) एक कान में प्रकट श्रवण यदि हायर फ्रीक्वेंसी में बहुरापन पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान 30 डेसीबल तक हो तो गैर-सामान्य होगा। तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

(2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (डिपिरिग ऐड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच-फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(3) सेन्ट्रल श्रवण मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र। (i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्ब्रेन का छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।

कान की शल्य चिकित्सा से स्थिति सुधरने पर दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उन पर नीचे दिए गए नियम 4 (ii) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(4) कान के एक ओर दोनों ओर से मस्टायड केविटी के मज नामल श्रवण। (i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केविटी से मुनाई देता हो दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(ii) दोनों ओर से मस्टायड केविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य। किसी भी काम की श्रवणता श्रवण यंत्र लगाकर भ्रमवा बिना लगाए सुधर कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

(5) बढ़ते रहने वाला कान प्राप-रेणन किया गया/बिना प्राप-रेणन वाला। तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।

(6) नासापट की हड्डी सम्बन्धी विषमताओं (बोनी डिफॉर्मिटी) सहित श्रवण उससे (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक/एलर्जिक दशा। (ii) लक्षणों सहित नासापट विचलन विद्यमान होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(7) टोंसिल और/या कंठ की जीर्ण प्रवाहक दशा। (i) टोंसिल और/या कंठ की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य।

(ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।

(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के श्रवण अपने स्थान पर मेसिंगनट ट्यूमर। (i) हल्का ट्यूमर--अस्थायी रूप से अयोग्य।

(9) आटोसाक्रिनेरोमिस (ii) मैसिंगनट ट्यूमर--अयोग्य।

(10) कान, नाक श्रवण गले के जन्मजात दोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो--योग्य।

(ii) यदि भारी मात्रा में हकलाहट हो--अयोग्य।

(11) नेजल पोली अस्थायी रूप से अयोग्य।

(ख) वह बिना रुकावट बोल नेता/मिती है।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर भकसी दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह धरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती काफी फैलती है तथा उसका विल या फेफड़े ठीक हैं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे स्पर्श है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, स्कीत शिरा या बवासीर तो नहीं है?

(ज) उसके घंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं।

(झ) उसके कोई चिरस्थायी स्त्रचा की बीमारी नहीं है।

(झ) कोई जन्मजात कुरबना या दोष नहीं है।

(ट) उसके किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान नहीं हैं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) उसके शरीर पर कारगर टीके के निशान हैं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेबल) रोग नहीं है।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी धपसामान्यता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक-दो परीक्षा की जानी चाहिए।

उम्मीदवार के स्वास्थ्य के बारे में संदेह की स्थिति में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष सरकारी नौकरी के लिए उम्मीदवार के योग्य स्वस्थता या अयोग्यता का निर्णय करने के लिए अस्पताल के किसी उपयुक्त विशेषज्ञ की सलाह ले सकता है जैसे यदि कोई उम्मीदवार किसी मानसिक रोग या विकार से पीड़ित है, तो बोर्ड के अध्यक्ष किसी अस्पताल के मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी याद की सलाह ले सकते हैं।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार द्वारा ह्यूटी के अपेक्षित दक्षता पूर्वक निष्पादन में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. उन उम्मीदवारों को जो मेडिकल बोर्ड के किसी निर्णय के खिलाफ अपील करना चाहते हैं तो उन्हें भारत सरकार रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित रीति से 50/- रु० का अपील शुल्क जमा करना होगा। यह शुल्क उन उम्मीदवारों को वापस कर दिया जाएगा जिन्हें अपीलीय

मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किया जाएगा जबकि अन्य मामलों में यह शुल्क जस्त कर लिया जाएगा। उम्मीदवार, यदि चाहे तो अपनी स्वस्थता के दावे के समर्थन में चिकित्सा प्रमाण-पत्र लगा सकते हैं। उम्मीदवार को पहले मेडिकल बोर्ड के निर्णय की सूचना प्राप्त होने के 21 दिन के भीतर अपनी अपील प्रस्तुत कर लेनी चाहिए अन्यथा अपीलसीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। चिकित्सा परीक्षा के लिए अपीलसीय मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था उम्मीदवार के खर्च पर की जाएगी। अपीलसीय मेडिकल बोर्ड के द्वारा की जाने वाली चिकित्सा परीक्षा के संबंध में किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। रेल मंत्रालय द्वारा अपीलसीय मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सा परीक्षा के लिए आवश्यक कार्य-बाही तभी की जाएगी जब निर्धारित शुल्क के साथ निश्चित समय के भीतर सभी अपीलें प्राप्त होंगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और लिंगाकार यदि कोई हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्यता प्राप्त नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग ऑथारिटी) को यह तसल्ली नहीं हो जाती कि उसे ऐसी कोई बीमारी रचना संबंधी, दोष या शारीरिक कुर्बलता (बाइली इन्फर्मिटी) नहीं है जिस से वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो गया हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि स्वस्थता का प्रश्न भविष्य से भी उठना ही सम्भव है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अवकाशगिरियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारणर सेवा में बाधक पाया गया हो। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी मेडी डॉक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सह-योजित किया जाएगा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए। ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है। वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो संबंध प्राधिकारी एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है।

यदि कोई उम्मीदवारों अस्थायी तौर पर अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार की ओर आगे की अवधि लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाता चाहिए।

(क) उम्मीदवार की कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित विवरण देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार का ध्यान विशेष रूप में आकर्षित किया जाता है :—

1. अपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान लिखें
3. क्या आप ऐसी जाति जैसे गोरखा गढ़वासी असमी नागालैंड आदिवासी आदि में से किसी से सम्बन्धित हैं जिनका शीतल कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइए।
3. (क) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना थक में खून आना, वमा विल की बीमारी फेफड़े की बीमारी मूर्छा के दोरे हिरब मेडिजम एपेंडिसाइटिस हुआ है?
- (ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शीम्या पर गेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो हुई है?
4. आपको चेचक प्रायि का टीका पिछली बार कब लगा था?
5. या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की क्षमता (नर्वसनेस) हुई?
6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :—

यदि पिता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
---	---	--	---

1	2	3	4
यदि माता जीवित हों तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण

5	6	7	8

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर "हाँ" में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं/पद (पदों) के लिए आपकी परीक्षा की गई थी ?

9. परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था—

10. मेडिकल बोर्ड कब और कहाँ हुआ ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो ?

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे नामने हस्ताक्षर किए—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य नियुक्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या आनुतोषिक (ग्रेजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) — (उम्मीदवार का नाम)

की शारीरिक परीक्षा में सम्बद्ध मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

1. सामान्य विकास :—अच्छा—साधारण ; कम—

पोषण : पतला—औसत—मोटा—

कद (जुते उतार कर)—वजन—

अत्युत्तम वजन—कब था—

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन—

तापमान—

छाती का घेरा—

(1) पूरा सांस खींचने पर—

(2) पूरा सांस निकालने पर—

2. रक्ता—कोई प्रत्यक्ष बीमारी—

3. नेत्र :—

(1) कोई बीमारी—;

(2) रतौधी—

(3) वर्ण वर्णन सम्बन्धी दोष—

(4) दृष्टि दोष (फील्ड ऑफ विजन)—

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)—

(6) फंडस की जाँच—

* चश्मे की प्रयत्नता

दृष्टि की तीक्ष्णता चश्मे के बिना चश्मे के साथ

स्पी० मि० एक्सिस०

चूर की मजरा	दा० ने० बा० ने०
पास की मजरा	दा० ने० बा० ने०
हार्डपरेमेट्रोपिया	दा० ने० बा० ने०

4. कान : निरीक्षण—सुनना
दायाँ कान—बायाँ कान—

5. ग्रंथियाँ—थाइराइड—

6. दाँतों की हालत—

7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर साँस के झंझों में किसी अप्रमामान्यता का पता चला है—
यदि हाँ, तो उसका पूरा व्यौरा दें—

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलैटरी सिस्टम)—
(क) हृदय : कोई प्राणिक विक्षत (प्रोग्नोस्टिक लीजन)—
बेग (रेट)—
खड़े होने पर—

25 बार फुक्कने के बाद ;

फुक्कने के 2 मिनट बाद—

(ख) बल्ब प्रेशर—सिस्टोलिक—

आयस्टोलिक—

9. उबर (पेट) :—घेर—स्पर्श सहायता
(टेंडर्नेस)—
हनिया—

(क) स्पर्श यकृत—

सिल्ली—धूर्त—

ट्यूमर—

(ख) रक्तार्ण—

भग्नवर—

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वस सिस्टम) : तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का संकेत—

11. चलन तंत्र (सोकोमीटर सिस्टम), कोई अप्रमामान्यता—

12. जनन मूल तंत्र (जेनिटी यूग्निरी सिस्टम) : शहस्रशील वैरिकासील प्रायि का कोई संकेत। मूल विशेषण :

(क) कैगा दिखाई पड़ता है—

(ख) विशिष्ट गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)—

(ग) ऐल्बुमेन—

(घ) शक्कर—

(ङ) कास्ट—

(च) कोशिकाएं (सेल्स)—

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट—

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उस सेवा से सम्बद्ध, जिसका वह उम्मीदवार है, ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट :—यदि उम्मीदवार कोई महिला है और वह 12 सप्ताह या उससे अधिक समय से गर्भवती है, तो उसे विनियम 9 (क) के अनुसार अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं से सम्बद्ध ड्यूटी के दक्षतापूर्वक तथा लगातार निष्पादन के लिये सब प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए अयोग्य पाया गया है ? क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना निष्पक्ष निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी में रिकार्ड करना चाहिए।

(i) योग्य (फिट)—

(ii) —के कारण अयोग्य (ग्रन फिट)।

(iii) -----के कारण भ्रष्टाचारी रूप से प्रयोग ।

स्थान-----

शारीर-----

अध्यक्ष -----

सदस्य -----

परिशिष्ट-III

उन सेवाओं/पदों का संक्षिप्त विवरण जिनके लिये इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जा रही है ।

1. भारतीय रेल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल वैद्युत इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल सिगनल इंजीनियर सेवा, भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा और भारतीय रेल भंडार सेवा ।

(क) परीक्षा :-—इन सेवाओं के लिये भर्ती किए गए उम्मीदवार तीन वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे जिसमें उन्हें दो वर्ष का प्रशिक्षण देना होगा तथा किसी कार्यकारी पद पर न्यूनतम एक वर्ष के लिए परीक्षा पर रहना होगा । यदि उक्त प्रशिक्षण को संतोषजनक रूप से पूरा न करने के कारण किसी स्थिति में प्रशिक्षण अवधि को बढ़ाना पड़े तो तबनुसार परीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ा दी जावेगी । परीक्षा की अवधि के दौरान भी यदि कार्यकारी पद पर काम संतोषजनक नहीं पाया गया तो सरकार द्वारा परीक्षा की कुछ अवधि को आवश्यकता नुसार बढ़ाया जा सकता है ।

(ख) प्रशिक्षण :-—समस्त परीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा/पद विशेष के लिये निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुसार दो वर्ष की अवधि के लिये प्रशिक्षण देना होगा । उन्हें इस अवधि में उक्त प्रशिक्षण ऐसे स्थानों पर तथा इस प्रकार से देना होगा और ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जिन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए ।

(ग) नियुक्ति की समाप्ति :-—

(i) परीक्षा की अवधि के दौरान दोनों पक्षों में से किसी एक पक्ष की ओर से तीन महीने का लिखित नोटिस देकर परीक्षाधीन अधिकारियों की नियुक्ति समाप्त की जा सकती है । किन्तु संविधान के अनुच्छेद 311 के खंड (2) के उपबन्धों के अनुसार की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्तगी और सेवा से हटाने के तथा मानसिक एवं शारीरिक अक्षमता के फलस्वरूप अनिवार्य सेवा निवृत्ति के मामलों में ऐसा नोटिस देना आवश्यक नहीं होगा, किन्तु सरकार को तत्काल सेवाएं समाप्त करने का अधिकार है ।

(ii) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या उसके कार्य कुशल बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है ।

(iii) विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण न करने पर सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं । परीक्षा की अवधि के दौरान अनुभविता स्तर की द्विती में परीक्षा उत्तीर्ण न करने पर सेवाओं को समाप्त किया जा सकता है ।

(घ) स्थायीकरण :-—परीक्षा की अवधि को संतोषजनक रूप से पूरा करने तथा सभी निर्धारित विभागीय और द्विती परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के फलस्वरूप तथा नियुक्ति के लिये सभी दृष्टियों से योग्य समझे जाने पर परीक्षाधीन अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ वेतनमान में स्थायी कर दिया जाएगा ।

(क) वेतनमान :

(i) कनिष्ठ वेतनमान : ₹ 700-40-900-व० रो०-40-1100-50-1300

(ii) वरिष्ठ वेतनमान : ₹ 1100- (5 वां वर्ष या इससे पहले) -50-1600

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : ₹ 1500-60-1800-100-2000

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तर-II : ₹ 2250-125/2-2500

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड-स्तर-I : ₹ 2500-125/2-2750

इसके प्रतिरूप ₹ 2500 तथा ₹ 3500 के वेतनमान के बीच के सुपरग्राहम वेतनमान वाले पद भी जिनके लिये उपर्युक्त सेवाओं के अधिकारी पात्र हैं ।

परीक्षाधीन अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान के न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ करेगा तथा उसे समय वेतनमान में अवकाश, पेंशन, तथा वेतन वृद्धियों के लिए परीक्षा पर बिताई गई अवधि को गिनने की अनुमति होगी ।

संहर्गाई तथा अन्य भत्ते भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार प्राप्त होंगे ।

परीक्षा की अवधि के दौरान विभागीय तथा अन्य परीक्षाओं को उत्तीर्ण न करने पर वेतन वृद्धियों को रोक या स्थगित किया जा सकता है ।

(च) प्रशिक्षण व्यय लौटाना :-—यदि किसी ऐसे कारणवश जो सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी के नियन्त्रण से बाहर नहीं है, कोई परीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अवधि परीक्षा से अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उसे परीक्षा की अवधि के दौरान दिए गए प्रशिक्षण का पूरा व्यय और अन्य अनुराशियों को वापस करना होगा । किन्तु जिन परीक्षाधीन अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा आदि में नियुक्ति हेतु परीक्षा के लिये आवेदन करने हेतु अनुमति दी जाती है उन्हें प्रशिक्षण के व्यय को वापस नहीं करना पड़ेगा ।

(छ) छुट्टी : उक्त सेवा के अधिकारी समय-समय पर लागू छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र हैं ।

(ज) चिकित्सा सुविधा : अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा एवं उपचार कराने के पात्र होंगे ।

(झ) पास तथा विशेषाधिकार टिकट : अधिकारी समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास तथा विशेषाधिकार टिकटों के पात्र होंगे ।

(ञ) भविष्य निधि तथा पेंशन :-—उक्त सेवा के लिए भर्ती किए गए उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और समय-समय पर लागू उस निधि के नियमों के अन्तर्गत राज्य रेलवे भविष्यनिधि (गैर-प्रशासकीय) में प्रवेशान करेंगे ।

(ट) उक्त सेवाओं/पदों के लिये भर्ती किए गए उम्मीदवारों को भारत या भारत से बाहर किसी भी रेलवे या परियोजना पर कार्य करना पड़ सकता है ।

(ठ) रक्षा सेवाओं में सेवा करने का वायित्व :-—यदि आवश्यकता हुई तो नियुक्त किए गए परीक्षाधीन अधिकारियों को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा :-

किन्तु उस व्यक्ति को :-

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ।

2. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

और

केन्द्रीय वैद्युत तथा यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष के लिये परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा की अवधि के दौरान उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। परीक्षा संतोषजनक रूप में पूरी कर लेने पर यदि स्थायी पद उपलब्ध हुए तो उनके स्थायी करने या कार्य करते रहने पर विचार किया जाएगा। परीक्षा की दो वर्ष की अवधि सरकार द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

परीक्षा की अवधि या परीक्षा की कोई बड़ी हुई अवधि समाप्त हो जाने पर यदि सरकार की यह राय है कि अधिकारी स्थायी नियोजन/ब्यवस्था के उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या परीक्षा की बड़ी हुई अवधि के दौरान किसी समय सरकार इसे बात से संतुष्ट हो जाए कि अधिकारी स्थायी नियुक्ति/ब्यवस्था के लिए उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्य मुक्त कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

(ख) इस समय जो स्थिति है वह यह है कि केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' में नियुक्त सभी अधिकारियों के लिए सहायक कार्यपालक इंजीनियर के ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा कर लेने के बाद कार्यपालक इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के यथाचित अवसर प्राप्त हैं किन्तु शर्त यह है कि इस पदोन्नति के लिये अन्यथा उपयुक्त पाए जाएं।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा में संबद्ध किसी प्रशिक्षण पर बिनाई गई अवधि (यदि कोई है) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा में सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

कनिष्ठ वेतनमान—रु० 700-40-900-४० री०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान—रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।

प्रशासनिक (चयन) पद :

अधीक्षण इंजीनियर—रु० 1500-60-1800-100-2000।

मुख्य इंजीनियर—(i) रु० 2250-125/2-2500।

(ii) रु० 2500-125/2-2750।

इंजीनियर इन चार्ज—रु० 3000-100-3500 (केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क' के लिये)।

नोट—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आवश्यक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर० 22बी (1) के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ङ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) और केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा (ग्रुप क) के पदों से संबंधित कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों का स्वरूप।

(i) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माणों (केन्द्रीय सरकार के), के जिसमें ग्रामीण भवन, कार्यालय भवन, संस्था तथा अनु-संधान केन्द्र, औद्योगिक भवन, अस्पताल की भूमि की विकास योजना, इवाई ब्रिड्ज, महामार्ग तथा पुल आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी

सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुंच जाते हैं।

(ii) केन्द्रीय वैद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवा ग्रुप क

इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से इस सेवा में भर्ती हुए उम्मीदवार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विभिन्न प्रकार के सिविल निर्माणों (केन्द्रीय सरकार के) के वैद्युत घटकों के, जिसमें वैद्युत संस्थापन, इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन तथा पावर हाउस, वातानुकूलन तथा प्रशीतन, इवाई ब्रिड्जों की रनवे लाइटिंग, यांत्रिक कर्मशास्त्रों का परिवारण, निर्माण मशीनरी की प्राप्ति तथा रख-रखाव आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पन, निर्माण और रख-रखाव के कार्य पर लगाए जाते हैं। इस विभाग में उम्मीदवार अपनी सेवा सहायक कार्यपालक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और अपनी सेवा करते-करते वे पदोन्नत होकर विभाग के विभिन्न वरिष्ठ ओहवों पर पहुंच जाते हैं।

3. सेना इंजीनियर सेवा ग्रुप 'क' :—

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन अधिकारी को अपनी परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित विभाग तथा भाषा संबंधी परीक्षण उत्तीर्ण करने पड़ सकते हैं। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण असंतोषजनक है या ऐसा आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है अथवा यदि परीक्षाधीन अधिकारी उक्त अवधि के दौरान निर्धारित परीक्षण उत्तीर्ण नहीं कर पाता है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार उसे उन नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य तथा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि इतनी बढ़ा सकती है जितनी वह ठीक समझे।

उम्मीदवारों को दो वर्षों की परीक्षा की अवधि के दौरान एम० ई० एन० प्रोवीजर सुप्रिटेन्डेंट्स (बी/आर एण्ड ई/एम) ग्रेड-I एक्जामिनेशन तथा हिन्दी परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे। हिन्दी परीक्षण का स्तर प्राज्ञ (मैट्रिकुलेशन स्तर के समकक्ष) का होगा।

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है, सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिये कार्य करना होगा किन्तु उन व्यक्ति को (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एम० आर० ओ० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूल्स भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

वेतनमान

सहायक कार्यपालक इंजीनियर	रु० 700-40-900-४० री०-40-
सहायक निर्माण सर्वेक्षक	1100-50-1300।
कार्यपालक इंजीनियर निर्माण सर्वेक्षक	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600।
अधीक्षण इंजीनियर	रु० 1500-60-1800-100-2000।
अधीक्षण-निर्माण सर्वेक्षक	
उप मुख्य इंजीनियर	रु० 1500-60-1800-100-2000
	महा साथ में विशेष वेतन रु० 200/-
मुख्य इंजीनियर	रु० 2250-125/2-2500।
मुख्य निर्माण सर्वेक्षक	विचारधीन।

4. भारतीय आयुक्त कारखाना सेवा ग्रुप 'क' :

जुने हुए उम्मीदवारों को सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षाधीन) के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिबीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। आयुक्त कारखाना महानिदेशक की अनुमति पर सरकार परिबीक्षा की अवधि बढ़ा या बढ़ा सकती है। सहायक प्रबन्धक (परिबीक्षाधीन) को जो सरकार चाहे वह प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और जो सरकार निर्धारित करे वह विभाग तथा भाषा संबंधी परीक्षण देना होगा। भाषा परीक्षण के अन्तर्गत हिन्दी में भी परीक्षण किया जाएगा। सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दिया जाएगा। किन्तु परिबीक्षा की अवधि के दौरान या अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसको कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परिबीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे और बढ़ा सकती है।

(ख) जुने हुए उम्मीदवारों को यदि आवश्यकता पड़ी, तो सशस्त्र सेना में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई है सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और (ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ii) उम्मीदवारों पर एस० आर० प्रो० नं० 92 दिनांक 9 मार्च, 1957 के अन्तर्गत प्रकाशित 1957 के सिविलियन इन डिफेंस सर्विस (फील्ड लाइबिलिटी) रूल भी लागू होंगे। उनमें निर्धारित चिकित्सा स्तर के अनुसार उम्मीदवारों की चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(ग) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

	कनिष्ठ वेतनमान
सहायक प्रबन्धक/तकनीकी स्टाफ	रु० 700-40-900- द० 1100-50-1300 ।
	वरिष्ठ वेतनमान
उप प्रबन्धक/उप सहायक	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम)-50-1600 ।
महानिदेशक, आयुक्त कारखाना प्रबन्धक/वरिष्ठ उप महानिदेशक, आयुक्त कारखाना उप महानिदेशक/महाप्रबन्धक ग्रेड-II /सहायक महानिदेशक आयुक्त कारखाना ग्रेड-II	रु० 1500-2000
महाप्रबन्धक ग्रेड-I सहायक महानिदेशक आयुक्त कारखाना ग्रेड-I	रु० 2000-125/2-2250 ।
महाप्रबन्धक (चयन ग्रेड)	(i) रु० 2250-125/2-2500 ।
उपमहानिदेशक, आयुक्त कारखाना	(ii) रु० 2500-125/2-2750 ।
अतिरिक्त महानिदेशक आयुक्त कारखाना	रु० 3000 (नियत) ।
महानिदेशक आयुक्त कारखाना	रु० 3500 (नियत) ।

ये परिशोधन पूर्व वेतनमान हैं, परिशोधित वेतनमान विचारधीन हैं।

नोट - जो सरकार कर्मचारी परिबीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आर्थिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन रक्षा मंत्रालय के समय-समय पर संशोधित का० प्रो० सं० 15(6) 64 डी (रेगुलेशन) 1051 डी (सी-IV-1), दिनांक 25 नवम्बर, 1965 के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) परिबीक्षाधीन अधिकारियों को मसूरी/नागपुर में फाउन्डेशनल कोर्स करना होगा।

(ङ) इस प्रकार चर्चों हुए परिबीक्षाधीन अधिकारी को सेवा प्रारम्भ करने से पहले एक बंधन्य भरना होगा।

5. भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' :

(क) दो वर्ष की अवधि के लिये नियुक्त परिबीक्षा पर की जाएगी। सरकार की राय में परिबीक्षाधीन अधिकारी का कार्य तथा आचरण यदि असंतोषजनक है या उससे यह आभास होता है कि उसके कुशलता प्राप्त करने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तत्काल कार्यमुक्त कर सकती है। परिबीक्षा की अवधि पूरी हो जाने पर सरकार, यदि स्थायी नियुक्ति उपलब्ध हुई, उस उक्त नियुक्ति पर स्थायी बना सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक रहा है तो सरकार उसे सेवामुक्त कर सकती है या जितनी ठीक समझे उतनी अवधि के लिए उसकी परिबीक्षा की अवधि बढ़ा सकती है।

परिबीक्षा की अवधि के दौरान जो भी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं निर्धारित की जाएं, अधिकारियों को उत्तीर्ण करनी होंगी? उनकी स्थायी किए जाने से पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) अधिकारियों को व्यवसाय तथा भाषा सम्बन्धी परीक्षण भी उत्तीर्ण करने होंगे।

(ग) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बन्ध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बन्ध पक्ष पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा ;

(ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(घ) वेतन की प्राप्य दरें निम्न प्रकार हैं :—

	कनिष्ठ वेतनमान	रु० 700-40-900-द० 1100-50-1300
	वरिष्ठ वेतनमान	रु० 1100 (छठा वर्ष या कम) 50-1600
	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	रु० 1500-60-1800-100-2000
	वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	(i) रु० 2250-125/2-2500 (ii) रु० 2500-125/2-2750

नोट -- जो सरकारी कर्मचारी परिबीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले आर्थिक पद के अलावा किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो उसका वेतन एफ० आर०-22बी (i) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय दूर संचार सेवा ग्रुप 'क' के कनिष्ठ वेतनमान में यदि किसी अधिकारी का स्थानापन्न वेतन रु० 780- या इससे अधिक है तो वह तब तक वेतन वृद्धि प्राप्त नहीं करेगा जब तक विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न कर लें।

(ङ) भारतीय दूरसंचार सेवा (ग्रुपक) के पदों से सम्बन्ध कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व।

महायुक्त डिबीजनल इंजीनियर टेलीग्राफ

सहायक डिबीजनल इंजीनियर, टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी सब डिबीजनल, कैबलिंग बी० एफ० टी०, कोडिंग्स, माइक्रोवेव, लॉग डिस्टेंस, इलेक्ट्रिकल तथा वायरलेस के इंजार्ज होंगे और सामान्यतः डिबीजनल इंजीनियर के अधीन कार्य करेंगे। वे विभिन्न दूर संचार निर्माणों के संस्थापन संरचना करने के लिए परियोजना संगठन में भी कार्य कर सकते हैं।

डिजीजल इंजीनियर

डिजीजल इंजीनियरों की टेलीग्राफ/टेलीफोन इंजीनियरी डिजीजलों जिसमें लॉग डिस्टेंस, कोमिशनल, माइक्रोवेव मेंटिनेंस डिजीजल तथा वायरलेस डिजीजल शामिल हैं, का प्रभारी बनाया जाता है। वे अपने प्रभार में रहने वाले टेलीग्राफों तथा टेलीफोनों के उपकरणों के रख-रखाव के पूरे जिम्मेदार होंगे तथा अपने डिजीजल में रह कर कार्य करेंगे। जब डिजीजल इंजीनियर परियोजना संगठन पर लगाए जाते हैं तो उन्हें यंति में निमण/संस्थापन कार्य करना होगा।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सफिल और टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट में दूर संचार सम्बन्धी परि-सम्पत्तियों के प्रशासन और दूर संचार संस्थापों के प्रशासन तथा आयोजन के लिये, दूर संचार प्रणालियों द्वारा में अनुसंधान और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। वे माइनर टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट, दूर संचार सफिल, आदि के लिये भी पूरी तरह जिम्मेदार हैं।

परिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड

दूर संचार सफिल/टेलीफोन डिस्ट्रिक्ट/प्रोजेक्ट सफिल/दूर संचार अनु-रक्षण क्षेत्र का प्रभार, जो कार्य प्रभार में उसका पूरी तरह से प्रबन्धन प्रशासन करने के लिये जिम्मेदारी डाक-तार बोर्ड में उप-महानिदेशक, डाक तार बोर्ड की नीति निर्धारित करने तथा समग्र प्रशासन करने में उच्चस्तरीय सहायता प्रदान करना है। निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र और अतिरिक्त निदेशक, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र, दूर संचार अनुसंधान केन्द्र के अनुसंधान सम्बन्धी समग्र कार्यकलापों के लिए जिम्मेदार हैं।

6. केन्द्रीय इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(i) केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक/सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पदों पर भर्ती हुए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे।

किन्तु सरकार आवश्यक होने पर, दो वर्ष की उक्त अवधि अधिक से अधिक एक वर्ष तक और बढ़ा सकती है।

यदि परीक्षा की उपयुक्त अवधि या बड़ी हुई अवधि जैसी भी स्थिति हो, समाप्त होने पर सरकार की यह राय होगी उम्मीदवार स्थायी नियोजन हेतु उपयुक्त नहीं है या परीक्षा की इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के दौरान सरकार सतुष्ट होजाए कि वह स्थायी नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं रहेगा तो इस अवधि या बड़ी हुई अवधि के समाप्त हो जाने पर सरकार उक्त अधिकारी को कार्यमुक्त कर सकती है या उसको उसके मूल पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या जो ठीक समझे वह आदेश पारित कर सकती है।

परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार उम्मीदवारों से प्रशिक्षण तथा धीक्षण का ऐसा कोर्स करने और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने को कह सकती है जिसे वह परीक्षा की सफल पूर्ति की एक शर्त के रूप में ठीक समझे।

(ii) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किसी भी व्यक्ति को यदि आवश्यकता पड़ी तो भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी प्रशिक्षण पर भर्ताई गई अवधि, यदि कोई हो, सहित कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिये किसी रक्षा सेवा या भारत का रक्षा से सम्बद्ध पद पर कार्य करना होगा;

किन्तु उस व्यक्ति को—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की मर्यादा के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा;

(ii) साधारणतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(iii) सहायक निदेशक सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियुक्त अधिकारी निर्धारित शर्त पूरी करने के बाद उप निदेशक/कार्यपालक इंजीनियर/अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)/निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड) और मुख्य इंजीनियर के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की उम्मीद कर सकते हैं।

(iv) केन्द्रीय जल आयोग में इंजीनियरी पदों के ग्रुप "क" के लिये वैतनमान निम्न प्रकार हैं:—

(केन्द्रीय जल आयोग में सिविल और यांत्रिक पद)

1	2
1. सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 700-40-900-२० रु०-40-1100-50-1300।
2. उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	रु० 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600।
3. अधीक्षक इंजीनियर/निदेशक (साधारण ग्रेड)	रु० 1500-60-1800-100-2000।
4. निदेशक चयन ग्रेड, अधीक्षक इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु० 2000-125/2-2250।
5. मुख्य इंजीनियर	(i) 2500-125/2-2750 (स्तर I) (ii) 2250-125/2-2500 (स्तर II)

(v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा में पदों के संबंध कर्तव्यों और बाधितों का स्वरूप।

सहायक निदेशक अधिकारी (सिविल और यांत्रिक)।

सिंचाई, नौसंचालन, विद्युत्, घरेलू जल आपूर्ति, बाढ़ नियन्त्रण और अन्य प्रयोजनों के विकास हेतु जल साधनों के संरक्षण तथा विनियमन के लिए प्राक्कलन, रिपोर्ट आदि तैयार करने सहित परियोजनाओं की योजना सर्वेक्षण अन्वेषण तथा अभिकल्पना।

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सिविल तथा यांत्रिक)

उनको प्राबलित उप मंडल या अन्य एककों के निर्माण कार्य के लिए वे जिम्मेदार होंगे। उन्हें अपने प्रभार के अधीन रोकड़ तथा भंडारों का मेन्टेनन्स रखना होगा तथा परोक्ष रूप से उप मंडल में प्रत्येक कार्य की प्रगति के लिए कुछ आनुवंशिक कार्यों को भी देखना होगा। विभिन्न नियमों आदि के अनुसार वे अपने प्रभार के अधीन माप बहियों, मास्टर रोल तथा अन्य अभिलेखों के सही रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।

7. केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप क) सेवा

(i) संगठन का विवरण:

विद्युत् (आपूर्ति) अधिनियम, 1948 की धारा 3(i) के अधीन केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण संगठित किया गया था और इसका वायित्व राष्ट्रीय विद्युत् साधनों के नियंत्रण तथा उपयोग के संबंध में योजना अधिकारियों के कार्यकलापों के समन्वय करने के लिये एक सुदृढ़, पर्याप्त और एकरूप राष्ट्रीय विद्युत् नीति का विकास करना है। देश की सभी विद्युत् योजनाओं (उत्पादन, संचरण, वितरण और विद्युत् आपूर्ति का उपयोग) की संभाव्यता, तकनीकी विश्लेषण, आर्थिक व्यवहार्यता आदि के संबंध में यह सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में संवीक्षा की जाती है कि ये योजनाएँ राज्यों तथा क्षेत्रों के समग्र विकास के लिये उपयुक्त होंगी और सब प्रकार से राष्ट्रीय धर्म व्यवस्था के अनुरूप होंगी। इस संगठन का राष्ट्रीय धर्म व्यवस्था के विकास और विद्युत् को इसकी मुख्य गतिदायी शक्ति प्रदान करने में महत्वपूर्ण स्थान है।

(ii) उम ग्रेड का विवरण जिसके लिये संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षाओं के माध्यम से भर्ती की जाती है।

रु० 700-1300 के वैतनमान में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में मंडलप्रतिष्ठत पद संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वार्षिक आधार पर की गई सम्मिलित इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरे जाते हैं।

केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप/क) में सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिये परि-बीक्षाधीन रहेंगे किन्तु जहां आवश्यक हो, वहां सरकार उक्त दो वर्षों की अवधि के अतिरिक्त अवधि बढ़ा सकती है जो एक वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि उपर्युक्त परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि जैसी भी स्थिति हो, के समाप्त होने के बाद सरकार यह समझे कि कोई उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा ऐसी परीक्षा की अवधि या बढ़ाई गई अवधि के दौरान किसी भी समय वह इस बात से संतुष्ट हो कि उक्त उम्मीदवार ऐसी परीक्षा अवधि या बढ़ाई गई अवधि की समाप्ति के बाद स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसके स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है या ऐसे आदेश पारित कर सकती है जैसा यह उचित समझे।

परीक्षा की अवधि के दौरान उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा अनुदेश का पालन करना होगा तथा ऐसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो सरकार द्वारा परीक्षा की अवधि को मन्तोषजनक रूप से पूरा करने की शर्त के रूप में निर्धारित की जाए।

यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(iii) उच्चतर ग्रेडों के लिए पदोन्नति

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों पर नियुक्त किए गए अधिकारियों की समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप/क) सेवा नियमावली 1965 में निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद उप-निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर, निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (साधारण ग्रेड), निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड) उप मुख्य इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (स्तर II) और मुख्य इंजीनियर (स्तर I) के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की आशा कर सकते हैं।

(iv) वेतनमान

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप/क) सेवा के पदों के वेतनमान निम्नलिखित हैं :—

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में विद्युत्, यांत्रिक और दूर संचार से संबंध पद

क्रम सं०	पद का नाम	वेतनमान
1.	सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर	रु० 700-40-900-द० 50-1300।
2.	उप निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर	रु० 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600।
3.	निदेशक/अधीक्षक इंजीनियर (साधारण ग्रेड)	रु० 1500-60-1800-100-2000।
4.	निदेशक/अधीक्षण इंजीनियर (चयन ग्रेड)	रु० 2000-125/2-2250।
5.	उप मुख्य इंजीनियर	रु० 2000-125/2-2250।
6.	मुख्य इंजीनियर (स्तर-II)	रु० 2250-125/2-2500।
7.	मुख्य इंजीनियर (स्तर-I)	रु० 2500-125/2-2750।

नोट:—सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रेड से उप-निदेशक/कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति होने पर वेतन नियतन के प्रयोजनार्थ इस सेवा के सदस्यों के लिए तृतीय वेतन आयोग की अनुशंसाओं पर अपनाई गई समनुक्रमिका सारणियां लागू हैं।

(v) कर्तव्य और दायित्व

सहायक निदेशक/सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पदों से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों के स्वरूप इस प्रकार हैं:—

विद्युत् विकास के क्षेत्रों की विविध प्रकार की समस्याओं से संबंध अपेक्षित तकनीकी तथ्यों का संग्रह संकलन और परस्पर संबंध उन्हें इनसे सम्बंध मामलों को भी निपटाना है जिसमें हाइड्रो तथा थर्मल पावर परियोजनाओं की स्थापना संचालन अनुरक्षण तथा विद्युत् योजनाओं परियोजनाओं की अभिकल्पनाओं आदि के तैयार करने में सहायता देते हुए उनके संचरण तथा वितरण/विद्युत् प्रणालियों की परियोजना रिपोर्टों का अध्ययन करना सम्मिलित है। क्षेत्र एककों में कार्य करते हुए वे उप मंडल या उनको आवंटित अन्य कार्यों के लिए उत्तरदायी होंगे।

8. केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क

(क) चुने हुए उम्मीदवार सहायक कार्यकारी इंजीनियरी के पद पर दो वर्ष के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए जाएंगे। परीक्षा अवधि पूरी होने पर यदि रिक्तियां उपलब्ध हुईं और वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो उन्हें सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाएगा। सरकार दो वर्ष की परीक्षा अवधि को बढ़ा सकती है।

परीक्षा अवधि या उसकी बढ़ाई गई अवधि के समाप्त होने पर यदि सरकार यह समझती है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर स्थायी नियोजन के योग्य नहीं है या ऐसी परीक्षा अवधि या परीक्षा की बढ़ाई गई अवधि के दौरान वह इससे संतुष्ट है कि कोई सहायक कार्यकारी इंजीनियर ऐसी अवधियों या बढ़ाई गई अवधियों की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह सहायक कार्यकारी इंजीनियर की सेवा निवृत्त कर सकती है अथवा ऐसे आदेश पास कर सकती है जो वह ठीक समझे।

अधिकारियों को स्थायीकरण में पहले हिन्दी का परीक्षण भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) यदि आवश्यकता हुई तो इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा। किन्तु उस व्यक्ति को:—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्व पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा और

(ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्त वेतन की दरें निम्नलिखित हैं:—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---

रु. 700-40-900-द. रं. -40-1100- 50-1300

कार्यकारी इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---

रु. 1100 (छठे वर्ष या कम)-50-1600

अधीक्षण इंजीनियर (सड़क/पुल/यांत्रिक)---

रु. 1500-60-1800-100-2000

मुख्य इंजीनियर (सड़क/पूल/यांत्रिक)---

(i) रु. 2250-125/2-2500

(ii) रु. 2500-125/2-2700

अतिरिक्त महानिदेशक (सड़क/पूल)--- रु. 2500-125/2-3000

महानिदेशक (सड़क विकास)--- रु. 3000-100-3500

नोट:--उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन जो केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा ग्रुप क/ग्रुप ख में परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले मूल रूप में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है एफ. आर. 22-ख

(i) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(घ) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा (सड़क) ग्रुप क के पद से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सड़क/पूल कार्यों की अभिकल्पना और आकलन तैयार करने की योजना में और राज्यों से एने कार्यों के लिए प्राप्त प्रस्तावों की संवीक्षा करने में जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय के सड़क स्कंध के मुख्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की सहायता करना।

9. भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के पद

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) (ग्रुप क पद) और सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप ख पद) के पदों पर अस्थायी आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे। दो वर्ष से अधिक अतिरिक्त अवधि के लिए सेवा में उनका रखना परिवीक्षा अवधि के दौरान उनके द्वारा किए गए कार्य के मूल्यांकन पर निर्भर करेगा। सरकार की विवधा पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है उन्हे क्रमशः रु. 700-40-900-द. रो. -40-1100-50-1300 और रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 के समय वेतन मान में वेतन मिलेगा। संतोषजनक रूप से उनकी परिवीक्षा की अवधि पूरी कर लेने पर यदि वे स्थायी नियुक्ति के योग्य समझे जाते हैं तो मूल रिक्तियों के उपलब्ध होने पर नियमानुसार उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

यदि आवश्यकता हुई तो भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) और सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति किए गए व्यक्तियों को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:--

(i) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक बरमा इंजीनियर/यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) या सहायक यांत्रिक इंजीनियर के पद पर नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

इस विषय पर नियमों और अनुदेशों के अनुसार जो उम्मीदवार योग्य पाए जाते हैं उनके लिए पदोन्नति का क्षेत्र निम्नलिखित है:--

क--सहायक बरमा इंजीनियर (ग्रुप क) के लिए--रु. 700-40-900-द. रो. 40-1100-50-1300।

(i) उप बरमा इंजीनियर--रु. 1100-50-1600

4-501GI/79

(ii) बरमा इंजीनियर--रु. 1500-60-1800-100-2000।

(iii) उप मुख्य इंजीनियर (बरमा)--रु. 1800-100-2000।

ख--यांत्रिक इंजीनियर (कनिष्ठ) ग्रुप क (रु. 700-40-900-द. रो. -40-1100-50-1300)।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर (ग्रुप ख) रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200)।

(i) यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)--रु. 1100-50-1600।

(ii) अधीक्षण यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ)--रु. 1500-60-1800-100-2000।

(iii) उप मुख्य इंजीनियर (यांत्रिक)--रु. 1800-100-2000।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में भर्ती किए गए अधिकारियों को भारत में या विदेश में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

नोट:--उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परिवीक्षाधीन नियुक्ति से पहले स्थायीवत् हैसियत में किसी आवधिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर है, एफ. आर. 22-ख (i) के उपबंधों के अधीन विनियमित किया जाएगा।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में पदों से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप

यांत्रिक इंजीनियर

(कनिष्ठ)

बरमा, वाहनों और अन्य उपकरणों का अनुरक्षण तथा मरम्मत। विविध क्षेत्र के कर्तव्यों तथा कार्यों के लिए चालकों तथा वाहनों का आवंटन/पी. एस. एल. अंकों तथा अभिलेखों, लागू बुक, इतिवृत्तों की संवीक्षा तथा अनुरक्षण।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर

कोर रिकवरी का इष्टतम प्रतिशत सुनिश्चित करते हुए एक या अधिक झिल्लिंग रिंगों से खनिज अन्वेषण के संबंध में छेदन कार्य करना। सरकारी भंडारों और उसको सौंपे गए हम्प्रेस्ट की ठीक प्रकार से सुरक्षा के लिए लगाई गई मशीनरी और वाहनों का समारक्षण। भंडारों तथा शेकड़ लेखों का रखना और अपने अधीन नियोजित कर्मचारी वर्ग का कल्याण देखना।

सहायक यांत्रिक इंजीनियर

वाहन, बरमा और अन्य उपकरणों की मरम्मत और अनुरक्षण क्षेत्रों में मरम्मत करने के लिए मोबाइल कर्मशालाओं का पर्यवेक्षण।

10. डाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में सहायक प्रबंधक कारखाना ग्रुप क पद

(i) सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

(ii) परिवीक्षा अवधि के अन्तर्गत उम्मीदवारों को प्रशिक्षण के कार्यक्रम के अनुसार व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित किया जाए, प्राप्त करना होगा

और व्यावसायिक परीक्षा तथा हिन्दी में परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(iii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक प्रबंधक (कारखाना) के पद पर नियुक्त किए गए किसी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

- (क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

झाक-तार दूर संचार कारखाना संगठन में इंजीनियरी पदों के वर्तमान निम्नलिखित हैं:—

- (1) सहायक प्रबंधक (कारखाना)—रु. 700-40-900-ब. रो. -40-1100-50-1300।
- (2) सहायक महाप्रबंधक वरिष्ठ इंजीनियर—रु. 1100-50-1600
- (3) उप महाप्रबंधक/दूर संचार प्रबंधक (कारखाना)—रु. 1500-60-1800।

11. इंजीनियर (ग्रुप क), वायरलेस, योजना और समन्वय स्कंध/अनुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय:—

- (क) वर्तमान रु. 700-40-900-ब. रो. -40-1100-50-1300।
- (ख) ग्रेड में पांच वर्ष की सेवा करने के बाद इंजीनियर के पदधारी सहायक वायरलेस सलाहकार, वायरलेस योजना और समन्वय स्कंध। इंजीनियर प्रभारी, अनुश्रवण संगठन (वर्तमान रु. 1100-50-1600 तथा सहायक वायरलेस सलाहकार के पद के लिए रु. 100 प्रतिशत विशेष वेतन) के ग्रेड में रिक्तियों के 100 प्रतिशत पदोन्नति के पात्र हैं। सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में उनकी पदोन्नति ग्रुप क पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर उनके चयन के आधार पर की जाएगी।

सहायक वायरलेस सलाहकार/इंजीनियर प्रभारी के ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक वायरलेस सलाहकार और इंजीनियर प्रभारी उप वायरलेस सलाहकार (वर्तमान रु. 1500-60-1800) के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के पात्र हैं। उप वायरलेस सलाहकार के ग्रेड में रिक्तियों ग्रुप क पदों के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन करने के आधार पर 100 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा भरी जाती है।

- (ग) इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।
- (घ) यदि आवश्यकता हुई तो इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा

से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

- (i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और
- (ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ख) पद (पदों) से संबंध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप
 - (i) अनुश्रवण केन्द्रों का प्रभारी होना। तकनीकी सहायकों, रेडियो तकनीशियनों और उनके अधीन अन्य कर्मचारी वर्ग के कार्य का पर्यवेक्षण।
 - (ii) विशिष्ट अनुश्रवण उपकरणों, जिनमें आवृत्ति माप उपकरण रेडियो निदेशन अन्वेषी दूरबीन, आयन-मंडली रिकार्डर, रव रिकार्डर, आदि सम्मिलित हैं, के संस्थापन, संभालन और अनुरक्षण का कार्य-भार संभालना।
- (iii) प्रयोग में लाने वाले विभिन्न विभागों और सेवाओं की आवृत्ति अपेक्षाओं का निर्धारण।
- (iv) अन्तर्राष्ट्रीय रेडियो विनियमों का प्रशमन और उनसे संबंधित करार करना।
- (v) आवृत्ति अभिलेख और संबंध प्रलेख तैयार करना।
- (vi) वायरलेस संस्थापनाओं का अनुज्ञापन तथा निरीक्षण।
- (vii) रेडियो उपकरणों की विशिष्टियां तैयार करना।
- (viii) ट्रांसमीटरों रिसीवरों और सहायक उपकरणों की विविध प्रकार की जांच करना।
- (ix) रेडियो आपरेटरों को दिए जाने वाले प्रवीणता प्रमाण-पत्र के लिए परीक्षाओं के आयोजित करने में सहायता देना।
- (x) प्रचार समस्याओं और समवर्ग अनुसंधान की जांच करना और
- (xi) रेडियो एवं अध्ययन, आयनमंडली अध्ययन और क्षेत्र तीव्रता माप आदि के तथ्यों का परीक्षण, विश्लेषण और समन्वय करना।

13. संचार मंत्रालय की समुद्रपार संचार सेवा इंजीनियर प्रभारी (ग्रुप क), सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख—राजपत्रित) और तकनीकी सहायक (ग्रुप ख—अराजपत्रित)।

- (क) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप-इंजीनियर प्रभारी के पद पर नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवार कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किए जाएंगे और आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।
- (ख) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप-इंजीनियर प्रभारी के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा।
- (ग) तकनीकी सहायक/सहायक इंजीनियर/उप-इंजीनियर प्रभारी के पद पर अस्थायी नियुक्ति की स्थिति में अधिकारी को सेवा उसके द्वारा निष्पादित बन्धपत्र में निर्धारित शर्तों के अतिरिक्त किसी भी पक्ष की ओर से एक महीने का नोटिस देकर समाप्त की जा सकती है। किन्तु विभाग अस्थायी कर्मचारी को नोटिस के स्थान पर एक महीने का वेतन तथा भत्ते

देकर उसकी सेवा समाप्त कर सकता है परन्तु अधिकांश को इस प्रकार का कोई विकल्प नहीं दिया गया है।

(घ) वेतनमान

(1) तकनीकी सहायक:—रु. 550-25-750-द. रो. 30-900

(2) सहायक इंजीनियर:—रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200

(3) उप-प्रभारी इंजीनियर:—रु. 700-40-900-द. रो. -40-1100-50-1300।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर

(i) तकनीकी सहायक:—संबद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सभी तकनीकी सहायक विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 50 प्रतिशत रिक्तियों में योग्यता के आधार पर चयन द्वारा रु. 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 के वेतनमान में सहायक इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र है:—

(ii) सहायक इंजीनियर:—इस ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सभी सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 75 प्रतिशत रिक्तियों में योग्यता के आधार पर चयन द्वारा रु. 700-40-900-द. रो. -40-1100-50-1300 के वेतनमान में उप प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के लिए पात्र है।

(iii) उप प्रभारी इंजीनियर:—उप प्रभारी इंजीनियर प्रभारी या सहायक इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले उप प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि के सफलतापूर्वक पूरा कर लेने पर समुद्रपार संचार सेवा में प्रभारी इंजीनियर (वेतनमान रु. 1100-50-1600) के पद पर पदोन्नति के लिए पात्र है।

(iv) प्रभारी इंजीनियर:—प्रभारी इंजीनियर के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले प्रभारी इंजीनियर के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में निदेशक के पद (वेतनमान:—रु. 1300-50-1700) पर पदोन्नति के लिए पात्र है। निदेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति की अनुसंधानों पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

(v) निदेशक:—निदेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले निदेशक के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में उप महानिदेशक के पद (वेतनमान:— रु. 1500-60-1800-100-2000) पर

पदोन्नति के लिए पात्र हैं। उप महानिदेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुसंधानों पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

(vi) उप महानिदेशक:—उप महानिदेशक के ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले उप महानिदेशक के पद के पदधारी समुद्रपार संचार सेवा में महानिदेशक के पद (वेतनमान: रु. 2250-125/2-2500) पर पदो-

न्नति के लिए पात्र हैं। महानिदेशक के ग्रेड में पदोन्नति पद के लिए गठित की गई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुसंधानों पर चयन होने के आधार पर की जाएगी।

(ब) यदि आवश्यकता हुई तो तकनीकी सहायक, सहायक इंजीनियर या उप-प्रभारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो)। सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को:—

(i) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ii) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

नोट:—सेवा की शेष शक्तें जैसे स्थानान्तरण/दौरो पर अवकाश यात्रा भत्ते कार्यारम्भ समय/कार्यारम्भ समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा-रियायत, पेंशन और आनुतोषिक नियंत्रण तथा अनुभासन और आचरण आदि वही होंगी जो सामान्य हैसियत के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए लागू हों।

(वों) से संबंध कर्तव्यों और वायित्वों का ह

1. उप प्रभारी इंजीनियर:—समुद्रपार संचार सेवा में उपप्रभारी इंजीनियर के पद का पदधारी प्रभारी इंजीनियर के डिप्टी के रूप में कार्य करता है और अन्तर्राष्ट्रीय दूर-संचार उपस्कर के संचालन तथा अनुरक्षण से संबंधित सभी तकनीकी मामलों में प्रभारी इंजीनियरी की सहायता करता है और स्टाफ कालोनी, जलपूति, विद्युत पूर्ति, इंजीनियरी और स्टेशनरी तथा अन्य वस्तुओं के प्रबंध के लिए भी जिम्मेदार है।

पदों के पदाधारियों को न केवल तकनीकी कार्य का ही प्रवेक्षण करना है बल्कि बहुमूल्य दूर संचार उपस्करों के संस्थापन और रख-रखाव में भी अपने आपको लगाना है। समुद्र पार संचार सेवा की उपस्कर विशेषताओं का गहन उपयोग मुख्य रूप से उप प्रभारी इंजीनियर की कार्य से संबंध समन्वय तथा निष्पादन करने की उम्र योग्यता पर निर्भर है जिसमें काम चला पाने की क्षमता तथा विश्वसनीयता मानकों को बनाए रखने का समावेश हो।

2. सहायक इंजीनियर:—पद का पदधारी सामान्यतः शिफ्ट का प्रभारी है और उपस्करों के संचालन तथा अनुरक्षण के लिए जिम्मेदार है। उसे तकनीकी मामलों पर विशेष एसोशिएटों द्वारा उठाई गई शंकाओं के बारे में स्तर पर निर्णय करना है और लुटियों को दूर करना है

पद पर्यवेक्षकीय तथा संचालनात्मक है। पद के पदधारी को अपनी पारी में तकनीकी सहायकों और कनिष्ठ तकनीकी सहायकों के स्तर के अधीनस्थों पर नियंत्रण रखना है। जब कुछ कर्मचारी प्रयुक्त अनुसंधान के तत्व के विकास और अनुसंधान में लगे हों तो सभी सहायक इंजीनियरों को अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार मानकों की जानकारी होनी चाहिए और उनका अनुपालन करना चाहिए।

3. तकनीकी सहायक:—पद के कर्तव्य और वायित्व विभिन्न तारों, टेलीफोन और अन्य वायरलेस उपकरणों और उपस्करों के संचालन का उपायोजन करना, विभिन्न प्रकार के उच्च शक्ति वाले ट्रान्सीमिटर्स/रिसीवरों का अनुरक्षण और संस्थापन करना और उनमें हुई खराबी का वेखना है। समुद्रपार टेलीफोन काल के दौरान जब वो ग्राहकों के बीच आवाज जा रही है तो पदधारी को रेडियो टर्मिनल के पूरे परिपथ पर भी नियंत्रण रखना है।

13. सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) आकाशवाणी महानिदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी।

(ख) (i) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी को भारत में कहीं भी कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

(ii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए किसी भी व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :—(i) परीक्षा अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर (ii) अनुवीक्षण असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से संबंध प्रवृत्त नियमावली के उपबन्धों में से किसी को भंग करने या अनुपालन न करने के लिए (iii) यदि वह डाक्टरी रूप से अनुपयुक्त पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थायी नियुक्तियों के मामले में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) वेतनमान :—

(i) सहायक स्टेशन इंजीनियर—र० 700-40-900-६०
र०-40-1100-50-1300

(ii) सहायक इंजीनियर—र० 650-30-740-35-810-६०
र०-35-880-40-1000-६० र०-40-1200।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :—

सहायक इंजीनियर और सहायक स्टेशन इंजीनियर :—

(i) संबंध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर विभागीय पदोन्नति के लिए आरक्षित 40 प्रतिशत पदों पर चयन द्वारा र० 700-40-900-६० र०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में आकाशवाणी में सहायक स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(ii) संबंध ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा रखने वाले सहायक स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर र० 1100-50-1600 के वेतनमान में आकाशवाणी में स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iii) क्लास-I में 10 वर्ष, जिसमें से 4 वर्ष की सेवा स्टेशन इंजीनियर के ग्रेड में, की नियमित सेवा रखने वाले स्टेशन इंजीनियर विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चुने जाने के आधार पर र० 1500-60-1800 के वेतनमान में वरिष्ठ इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iv) वरिष्ठ इंजीनियर, उप मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (र० 1800-100-2000) उप मुख्य इंजीनियर अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (र० 2000-125/2-2250) और अतिरिक्त मुख्य इंजीनियर मुख्य इंजीनियर के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं (र० 2500-125-3000)।

नोट :—सेवा की शेष शर्तें, जैसे स्थानान्तरण/दौरो पर अवकाश, यात्रा भत्ते, कार्यासभ समय, कार्यासभ समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा-रियायत, पेंशन और अनुसंधान, नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो समान हैमिपार के द्वारा केन्द्रीय सरकार की कर्मचारियों के लिए लागू हों।

(च) सहायक स्टेशन इंजीनियर (ग्रुप क) और सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) के पद से संबंध कर्तव्यों और दायित्वों का स्वरूप।

सहायक स्टेशन इंजीनियर :—प्रसारण और समाचार दूर दर्शन स्टूडियो तथा ट्रांसमिटरों की अभिकल्पना, संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण। अधीनस्थ इंजीनियरों के कार्य के पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार। सहायक इंजीनियर :

प्रसारण और समाचार दूर दर्शन स्टूडियो तथा ट्रांसमिटरों का संस्थापन, संचालन और अनुरक्षण। पारी में कार्य का पर्यवेक्षण करने हुए अपने कर्तव्यों के निर्वहन के लिए जिम्मेदार।

15. सहायक इंजीनियर (ग्रुप ख) (मिनिंग तथा विद्युत) निम्नलिखित निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, सूचना और प्रसारण मंत्रालय।

(क) नियुक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा के आधार पर होगी।

(ख) (i) पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी को भारत में कहीं कार्य करना होगा और किसी भी समय उसका लोक निगम के अधीन स्थानान्तरण किया जा सकेगा और ऐसे स्थानान्तरण पर वह निगम के कर्मचारियों के लिए निर्धारित की गई सेवा की शर्तों से शासित होगा।

(ii) यदि आवश्यकता हुई तो सहायक स्टेशन इंजीनियर या सहायक इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :—

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) सरकार बिना कोई नोटिस दिए निम्नलिखित परिस्थितियों में अधिकारी की नियुक्ति समाप्त कर सकती है :—

(i) परीक्षा की अवधि के अन्तर्गत या उसके समाप्त होने पर, (i) अनुवीक्षण असंयम, कदाचार या उस समय सेवा से संबंध प्रवृत्त नियमावली के उपबन्धों में से किसी को भंग करने या अनुपालन न करने के लिए, (ii) यदि वह डाक्टरी रूप से अयोग्य पाया जाता है और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अस्वस्थता के कारण बहुत अधिक समय तक अयोग्य बना रहता है।

अस्थायी नियुक्तियों के मामले में किसी पक्ष की ओर से कोई कारण बताए बिना एक महीने का नोटिस देकर किसी भी समय अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है।

(घ) महायुक्त इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत्) रु० 650-30-740-35-810-२० रो० 35-880-40-1000-२० रो० 40-1200 ।

(ङ) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :--

- (i) संबद्ध ग्रेड में कम से कम 8 वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले महायुक्त इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत्) रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में कार्यकारी इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (ii) ग्रेड में कम से कम 7 वर्ष की सेवा रखने वाले कार्यकारी इंजीनियर रु० 1800-100-2000 के वेतनमान में अधीक्षण इंजीनियर के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।
- (iii) ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधीक्षण इंजीनियर रु० 2000-125-2250 के वेतनमान में अनिवार्य मुख्य इंजीनियर (सिविल) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट -- सेवा की क्षेत्र शर्तों, जैसे स्थानान्तरण/वोरो पर अवकाश, यात्रा भत्ते, कार्यात्मक समय/कार्यात्मक समय वेतन, चिकित्सा सुविधाएं, यात्रा-विश्राम, पेंशन और प्रानुत्तरीय, नियंत्रण तथा अनुशासन और आचरण आदि, वही होंगी जो रमान हैमियन के अन्य केन्द्रीय कर्मचारियों के लिए लागू हों।

(च) महायुक्त इंजीनियर (सिविल तथा विद्युत्) के पद से संबद्ध कृतव्यो तथा दायित्वों का स्वरूप :--
अभिकल्पना और आरेखन में कार्य के लिए निर्धारित किए गए मानदंड और स्तर के अनुसार कार्यों का निष्पादन करना।

15. तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) और संचार अधिकारी (ग्रुप क), सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय।

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को आगामी आदेशों तक संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया जाएगा। वे दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है। उनकी नियुक्ति परीक्षा अवधि के अन्तर्गत बिना कोई नॉटिस दिए समाप्त की जा सकती है। नियुक्ति के बाद जब संभव हो उम्मीदवार को 16 मप्पाह की अवधि के लिए सिविल विमानन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण कौर्न के लिए जाना होगा। संचार अधिकारी, तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में उनके स्थायीकरण के लिए स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर उनके स्थायीकरण पर विचार किया जाएगा।

(ख) यदि परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, सरकार की राय में असंतोषजनक है, या यह दर्शाता है कि उसके कार्य में दक्षता प्राप्त करने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसकी सेवाएं तत्काल समाप्त कर सकती है।

(ग) परीक्षा अवधि समाप्त होने पर स्थायी रिक्तियों के उपलब्ध होने पर सरकार की राय में अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक पाए जाने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है अथवा कार्य या आचरण असंतोषजनक पाए जाने पर सरकार या तो उस सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि बढ़ा सकती है, जैसा सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्ति करने के लिए सरकार किसी अधिकारी को शक्तियां प्रत्यायोजित कर देती है तो वह अधिकारी इस नियम के अधीन सरकार की शक्तियों में से किसी का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए अधिकारी उस समय प्रवर्तमान और केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों के लिए लागू नियमों के अनुसार अवकाश, वेतनबुद्धि और पेंशन के पात्र

होंगे। वे केन्द्रीय भविष्य निधि को धिनियमित करने वाले नियमों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि में प्रणयान करने के भी पात्र होंगे।

(च) आपात स्थिति के अन्तर्गत अधिकारियों का भारत में या भारत से बाहर किसी फील्ड गति के लिए भारत में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा। उद्देश्य है कि बाधुधान में भी उन्हें कार्य करने के लिए कहा जा सकता है।

(छ) इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से नियुक्त किए गए अधिकारियों को बरीयता सामान्यतः उनके परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार निश्चित की जाएगी। किन्तु भारत सरकार को अपनी विवक्षा पर अलग-अलग मामलों में बरीयता निश्चित करने का अधिकार है।

विभागीय उम्मीदवारों के सूकाबले में सीधी भर्ती द्वारा लिए गए उम्मीदवारों की बरीयता भर्ती नियमों में निर्धारित कोटे पर आधारित और इस विषय में समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले आदेशों के अनुसार होगी।

(ज) उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति के अवसर :--वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड के लिए पदोन्नति :--

संबद्ध ग्रेड में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी, रु० 1100-50-1600 के वेतनमानों में रिक्तियां होने पर अपनी बरीयता तथा योग्यता के आधार पर सिविल विमानन विभाग में वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं। उप निदेशक संचार नियंत्रक के ग्रेड के लिए पदोन्नति :--

उक्त संवर्ग में कम से कम तीन वर्ष की नियमित सेवा रखने वाले वरिष्ठ संचार अधिकारी/वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं पर चयन के आधार पर रु० 1500-60-1800 के वेतन मान में संचार संगठन में उपनिदेशक/संचार नियंत्रक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने पर सिविल विमानन विभाग में पदोन्नति की श्रृंखला में आगामी उच्चतर पद, रु० 1800-100-2000 के वेतनमान में संचार निदेशक, निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, निदेशक, प्रशिक्षण, तथा लाइसेंसिंग और क्षेत्रीय निदेशक, रु० 2000-125/2-2500 के वेतनमान में उप महानिदेशक और रु० 3000 (नियम) के वेतनमान में महानिदेशक के पद हैं।

(i) सेवा की अपेक्षाओं के अनुसार इन सेवा-शर्तों में परिशोधन किया जा सकता है। यदि बाध में लागू की जाने वाली सेवा शर्तों में परिवर्तन करने से किसी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है तो उम्मीदवार किसी क्षतिपूर्ति के हकदार नहीं होंगे।

(स) सिविल विमानन विभाग में संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पदों के वेतनमान नीचे दिए गए हैं :--

(i) संचार अधिकारी (ग्रुप क) -- रु० 700-40-900-२० रो० 40-1100-50-1300 ।

(ii) तकनीकी अधिकारी (ग्रुप क) -- रु० 700-40-900-२० रो० 40-1100-50-1300 ।

(ज) यदि आवश्यकता हुई तो संचार अधिकारी/तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्ति को भारत की रक्षा से संबंध किसी प्रशिक्षण पर बतारी गई अवधि (यदि कोई हो) सहित कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से संबंध पद पर कार्य करना होगा, किन्तु उस व्यक्ति को :--

(क) नियुक्ति की तारीख से दस वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करता होगा, और

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वावस्था में कार्य नहीं करना होगा।

(i) तकनीकी अधिकारी ग्रुप क और संचार अधिकारी ग्रुप क के पद (पदों) से संबंध कर्तव्यों और बाधितों का स्वरूप :-

तकनीकी अधिकारी और संचार अधिकारी

उपर्युक्त वर्गों के अधिकारियों को कभी कभी वैमानिक संचार केन्द्रों पर भी सौंपा जाता है जहाँ रेडियो संचार और संचालनीय उपकरणों का अनुरक्षण होता है और विभिन्न उपकरणों और प्रचालन स्थितियों का प्रबंध करने के लिए बहुत सी तकनीकी परिचालन स्टाफ नियोजित किया जाता है।

किन्तु बहुत से ए० सी० स्टेशनों में "संचार और तकनीकी अधिकारी" वरिष्ठ वेतनमान वाले अधिकारी के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्य करते हैं। इन परिस्थितियों में उनके द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन पूर्णतः उनके स्टेशन के दिनप्रतिदिन प्रशासन का होगा। वे अधीनस्थ क्षेत्रीय मुख्यालयों और अन्य कार्यालयों से भी संबंध हैं।

रेडियो निर्माण तथा विकास एक या केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो में जहाँ कार्य मुख्य रूप से उपकरणों और समग्रों विषयों के परीक्षण तथा संस्थापन से संबंध होगा; केवल तकनीकी अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाता है।

प्रचारी अधिकारी के रूप में कार्य करने वाले तकनीकी/संचार अधिकारियों के कर्तव्य

वैमानिक संचार स्टेशन

ए० सी० स्टेशन का सामान्य प्रशासन और अनुशासनिक नियंत्रण जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं :-

- (i) विविध रेडियो/संचालनीय एककों का कुशल अनुरक्षण;
- (ii) पूरे स्टाफ को वेतन तथा भत्तों का संवितरण;
- (iii) भंडारों से संबंध सी० पी० डब्ल्यू० ए० लेबों में संबंध हिमाज का रख-रखाव उचित प्राधिकारियों का आवश्यक विवरणियाँ प्रस्तुत करना;
- (iv) विविध उपकरणों के लिए पर्याप्त अनिश्चित सामग्री की व्यवस्था।
- (v) अपने अधीन एककों में विभिन्न वर्गों के स्टाफ को भजना
- (vi) हवाई अड्डे मौसमविज्ञान एयर लाइन्स आदि के अधिकारियों के साथ पर्याप्त सम्पर्क।
- (vii) सामान्यतः वैमानिक संचार स्टेशनों से अधिकतम दक्षता से कार्य करना।

प्रमुख स्टेशन/रेडियो निर्माण एक रेडियो भंडार डिपो में नियुक्त तकनीकी अधिकारी के कर्तव्य

सी० ए० डी० में प्रयुक्त विविध श्रेणियों के रेडियो तथा रेडार/संचालनीय उपकरणों के स्वीकारी परीक्षण, संस्थापन और प्रतिदिन का अनुरक्षण।

अन्तर्राष्ट्रीय मामलों के अनुसार विभाग के संचालनीय सहायक उपकरणों का उद्घाटन परीक्षण।

संचालनीय सहायक उपकरणों आदि के संस्थापन हेतु स्थलों को बुनने और संस्थापन के प्रयोजन के लिए एककों के आयात प्रतिस्थापन तथा निर्माण से संबंध कार्य का विकास।

विभाग में प्रयोग में आने वाले उपकरणों के लिए स्थानीय तथा विदेशी अधिकरणों से विभिन्न श्रेणियों के अनिश्चित पार्ट्स उपलब्ध कराना।

प्रमुख स्टेशनों में नियुक्त "संचार अधिकारियों" के कर्तव्य

स्टेशन में विभिन्न संक्रियात्मक सुविधाओं जिनमें भू-साईन और रेडियो टेलीटाइप चैनल, मोर्स परिपथ, इंटरकॉम तथा अन्य स्थानीय वाक परिपथ सम्मिलित हैं के कुशल संचालन के लिए जिम्मेदार।

पूरी पारी का पूरा चार्ज लेने पर उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि सभी तकनीकी एकक/टेलीग्राफ परिपथों का ठीक प्रकार से कार्य संचालन हो।

वैमानिक सूचना सेवा से संबंध मामले--वायु सैनिकों को सूचनाओं का प्रसार करना। विमान कर्मचारियों को संक्षेप में बताना तथा समबर्जी मामले।

17. भारतीय नौसेना आयुध सेवा।

(क) पद पर नियुक्ति के लिए बुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा और यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाई जा सकती है। सक्षम प्राधिकारी की राशि में परीक्षा अवधि संतोष-जनक रूप से पूरी न करने पर उन्हें सेवा मुक्त किया जा सकेगा। परीक्षा अवधि के अन्तर्गत उन्हें 9—12 महीने की अवधि के लिए एक तकनीकी प्रशिक्षण पर जाना होगा और ज्यादा से ज्यादा तीन प्रयास में विभागीय परीक्षा में उत्तीर्ण करनी होगी। यदि वे विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं तो सरकार की विवक्षा पर उनकी सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी। उन्हें प्रशिक्षण पर जाने से पहले रु० 15000/- (समय-समय पर धनराशि में परिवर्तन किया जा सकता है) के लिए एक बंध-पत्र पर भी हस्ताक्षर करने होंगे जिसके अनुसार उन्हें प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद तीन वर्ष की अवधि के लिए भारतीय नौसेना में अनिवार्य सेवा करनी होगी।

(ख) सक्षम प्राधिकारी द्वारा नोटिस की अपेक्षित (अस्थायी नियुक्ति के मामले में एक महीना और स्थायी नियुक्ति के मामले में तीन महीने) देकर किसी समय भी नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। किन्तु सरकार को नियुक्त उम्मीदवारों की सेवाएं नोटिस की अवधि या इसके न समाप्त हुए भाग के लिए वेतन तथा भत्तों के बराबर की राशि का भुगतान करके तत्काल या नोटिस की निर्धारित अवधि के समाप्त होने से पहले समाप्त करने का अधिकार होगा।

(ग) वे समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार रक्षा सेवा प्राक्कलन से प्रदत्त सिविलियन सरकारों कर्मचारियों के लिए लागू सेवा-शर्तों के अधीन होंगे। वे समय-समय पर संशोधित फोल्ड सविन बायिल्ड नियमावली 1957 के अधीन होंगे।

(घ) उनका भारत या विदेश में कहीं भी स्थानान्तरण किया जा सकेगा।

(ङ) वेतनमान तथा वर्गीकरण--ग्रुप क-राजपत्रित वेतनमान रु० 700-1300।

(च) उच्चतर श्रेणियों में पदोन्नति के अवसर--

(i) उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड:

पांच वर्ष की सेवा रखने वाले उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड II विभागीय पदोन्नति समिति की अनुसंधानों पर चयन के आधार पर रु० 1100-1600 के वेतनमान में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड I के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं परन्तु केवल उन्हीं अधिकारियों को पदोन्नति के लिए विचार किया जाएगा जिन्होंने ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो जो आई० आई० टी० किरकी में तकनीकी प्रशिक्षण कोर्स सी-

सेना तकनीकी स्टाफ अधिकारी कोर्स के बाद ली गई हो।

विभागीय परीक्षा को पाठ्यचर्या नीचे दी गई है :—

1. नौसेना आयुध डिपो विभागाध्यक्षपदम
 - (क) शान्ता-कार्य (तीन माग)
 - (ख) गनव्यूफ तकनीकी कोर्स I
 - (ग) गोला बारूद तकनीकी कोर्स I 37 सप्ताह
 - (घ) प्रशासनिक तथा लेखा कोर्स
 - (ङ) बालासोर कोसोपोर, ईशापोर और जयपुर देखने जाना।
2. गनरी स्कूल तथा टी० ए० एस० स्कूल
3. भारी वाहन कारखाना भवाड़ी और काठिण्ड कारखाना अरुंगंगाडु देखने जाना। 2 1/2 सप्ताह
4. नौसेना आयुध डिपो बम्बई
 - (क) गनव्यूफ तकनीकी कोर्स II
 - (ख) गोला बारूद तकनीकी कोर्स II 5 सप्ताह
 - (ग) आयुध कारखाना, बम्बईनाथ देखने जाना।
5. आयुध प्रौद्योगिकी सहयान किगको
6. एच० ई० कारखाना, शास्त्रागार, ए० आर० डी० ई० और ई० आर० डी० एल० किरकी देखने जाना। 1/4 सप्ताह
7. नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली जाते हुए आयुध कारखाना तथा शैल धामसे फैक्टरी कानपुर देखना 4 1/2 सप्ताह
8. नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली
दिल्ली रक्षा विज्ञान प्रयोगशालाएं देखने जाना।

अंतिम परीक्षा

1 1/4

(ii) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड)

उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड I के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में पांच वर्ष की सेवा की हो उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन आने के आधार पर रु० 1300-50-1700 के वेतनमान में नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iii) नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड)

नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड) के अधिकारी जिन्होंने इस रूप में 3 वर्ष की सेवा की हो। उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 1500-60-1800 रु० के वेतनमान में नौ सेवा आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

(iv) आयुध पूर्ति निदेशक :—

संबद्ध ग्रेड (ग्रेडों) में पांच वर्ष की सेवा रखने वाले नौ सेवा आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड/साधारण ग्रेड) उपयुक्त विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयन करने के आधार पर रु० 1800-100-2000 के वेतनमान में आयुध पूर्ति निदेशक के ग्रेड में पदोन्नति के पात्र हैं।

नोट 1 :— नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (साधारण ग्रेड), नौसेना आयुध पूर्ति अधिकारी (चयन ग्रेड) और आयुध पूर्ति निदेशक के वेतन मान परिशोधित किए जा सकते हैं।

नोट 2 :—उन सरकारी कर्मचारियों का वेतन, जो परीक्षाधीन नियुक्ति के तत्काल पहले किसी प्रावधिक पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद धारण किए हुए थे, एफ० आर० 22 ख (1) के प्रावधानों तथा भारतीय नौसेना परीक्षाधीन व्यक्तियों को लागू सी० एस० आर० के तदनुसारी अनुच्छेदों के अधीन विनियमित किया जा सकता है।

(ज) भारतीय नौसेना रक्षा मंत्रालय में उप आयुध पूर्ति अधिकारी ग्रेड के पद से संबंध कर्तव्यों तथा दायित्वों का स्वरूप।

- (i) विविध यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिकी तथा वैद्युत साधनों तथा उत्पादन तथा उत्पादकता प्रणाली वाले आयुध सामग्री की मरम्मत, धातुधन तथा अनुरक्षण से संबंध कार्य का प्रस्तुतीकरण, आयोजन तथा निदेशन।
- (ii) मरम्मत अनुरक्षण और ओवरहाल के लिए इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत उपकरणों की मशीनरी का उपलब्ध कराना।
- (iii) आयात प्रतिस्थापना से संबंध विकासीय कार्य, स्वदेशी अभिकल्पन विशिष्टता तैयार करना।
- (iv) आयुध के लिए यांत्रिक इलेक्ट्रॉनिक तथा वैद्युत अतिरिक्त पार्ट्स का उपलब्ध कराना।
- (v) आयुध (मिसाइल टार्वेज, माइल्स तथा गन) सापने वाले यंत्रों आदि के यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक तथा विद्युतमयों के उप समुच्चय तथा समुच्चयों का प्रावधिक आशांकन परीक्षण/जांच।
- (vi) फ्लोट तथा नौसेना प्रतिष्ठानों को आयुध सामग्री की पूर्ति।
- (vii) आयुधों के बारे में यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक, तथा वैद्युत इंजीनियरी से संबंध सभी मामलों में संबंध सेवा की तकनीकी सलाह देना।

17. स.मा संरक्षक इंजीनियरी सेवा ग्रुप 'क'

(i) चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर परीक्षाधीन नियुक्त किया जाएगा। परीक्षाधीन व्यक्तियों की परीक्षा अवधि के अन्तर्गत ऐसी विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करनी है जो सरकार द्वारा निर्धारित की जाए। परीक्षा अवधि समाप्त होने पर यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक पाया गया है जो सरकार उसकी सेवा मुक्त कर सकती है या परीक्षा अवधि इतने समय तक बढ़ा सकती है जैसा वह उचित समझे।

(ii) चुने गए उम्मीदवारों को भारत के किसी भी भाग या विदेश में जिसमें यद्ध तथा शांति के क्षेत्र सम्मिलित हैं, कार्य करना होगा। उनकी क्षेत्र सेवा के लिए निर्धारित वार्षिक मासिकों के अनुसार चिकित्सा परीक्षा की जाएगी।

(iii) उनकी प्राप्त वेतन की दर निम्नलिखित हैं :—

सहायक कार्यकारी इंजीनियर—रु० 700-40-900 रु० 40-1100-50-1300।

कार्यकारी इंजीनियर—रु० 1100 (छठे वर्ष या इससे कम) 50-1600

अधीक्षण इंजीनियर—रु० 1500-60-1800-100-2000।

मुख्य इंजीनियर (सिविल) ग्रेड II—रु० 2000-125/2-2250।

मुख्य इंजीनियर (मिक्स) ग्रेड I—रु० 2250-125/2-2500।

(iv) सहायक कार्यकारी इंजीनियर के पद पर नियुक्त किए गए अधिकारी निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद कार्यकारी इंजीनियर, अधीक्षण इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (केवल सिविल इंजीनियरी के अधिकारियों के लिए लागू उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की प्रत्याशा कर सकते हैं।

(v) सेवा में नियुक्त अधिकारी जब कुछ विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में लगाए जायें तो वे केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों को प्राप्ति भत्तों के अतिरिक्त विशेष प्रतिपूर्ति भत्ते तथा निःशुल्क राशन के हकदार हैं। वे वहीं के लिए सजा भत्ते के भी हकदार हैं।

18. डाक तार सिविल इंजीनियरी स्कन्ध में सह-रक्त कार्यकारी इंजीनियर, सहायक इंजीनियर (सिविल/वैद्युत)

(क) उम्मीदवारों की नियुक्ति या परीक्षा आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी। उन्हें यथावधि प्रशिक्षण लेना होगा। यदि सरकार की राय में किसी परीक्षार्थी अधिकांश का कार्य या आवरण संतोषजनक न हो या उसमें यह आभास हो कि उसके कार्यक्षम होने की संभावना नहीं है, तो सरकार उसे तत्काल सेवा भर्ती कर सकती है। परीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि स्थायी नियुक्ति उपलब्ध हुई तो सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी बना सकती है और यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

अधिकार्यों को ऐसी विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी जो परीक्षा अवधि के दौरान निर्धारित की जाये। उन्हें हिन्दी में एक परीक्षा भी उत्तीर्ण करना होगा।

(ख) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त अधिकारी को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा में सम्बद्ध किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सम्मिलित है परन्तु उस व्यक्ति को—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) प्राप्य वेतन वरें निम्न प्रकार हैं :—ग्रुप ख सहायक कार्यकारी इंजी० (सिविल) रु० 650-70 740 35-810 रु० 80-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200।
सहायक कार्यकारी इंजीनियर ग्रुप क रु० 700-40-900 रु० 80-40-1100-50-1400।

कार्यकारी इंजीनियर/एस० डब्ल्यू० रु० 1100-1600 अधीक्षण इंजीनियर/एस० एस० डब्ल्यू० रु० 1500-60-1800-100-2000 मुख्य इंजीनियर (1) रु० 2250-125/2-2500।

(घ) डाक तार सिविल स्कन्ध में उक्त पदों से जो कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व सम्बद्ध वे नीचे दिए गए हैं—

इंजीनियर सेवा परीक्षा के माध्यम से डाक तार सिविल स्कन्ध में भर्ती हुए उम्मीदवारों को डाक-तार विभाग के विभिन्न सिविल निर्माणों के जिनमें आवासीय भवन, कार्यालय, भवन, दूरभाष केन्द्र भवन, डाकघर भवन, कारखाने, भंडार तथा प्रशिक्षण केन्द्र आदि सम्मिलित हैं, आयोजन, अभिकल्पना, निर्माण और अनुरक्षण पर लगाए जाते हैं। उम्मीदवार विभाग

में अपनी सेवा सहायक कार्यकारी इंजीनियर/सहायक इंजीनियर के रूप में शुरू करते हैं और सेवा करते करते विभाग के विभिन्न परिष्कृत पदों पर पदोन्नति पा जाते हैं।

19. तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) का पद :—

(क) तकनीकी विकास महानिदेशालय में सहायक विकास अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

(ख) इस ग्रुप "क" राजपत्रित पद का वेतनमान रु० 700-40-900-द० रु० 40-1100-50-1300 है।

(ग) उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा के बाद सहायक विकास अधिकारी तकनीकी विकास महानिदेशालय में रु० 1100-50-1500 रु० 80-60-1800 के वेतनमान में विकास अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र होंगे। विकास अधिकारी के संवर्ग में 60 प्रतिशत पद पदोन्नति द्वारा भरे जाते हैं। विकास अधिकारी औद्योगिक परामर्श दाता (रु० 2000-125/2-2500) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं। औद्योगिक परामर्शदाता उप महानिदेशक (रु० 2500-125/2-3000) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं तथा उप महानिदेशक इसके बदले में तकनीकी विकास महानिदेशक (रु० 3000/- वेतन आयोग की अनुशंसा के आधार पर परिशोधित किया जा सकता है) के पद पर पदोन्नति के पात्र हैं।

(घ) इस प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त किए जाने वाले व्यक्ति को आवश्यक होने पर किसी प्रशिक्षण पर बिताई गई अवधि सहित, यदि कोई है, कम से कम 4 वर्ष की अवधि के लिए किसी रक्षा सेवा या भारत की रक्षा से सम्बद्ध किसी पद पर कार्य करना होगा किन्तु उस व्यक्ति को—

(1) ऐसी नियुक्ति के दस वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा,

(2) चालीस वर्ष की आयु प्राप्ति कर लेने के बाद सामान्यतया पूर्वोक्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ङ) सहायक विकास अधिकारी के पद से सम्बद्ध कार्यों और उत्तरदायित्वों का स्वरूप उसे सम्बद्ध प्रभागों अर्थात् यांत्रिक इंजीनियरी, औद्योगिक मशीनरी, मशीन औरजार, वैद्युत इंजीनियरी, आटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरी, उद्योगों आदि, उद्योगों के विकास में विकास अधिकारी की सहायता करनी है।

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 29th February 1980

RESOLUTION

No. 02012/4/76-Salt.—In partial modification to the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Resolution No. 02012/4/76-Salt dated 30-11-1978, the Government of India have decided to make the following changes in the composition of the Salt Enquiry Committee :—

1. Shri Lavraj Kumar, Chairman, Bureau of Industrial Costs and Prices, Ministry of Industry shall be the Chairman of the Committee vice Smt. Abha Maiti.

2. Shri S. K. Sarkar, Joint Secretary, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), shall be a member of the Committee vice Shri Manish Bahl.

2. The Government of India have also decided to extend the term of the Committee upto 30th June, 1980 by which date the Committee shall submit its report to Government.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of Government of India, including Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office and all the State Governments/Union Territories.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. K. SARKAR Jt. Secretary

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi-110029, the 29th February 1980

RESOLUTION

Subject : Constitution of a Committee for recommending legislative measures and administrative machinery for ensuring environmental protection.

No. 1/4/80-Env.—1. In his Address to the first Joint Session of the Seventh Parliament on 23rd January, 1980, the President of India referred to the need for setting up a specialised machinery, with adequate powers, to incorporate in all planned development, measures to maintain ecological balance. This has been referred to in the context of the steady deterioration of the environment, which threatens the present and future well being of the country and the people. It has been stressed that afforestation, flood control, soil conservation, preservation of flora and fauna, proper land use planning, water and air pollution controls and judicious location of industries must be undertaken urgently.

2. The specialised machinery implied in the President's Address calls for the review of the existing laws and administrative arrangements for the protection of the environment at the Central and the State levels and making appropriate recommendations.

3. In pursuance thereof, the Government of India have constituted an *ad hoc* Committee with the following composition :

(1) Deputy Chairman Planning Commission	Chairman
(2) Secretary, Ministry of Agriculture	Member
(3) Secretary, Department of Science & Technology	Member
(4) Shri M. Krishnan, Naturalist & Wild Life Photographer, Madras	Member
(5) Shri Zafar Futehally, Dodda Gubbi Post, Bangalore	Member
(6) Shri B. B. Vohra, Secretary, Department of Petroleum	Member
(7) Dr. Nilay Chaudhuri, Chairman, Central Board for the Prevention & Control of Water Pollution, New Delhi	Member
(8) Shri Arjan Singh, 'Tiger Haven', P.O. Pallia, Dist. (Kheri, U.P.)	Member
(9) Prof. Madhav Gadgil, Indian Institute of Science, Bangalore	Member
(10) Dr. A. K. Ganguly, Bhabha Atomic Research Centre, Bombay	Member

4. The terms of reference of the Committee will be as follows :

- To review the existing laws on the subject of environmental protection at the Central and State levels and recommend legislative measures required for ensuring environmental quality.
- To review the existing administrative arrangements for the protection of the environment and to recommend improved administrative machinery for ensuring environmental protection.

- To recommend appropriate and adequate machinery in Government both at the Central and the State levels for improving environmental quality and to maintain ecological balance.

5. The Department of Science & Technology will coordinate the programme and work of the Committee and provide necessary secretarial assistance. Separate orders will be issued regarding the appointment of a Convenor of the Committee, who will work on a full-time basis.

6. The Committee may hold meetings as frequently as required in any part of the country, to meet experts and people, to obtain necessary information and data, etc.

7. The TA/DA for non-official members of the Committee in connection with the work of the Committee will be borne by the Department of Science & Technology.

8. The Committee will submit its report to the Government of India by the 31st July, 1980.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Members of the Committee, Departments/Organisations concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. G. K. MENON, Secy.

MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

New Delhi-110001, the 1st March 1980

RESOLUTION

No. 17-12/79-NI.—Rehabilitation of the handicapped is a comprehensive concept involving several sectors and disciplines. The success of rehabilitation, especially in a country like India, requires the development of aids, appliances etc. through research carried out by scientists from different disciplines in different parts of the country while India has made significant advances in several fields of science and technology, research in this field has remained somewhat neglected.

2. The Ministry of Social Welfare, Government of India have, therefore, decided to set up an Expert Group on Research on Technological Aids for the Handicapped with the following terms of references :

- Promotion of research on technical aids and equipments/appliances for the handicapped in its comprehensive sense;
- Identification of areas of research and study, and indication of priorities;
- Advice on proposals for research and study submitted to the Ministry of Social Welfare for financial support;
- Any other matter relating to the development of research on aids and appliances etc. for the physically handicapped;

3. The Committee will have the following members :—

- | | |
|--|----------|
| 1. Secretary,
Ministry of Social Welfare
Government of India | Chairman |
|--|----------|

- | | | |
|---|------------------|---|
| 2. Joint Secretary,
(In-charge Welfare of Handicapped)
Ministry of Social Welfare
Government of India | Member | taken by them in connection with this assignment in accordance with the rules applicable to them in their respective Departments. The non-official members (including members co-opted, or special invitees of the Committee, will be entitled to claim 8A/DA for their journeys to attend meetings as admissible to First Grade Officers of the Government of India. |
| ORDER | | |
| 3. Dr. B. Sankaran
Chairman
ALIMCO
Kanpur | Member | ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India. |
| 4. Dr. S. K. Guha
Prof. Bio-Medical
Engineering, I.I.T.
New Delhi. | Member | 2. ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administrations of the Union Territories, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Prime Minister's Office, Lok Sabha and Rajya Sabha Secretariat. |
| BHASKAR GHOSE, Jt. Secy. | | |
| MINISTRY OF ENERGY AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF IRRIGATION)
New Delhi, the 25th February 1980 | | |
| RESOLUTION | | |
| 5. Dr. T. M. Srinivasan
Bio-Engineering Division,
I.I.T., Madras. | Member | No. FG-2(1)/80.—In para 1 of this Ministry's Resolution No. FC-2(23)/74 dated the 23rd December, 1974, reconstituting the Brahmaputra Flood Control Board, the following may be substituted for the existing entry at S. No. 1. |
| "1. Union Minister incharge of Irrigation...Chairman" | | |
| ORDER | | |
| 6. Dr. S. K. Verma
Head
Department of Rehabilitation
and Artificial Limbs
A.L.L.M.S.
Ansari Nagar, New Delhi-110016 | Member | ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the State Governments of Assam and Arunachal Pradesh, concerned Ministries of Government of India/Prime Minister's Secretariat/Private and Military Secretary to the President/Comptroller and Auditor General of India/Planning Commission for information. |
| 7. Dr. S. K. Baruah,
Project Coordinator
National Committee on
Science and Technology
Department of Science and
Technology, New Delhi. | Member | ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish in the State Gazettes for general information. |
| RESOLUTION | | |
| 8. Dr. A. F. Chhapgar,
Scientist
National Physical
Laboratory,
Hill Side Road,
New Delhi-110012. | Member | No. FC-2(1)/80.—For the period the State of Assam is under President's Rule, the functions of the Vice-Chairman of the Brahmaputra Flood Control Board will be performed by the Adviser to the Governor of Assam, incharge of work relating to the Flood Control Department of the State of Assam. |
| 9. Dr. R. C. Das,
Dean (Research)
NCERT
Shri Aurobindo Marg,
New Delhi. | Member | ORDER |
| 10. Prof. Usha K. Luthra,
Sr. Dy. Director General
I.C.M.R.
Medical Enclave (Ansari Nagar)
New Delhi-110016. | Member | ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the State Governments of Assam and Arunachal Pradesh/ concerned Ministries of Government of India/Prime Minister's Secretariat/Private and Military Secretary to the President/Comptroller and Auditor General of India/Planning Commission for information. |
| 11. Director
Planning, Research,
Evaluation and Monitoring
Division
Ministry of Social Welfare
Government of India
New Delhi. | Member Secretary | ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish in the State Gazettes for general information. |
4. The tenure of the Expert Group will be for a period of two years. Government may extend this period.
5. The Ministry of Social Welfare may co-opt members for advice or have special invitees for the meetings of the Expert Group.
6. No special remuneration will be paid for the membership of the Expert Group. The official members will, however, be entitled to draw TA/DA etc. for the journeys under-

I. P. KAPILA, Jt. Secy

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 22nd March 1980

Rules

No. 79/E(GR)I/2/67.—The Rules for a combined competitive examination—Engineering Services Examination—to be held by the Union Public Service Commission in 1980 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are, with the concurrence of the Ministries/Departments concerned, published for general information :—

CATEGORY I. CIVIL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts);
- (iii) Central Engineering Service;
- (iv) Military Engineer Services (Building and Roads Cadre);
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering Posts);
- (vi) Central Engineering Service (Roads);
- (vii) Assistant Executive Engineer (Civil), (P&T Civil Engineering Wing);
- (viii) Assistant Executive Engineer (Civil), Border Roads Engineering Service;
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

Group B Services/Posts

- (x) Assistant Engineer (Civil) P&T Civil Engineering Wing;
- (xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing All India Radio.

CATEGORY II. MECHANICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Mechanical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Post);
- (v) Military Engineering Services (Electrical and Mechanical Cadre) (Mechanical Engineering Posts);
- (vi) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Mechanical Engineering Posts);
- (vii) Indian Naval Armament Service (Mechanical Engineering Posts);
- (viii) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.
- (ix) Assistant Drilling Engineering in the Geological Survey of India.
- (x) Assistant Manager (Factories) (P&T Telecom. Factories Organisation);
- (xi) Assistant Executive Engineer (Mechanical) Border Roads Engineering Service.
- (xii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (xiii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (xiv) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Post);
- (xv) Post of Assistant Director (Technical) Group A (Mechanical Engineering Posts) in the Department of Heavy Industry.

Group B Services/Posts

- (xvi) Assistant Mechanical Engineer, in the Geological Survey of India;

- (xvii) Workshop Officer (Mechanical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

CATEGORY III. ELECTRICAL ENGINEERING

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Electrical Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts);
- (iii) Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Electrical Engineering Posts);
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engineering Post);
- (v) Indian Naval Armament Service; (Electrical Engineering Posts);
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts)
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P&T Civil Engineering Wing);
- (viii) Military Engineer Services (Electrical and Mechanical Cadres) (Electrical Engineering Posts);
- (ix) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (x) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development. (Electrical Engineering Post).

Group B Services/Posts

- (xi) Assistant Engineer (Electrical) (P&T Civil Engineering Wing);
- (xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio;
- (xiii) Workshop Officer (Electrical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

CATEGORY IV. ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING.

Group A Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of Signal Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Telecommunication/Electronics Engineering Posts);
- (iii) Indian Telecommunication Service;
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation; Ministry of Communications;
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service;
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio;
- (vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;
- (viii) Communication Officer in Civil Aviation Department;
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electronics Engineering Posts);
- (x) Indian Naval Armament Service (Electronics Engineering Posts);
- (xi) Central Power Engineering Service (Telecommunication Engineering Posts);
- (xii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence;
- (xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development. (Electronics and Telecommunication Engineering Post).

Group B Services/Posts

- (xiv) Assistant Engineer in the All India Radio;
- (xv) Assistant Engineer in Overseas Communications Service;
- (xvi) Technical Assistant (Group B, Non-Gazetted) in Overseas Communications Service;
- (xvii) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

1. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

2. A candidate admitted to the examination may compete in respect of any one or more of the categories of Services/posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

HE SHOULD NOTE THAT HE WILL BE CONSIDERED FOR APPOINTMENT TO THOSE SERVICES/POSTS ONLY FOR WHICH HE EXPRESSES HIS PREFERENCE AND FOR NO OTHER SERVICE/POSTS.

NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS COVERED BY THE CATEGORY OR CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ., CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION.

NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

PROVIDED THAT WHERE A REQUEST IS MADE AFTER THE EXPIRY OF THE PERIOD AFORESAID BUT BEFORE THE FINALISATION OF ALLOCATION TO SERVICES, THE MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD) MAY, IF IT IS SATISFIED THAT THE CANDIDATE WILL BE PUT TO UNDUE HARDSHIP IF ALLOCATED TO THE SERVICE FOR WHICH THE CANDIDATE HAS INDICATED HIS/HER PREFERENCE AND IN CONSULTATION WITH THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, CONSIDER SUCH REQUEST.

N.B.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preference for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970; the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)

Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

4. A candidate must be either :—

- a citizen of India, or
- a subject of Nepal, or
- a subject of Bhutan, or
- a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India;

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 27 years on the 1st August 1980 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1953 and not later than the 1st August, 1960.

(b) The upper age-limit of 27 years will be relaxable up to 32 years in the case of the Government servants of the following categories if they are employed in a Department/Office under the control of any of the authorities mentioned in column I below and apply for admission to the examination for the corresponding service(s)/post(s) mentioned in Column 2.

- A candidate who holds substantively a permanent post in the particular Department/Office concerned. This relaxation will not be admissible to a probationer appointed against a permanent post in the Department/Office during the period of his probation.
- A candidate who has been continuously in a temporary service on a regular basis in the particular Department/Office for at least 3 years on the 1st August, 1980.

Column 1	Column 2
Railway Department	I.R.S.E. I.R.S.E.E. I.R.S.S.E. I.R.S.M.E. I.R.S.S.
Central Public Works Department	C.E.S. Group A C.E. & M.E.S. Group A
Engineer in-Chief Army Headquarters	M.E.S. Group A (B & R Cadre) M.E.S. Group A (E. & M. Cadre)
Directorate General Ordnance Factories	I.O.F.S., Group A
Central Water Commission	C.W.E. (Group A) Service.
Central Electricity Authority	C.P.E. (Group A) Service.

Column 1	Column 2
Geological Survey of India	Mechanical Engineer (Junior), Group A.
Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation	Engineer (Group A)
Overseas Communications' Service	Deputy Engineer-in-Charge (Group A)
	Assistant, Engineer (Group B)
	Technical Assistant (Group B Non-Gazetted)
All India Radio	Assistant Station Engineer (Group A)
	Assistant Engineer (Group B)
	Assistant Engineer, Group B (Civil/Electrical) Civil Construction Wing A.I.R.
Civil Aviation Department	Technical Officer (Group A)
	Communication Officer (Group A)
Indian Navy	Indian Naval Armament Service.
P. & T. Department	Indian Telecommunication Service Group A
	Assistant Executive Engineer (Civil/Electrical) Group A, P & T Civil Wing.
	Assistant Engineer (Civil/Electrical) Group B, P & T Civil Wing.
	Assistant Manager (Factories) Group A. P&T Telcom, Factories Organisation.
Border Roads Organisation	Border Roads Engineering Service.
Directorate General of Technical Development	Assistant Development Officer (Engineering) Group 'A'

NOTE.—The period of apprenticeship, if followed by appointment against a working post on the Railways may be treated as Railway Service for the purpose of age concession.

(c) The upper age-limit prescribed above will be further relaxable :

- (i) Up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribe;
- (ii) Up to a maximum of three years, if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and the 25th March, 1971;
- (iii) Up to a maximum of eight years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin, from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

- (vi) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (vii) Up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) Up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (ix) Up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) Up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xi) Up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xiii) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) Up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

N.B.—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(b) above shall be cancelled, if, after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department/office either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

A candidate who after submitting his application, to the department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the service/post for which he would have been eligible but for his transfer, provided his application has been forwarded by his parent department.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must have—

- (A) obtained a degree in Engineering from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or
- (B) passed Sections A and B of the Institution Examinations of the Institution of Engineers (India); or
- (C) obtained a degree/diploma in Engineering from such foreign Universities/College/Institutions, and under such conditions as may be recognised by the Government for the purpose from time to time; or
- (D) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Tele-communication Engineers (India); or

- (E) passed in the Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London held after November, 1959.

The Graduate Membership Examination of the Institution of Electronics and Radio Engineers, London, held prior to November, 1959 is also acceptable subject to the following conditions :—

- (1) that the candidates who have passed the examination held prior to November, 1959, should have appeared and passed in the following additional papers according to post-1959 scheme of Graduate Membership Examination;
 - (i) Principles of Radio and Electronics I (Section 'A').
 - (ii) Mathematics II (Section 'B').
- (2) that the candidates concerned should produce a certificate from the Institution of Electronics and Radio Engineers, London, in fulfilment of the condition prescribed at (1) above.

Provided that a candidate for the posts of Engineer, Group A, in Wireless Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications; Deputy Engineer-in-Charge, Group A, in Overseas Communication Service; Assistant Station Engineer, Group A, in All India Radio; Indian Naval Armament Service, (Electronics Engineering Posts); Assistant Engineer, Group B, in All India Radio; Assistant Engineer, Group B in Overseas Communications Service and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in Overseas Communication Service, may possess any of the above qualifications or the qualification mentioned below, namely;

M.Sc. degree or its equivalent with Wireless Communication, Electronics, Radio Physics, or Radio Engineering as a special subject.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examination, but has not been informed of the result may, apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation, if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 1st December, 1980.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 3.—A candidate who is otherwise, qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not recognised by Government, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or

- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff-employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the interviews the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various Services/posts at the time of their application.

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such an enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who (after such physical examination as Government for the appointing authority, as the case may be, may prescribed) is found not to satisfy those requirements will not be appointed.

All candidates who qualify for interview on the basis of written part of the examination, are required to undergo medical examination on the next working day following the date of interview (there shall be no medical examination on Sundays and closed holidays except second Saturdays). For this purpose, the successful candidates will be required to present themselves before the Additional Chief Medical Officer, Central Hospital, Northern Railways, Basant Vane, New Delhi at 9.00 hrs. In case the candidates are wearing glasses, they should take with them, the latest number of glasses to the Medical Board.

No request for change in the date of medical examinations, or in its venue would ordinarily be acceded to.

The candidates should note that no request for grant of exemption from medical examination will be entertained under any circumstances.

The attention of the candidates is invited to the regulations relating to the Physical Examination published herewith. It will be seen therefrom that the physical standards prescribed vary for different services. The candidates are, therefore, advised to keep these standards in view with specific reference to services for which they have competed/expressed preference to the UPSC.

The candidates may also please note :—

- (i) a sum of Rs. 16/- in cash, is required to be paid by them to the Medical Board;
- (ii) no travelling allowance will be paid for the journey performed in connection with the medical examination; and
- (iii) the fact that a candidate has been physically examined will not mean or imply that he will be considered for appointment.

THE CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THEY WILL NOT RECEIVE ANY SEPARATE INTIMATION REGARDING MEDICAL EXAMINATION FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS.

In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during the Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof the standards will be relaxed consistent with the requirements of each Service.

18. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to service.

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to pass after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

K. BALACHANDRAN,
Secretary

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following plan :—

PART I—The written examination will comprise two sections—Section I consisting only of objective type of questions and Section II of conventional papers. Both Sections will cover the entire syllabus of the relevant engineering disciplines viz., Civil Engineering Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics & Telecommunication Engineering. The standard the syllabi prescribed for these papers are given in Schedule to the Appendix. The details of the written examination i.e. subjects, duration and maximum marks allotted to each subject are given in para 2 below.

PART II—Personality test carrying a maximum of 200 marks of such of the candidates who qualify on the basis of the written examination.

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Category I—CIVIL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum marks
Section I—Objective Papers		
General Ability Test (Part A: General English Part B: General Studies)	2 hours	200
Civil Engineering Paper I	2 hours	200
Civil Engineering Paper II	2 hours	200
Section II—Conventional Papers		
Civil Engineering Paper I	3 hours	200
Civil Engineering Paper II	3 hours	200
Total		1000

Category II—MECHANICAL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers		
General Ability Test (Part A: General English Part B: General Studies)	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper I	2 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	2 hours	200
Section II—Conventional Papers		
Mechanical Engineering Paper I	3 hours	200
Mechanical Engineering Paper II	3 hours	200
Total		1000

Category III—ELECTRICAL ENGINEERING (cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers		
General Ability Test (Part A: General English Part B: General Studies)	2 hours	200
Electrical Engineering Paper I	2 hours	200
Electrical Engineering Paper II	2 hours	200
Section II—Conventional Papers		
Electrical Engineering Paper I	3 hours	200
Electrical Engineering Paper II	3 hours	200
Total		1000

Category IV—ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(cf. Preamble to the Rules)

Subject	Duration	Maximum Marks
Section I—Objective Papers		
General Ability Test (Part A: General English Part B: General Studies)	2 hours	200
Electronics and Telecommunication Engineering Paper I	2 hours	200
Electronics and Telecommunication Engineering Paper II	2 hours	200
Section II—Conventional Papers		
Electronics and Telecommunication Engineering Paper—I	3 hours	200
Electronics and Telecommunication Engineering Paper—II	3 hours	200
Total		1000

3. In the Personality Test special attention will be paid to assessing the candidates capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application and integrity of character.

4. Conventional papers must be answered in English.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent, of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the conventional paper of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

NOTE—Candidates will be supplied with tables in metric units compiled and published by the Indian Standards Institution in the examination hall for reference purposes, wherever considered necessary.

SCHEDULE TO APPENDIX I

Standard and Syllabus

The standard of paper in General Ability Test will be such as may be expected of an Engineering/Science Graduate. The standard of papers, in other subjects will approximately be that of an Engineering Degree examination of an Indian University. There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ABILITY TEST

Part A :—General English : The question paper in General English will be designed to test the candidate's understanding of English and workman like use of words.

Part B :—General Studies : The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters as of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

CIVIL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I

1. Building Materials and Construction
Stones, Timber, Bricks, Cement, Mortar, Concrete, Masonry, Steel.
2. Solid Mechanics
Stresses, Strains, Failure Theories of solid materials, Simple bending and torsion theories, shear centre.
3. Graphic Statics
Force polygon, stress diagram.
4. Structural Analysis
Analysis of trusses and frames
Introduction to plastic Analysis
5. Design of Metal Structures
Working stress and ultimate strength design of simple structures.
6. Design of concrete and Masonry Structures
Design of masonry walls, working stress design of plain, reinforced and prestressed concrete; ultimate strength design of reinforced and prestressed concrete.

Paper II

1. Fluid Mechanics, Water Resources Engineering
Open channel and pipe flow, Hydrology, Design of canals, and hydraulic structures.
2. Soil Mechanics and Foundation Engineering
Strength parameters, Earth pressure Theories, Design of Shallow and deep foundations.
3. Transportation Engineering including Surveying
Roads, superelevation, Ruling gradient, pavements, Traffic controls, Design considerations.
4. Environmental Engineering
Water purification, Sewage treatment and disposal
5. Construction Planning and Management
Elements of construction practice, Bar charts, CPM, PERT.

MECHANICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I

1. Thermodynamics
Laws, Properties of ideal gases and vapours, Power cycles, Gas Power cycles, Gas Turbine Cycles. Fuels and combustion.
2. I. C. Engines
C.I. and S.I. Engines Detonation, Fuel injection and carburation, Performance and Testing, Turbo jet and Turbo prop. Engines, Rocket Engines, Elementary knowledge of Nuclear Power Plants and Nuclear Fuels.
3. Steam Boilers, Engines, Nozzles and Steam turbines
Modern boilers, Steam Turbines, types, Flow of Steam through nozzles, Velocity diagrams for Impulse and Reaction Turbines, Efficiencies and Governing.
4. Compressors, Gas Dynamics and Gas Turbines
Reciprocating, centrifugal and axial flow compressors, Velocity diagrams, Efficiency and performance, Effect of Mech. number on flow, Isentropic flow, Normal Shocks and Flow through nozzles, Gas Turbine Cycle with multistage compression, Reheating and Regeneration.
5. Heat Transfer, Refrigeration and Air conditioning
Conduction, Convection and Radiation, Heat exchangers, types, Combined Heat Transfer, Overall Heat Transfer coefficient, Refrigeration and heat pump cycles, Refrigeration systems, Coefficient of performance, Psychrometric and psychrometric chart, Comfort indices, Cooling and dehumidification methods.

Industrial Air-conditioning Processes. Cooling and heating loads calculations.

6. Properties and classification of fluids.

Fluid statics, kinematics and dynamics; principles and applications. Manometry and Buoyancy. Flow of ideal fluids. Laminar and turbulent flows. Boundary layer Theory. Flow over immersed bodies. Flow through pipes and Open Channels, Dimensional analysis and similitude technique.

Non-dimensional specific speed and classification of fluid machines in general. Energy transfer relation. Performance and operation of pumps and of impulse and reaction water turbines. Hydronic power transmission.

PAPER II

7 Theory of Machines

Velocity and acceleration (i) of moving bodies; (ii) in machines. Klein's construction, Inertia forces in machines. Cams; Gears and Gearing. Fly wheels and Governors. Balancing of Rotating and Reciprocating masses. Free and forced vibrations of systems. Critical speeds and whirling of shafts.

8 Machine Design

Design of :—Joints—Threaded fasteners and Power Screws—Keys, Kotters, Couplings—Welded Joints. Transmission system :—Belt and chain drives—wire ropes—shafts.

Gears—sliding and Rolling bearings.

9. Strength of Materials

Stress and strain in two dimensions; Mohr's circles; relations between Elastic Constants.

Beams :—Bending moments, shearing forces and deflection.

Shafts :—Combined bending, direct and torsional stresses.

Thick Walled cylinders and spheres under Pressure. Springs, Struts and columns. Theories of failure.

10. Engineering Materials

Alloys and Alloying Materials, heat treatment; composition; properties and uses. Plastics and other newer engineering materials.

11. Production Engineering

Metal Machining :—Cutting Tools: Tool Materials, Wear and Machinability, measurement of cutting forces.

Process :—Machining—Grinding, Boring, Gear Manufacturing, Metal forming, Metal casting and Joining. Basic, Special Purpose, Programme and numerically-Controlled machine Tools, Jigs and fixtures (locating elements).

12. Industrial Engineering

Work study and work measurement, Wage incentive, Design of Production System and Product Cost Principles of Plant lay out, Production Planning and Control, Material handling, Operations Research, Linear Programming Queuing Theory, Value Engineering, Network Analysis, CPM and PERT, Use of Computers.

ELECTRICAL ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I

1. Electrical Circuits

Network theorems, Response of network to step, ramp, impulse and sinusoidal inputs, Frequency domain analysis, Two port networks, elements of network synthesis, Signal-flow graphs.

2 EM Theory

Electrostatics, Magnetostatics using vector methods, Fields in dielectrics in conductors and in magnetic materials, Time varying fields, Maxwell's equations, Planewave propagation in conducting & Dielectric media, properties of Transmission lines.

3. Material Science : (Electrical Materials)

Band Theory, Behaviour of dielectrics in static and alternating fields, Piezoelectricity, Conductivity of Metals, Super-conductivity, Magnetic Properties of materials, Ferro and ferrimagnetism, Conduction in Semiconductors, Hall Effect.

4. Electrical Measurements

Principles of Measurement, Bridge measurement of Circuit parameters, Measuring Instruments, VTVM and CRO, Q-Meter, Spectrum analyser, Transducers and measurement of non-electrical quantities, Digital measurements, telemetering, data recording and display.

Paper II

5. Elements of Composition

Digital system, algorithms, flow-charting.

Storage : Type statements, array storage Arithmetic expression, logical expressions, Assignments statements, Programme structure, Scientific and Engineering applications.

6. Power Apparatus & Systems

Electromechanics : Principles of electro-mechanical energy conversion, Analysis of D.C., synchronous and Induction Machines, Fractional horse-power motors, Machines in Control Systems, Transformers, Magnetic Circuits and Selection of motors for drives.

Power System : Power generation : Thermal, Hydro and Nuclear, Power Transmission, Corona, Bundle conductors, Power System Protection, Economic operation, Load frequency-control, stability analysis.

7. Control Systems

Open-loop and closed loop systems, Response analysis, Root-locus technique, stability, compensation and design techniques, State-variable approach.

Electronics & Communications

Electronics : Solid state devices and circuits, Small signal amplifier design, Feedback amplifiers, Oscillators and operational amplifiers, FET circuits and linear ICs, Switching circuits Boolean Algebra, Logic circuits, Combinational and sequential Digital circuits.

Communications : Signal analysis, Transmission of signals, Modulation & Detection Various types of communication systems, Performance of communication systems.

ELECTRONICS AND TELECOMMUNICATION ENGINEERING

(For both objective and conventional type papers)

Paper I

1. Materials, Components and Devices

Structure and properties of electrical engineering materials, Passive components—types and properties, Active components—types and properties, Solid State Devices—Physics, Characteristics and models.

2. Net-work Theory

Net-work Theorems Steady State and transient response of electric circuits, Network Analysis, Elementary network synthesis.

3. Electromagnetic Theory

Field theory, Transmission line theory, Antenna Theory, Propagation of electromagnetic waves in bounded and unbounded media

4. Measurements and Instrumentation

Measurement of basic electrical quantities, Measuring Instruments and their principles of working, Transducers.

Measurement of non-electrical quantities.

Paper II

1. Linear and Non-linear Analog Circuits

Basic Linear electronic circuits Pulse-shaping circuits, Wave form Generators, Stabilizers

2. Digital Circuits
Logic circuits and Gates. Computing Circuits. Combinational and sequential circuits.
3. Control Systems
Feedback theory. Control system components. Response of Control Systems. Design of practical system.
4. Communication Systems
Basic Information Theory. Modulation and Detection processes. Various types of communication systems. Radio and Line communications. Television and Radar. Navigational Aids. Satellite communication-principles.
5. Microwave Engineering
Microwave Sources. Microwave Components and networks. Measurement at microwave frequencies, Microwave Communication Systems.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide-lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not by the Board.

(b) However, for certain Services for the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

Name of Services	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Railway Engineering Services, (Civil, Electrical, Mechanical and Signal) and Central Engineering Service Group A and Central Electrical Engineering Service Group A in the C.P.W.D.			
(a) For Male candidates	152 cm.	84 cm.	5 cm.
(b) For Female candidates	150 cm.	79 cm.	5 cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Asamese, Nagaland Tribals, etc., whose average height is distinctly lower.

(c) For the Military Engineer Services, Group A and the Indian Ordnance Factories Service Group A, a minimum expansion of 5 centimetres will be required in the matter of measurement of the chest.

3. The candidates height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard, the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89. 86—93.5 etc. In recording the measurements, fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms—fractions of half a kilogram should not be noted.

6. The candidates eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded :—

(i) *General*.—The candidates eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Services	Distant Vision		Near Vision	
	Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
1	2	3	4	5

A. Technical

1. Railway Engineering Services, (Civil, Electrical Mechanical and Signal)
2. Central Engineering Service Group A, Central Electrical and Mechanical Engineering Service Group A, Central

NOTE : (1)

(a) In respect of the Technical Services mentioned at A above, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(b) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned at A above except the Indian Telecommunication Service, Group A and Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher grade of colour perception	Lower grade of colour perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of aperture	1.3 mm	1.3 mm
3. Time of exposure	5 seconds	5 seconds

For the Railway Engineering Services (Civil, Electrical, Signal and Mechanical) and other Services connected with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

The categories of Services posts which require higher or lower grade colour perception are as indicated below :—

Technical Services or posts requiring higher colour perception

- (i) Railway Engineering Services.
- (ii) Military Engineering Services.
- (iii) Central Engineering Service (Roads).
- (iv) Central Power Engineering Service.
- (v) Communication Officer Group 'A', Civil Aviation Department.
- (vi) Technical Officer Group 'A', Civil Aviation Department.
- (vii) Assistant Manager (Factories) Group 'A', (P&T Telecom, Factories Organisation).
- (viii) Border Roads Engineering Service Group 'A'.
- (ix) Workshop Officer, Group 'A' and Group 'B'.

1	2	3	4	5
Water Engineering Service Group A, Central Power Engineering Service Group A, Central Engineering Service (Roads) Group A and Indian Telecommunication service Group A, Assistant Executive Engineer (Civil & Electrical Group A, P & T) Civil Engineering Wing); Assistant Engineer (Civil & Electrical Group B (P & T) Civil Engineering Wing); Post of Engineer, Group A, in W. P. & C. Wing Monitoring Organisation, Ministry of Communications/	6/6 or 6/9	6/12 6/9	J I	J II
Deputy Engineer-in-Charge, Group A in OCS, Assistant Station Engineer, Group A, in AIR, Technical Officer, Group A, in Civil Aviation Department; Communication Officer Group A, in Civil Aviation Deptt. Indian Naval Armament Service, Indian Ordnance Factories Service, Group A, Border Roads Engineering Service Group 'A' Assistant Engineer, Group B in AIR, Assistant Engineer, Group B in OCS and Technical Assistant (Group B Non Gazetted) in OCS Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development.				
3. Military Engineer Services, Group A, and post of Assistant Manager (Factories) Group A, P & T Telecommunication Factories Organisation.	6/6 6/9	6/18 6/9	J I	J II
B. Non-Technical				
4. Indian Stores Service, Assistant Engineer (Group A and Mechanical Engineer (Jr.) Group A in the Geological Survey of India.	6/9	6/12	J I	J II

Technical Services or posts requiring lower grade colour perception

- (i) Central Engineering Service.
- (ii) Central Electrical and Mechanical Engineering Service.
- (iii) Indian Naval Armament Service.
- (iv) Indian Ordnance Factory Service.
- (v) Central Water Engineering Service.
- (vi) Assistant Executive Engineer, (Civil & Electrical), Group A (P&T, Civil Engineering Wing).
- (vii) Assistant Station Engineer, Group 'A', AIR.
- (viii) Engineer Group 'A' in Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation.
- (ix) Dy. Engineer-in-charge Group 'A', Overseas Communication Service.
- (x) Assistant Engineer (Civil, Electrical, Telecom. & Electronics), Group 'B', A.I.R.
- (xi) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Group 'B' (P&T, Civil Engineering Wing).
- (xii) Assistant Engineer, Group 'B', Overseas Communication Service.
- (xiii) Technical Assistant, Group 'B' (non-gazetted), Overseas Communications Service.

Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridges Green's lanterns shall be used for testing colour vision.

NOTE (3) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (4) *Night Blindness*.—Night blindness need to be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE (5) For Central Engineering Services the Candidates may be required to pass the colour vision test and undergo tests for night blindness when considered necessary by the Medical Board.

NOTE (6) *Ocular conditions, other than visual acuity*.—

(a) Any organic disease or a progressive, refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Squint*.—For Technical Services mentioned at A above where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard should be considered as a disqualification. For other Services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(c) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has sub-normal vision, the usual effect be that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has

- (i) 6/6 distant vision and 11 near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.
- (ii) has full field of vision.
- (iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidates can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standard of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/Services classified as "TECHNICAL".

NOTE (7) *Contact Lenses*.—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses, is not to be allowed.

NOTE (8) It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 footcandles.

NOTE (9) It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. Blood pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age general rule 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercises or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the Glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical

Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case, it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist: provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services, other than Indian Railway Stores Service, the Military Engineer Services, the Indian Telecommunication Service Group A, Central Engineering Service Group A, Central Electrical Engineering Service Group A and the Border Roads Engineering Service, Group 'A'. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|--|---|
| (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. | Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency. |
| (2) Preceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal Type. | (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit. |
| (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. | (i) Either ear normal hearing other ear mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid. |
| (5) Persistently discharging ear-operated/unoperated. | Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal septum is present with symptom temporarily unfit. |

- | | |
|--|---|
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if persist then—Temporarily unfit. |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | (i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit. |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat : | (i) If not interfering with function—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree—unfit. |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |
| (b) that his/her speech is without impediment; | |
| (c) that his/her teeth are in good order and he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound); | |
| (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound; | |
| (e) that there is no evidence of any abdominal disease; | |
| (f) that he is not ruptured; | |
| (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose, veins or piles; | |
| (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints; | |
| (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease; | |
| (j) that there is no congenital malformation or defect; | |
| (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution; | |
| (l) that he bears marks of efficient vaccination. | |
| (m) that he is free from communicable disease. | |

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital/Psychiatrist Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not, it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The Candidates who desire to file an appeal against the decision of the Medical Board are required to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such a manner as may be prescribed by the Government of India, Ministry of Railways in this behalf. This fee will be refundable only to those candidates who are declared fit by the Appellate Medical Board whereas in the case of others it will be forfeited. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. The appeals should be submitted within 21 days of the date of communication in which the decision of the first Medical Board is conveyed to the candidate; otherwise requests for medical examination by an appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Board will be arranged only at candidate's own cost. No travelling allowance or daily

allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination of the Appellate Medical Board. Necessary action to arrange medical examination by the Appellate Medical Board will be taken by the Ministry of Railways on receipt of appeals accompanied by the prescribed fees within the stipulated time.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments, in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in board terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidates' statement and declaration

The candidate must make the Statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (block letters)

.....

2. State your age and birth place

.....

2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is, 'Yes', state the name of the race.

3. (a) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis;

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....

4. When were you last vaccinated ? ?

5. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause.

.....

.....

6. Furnish the following particulars concerning your family :—

Father's age living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
---	--	--	--

(1)	(2)	(3)	(4)
-----	-----	-----	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

8. If answer to the above is yes, please state what Service(s)/post(s) you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

11. Result of the Medical Board's examination. If communicated to you or if known.

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature

Signed in my presence

Signature of Chairman of the Board

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed of forfeiting all claim to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical examination.

1. General development..... Good.....
Fair.....Poor..... Nutrition: Thin.....
Average.....Obese..... Height (with-
out shoes).....Weight..... Best Weight.....

When?.....Any recent change in weight

Temperature.....

Girth of chest:—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin. Any obvious disease

3. Eyes (1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision

(5) Visual acuity.....

(6) Fundus Examination.....

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R.E. L.E.				
Near vision	R.E. L.E.				
Hypermetropia (Manifest)	R.E. L.E.				

4. Ears : Inspection.....Hearing Right Ear.....
..... Left Ear

5. GlandsThyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.
.....
.....

If yes explain fully

8. Circulatory system :

(a) Heart : Any organic lesions ?

Rate..... Standing.....

After hopping 25 times.....

Two minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic

Diastolic

9. Abdomen : Girth Tenderness.....
Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

.....

..... Kidneys

..... Tumours

(b) HaemorrhoidsFistula

10. Nervous Systems : Indication of nervous or mental disabilities.....

11. Loco-Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele Varicocele etc., Urine analysis :

(a) Physical Appearance

(b) Sp. Gr.....

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts.....

(f) Cells.....

13. Report of X-Ray Examination of Chest.....

14. Is there anything in health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Service for which he is a candidate.

NOTE.—In the case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide Regulation 9.

15. For which Services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Is the candidate fit for Field Service ?

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit.....

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

President.....

Member.....

Place

Date

APPENDIX III

BRIEF PARTICULARS RELATING TO THE SERVICES/ POSTS TO WHICH RECRUITMENT IS BEING MADE ON THE RESULTS OF THIS EXAMINATION

1. Indian Railway Service of Engineers, Indian Railway Service of Electrical Engineers, Indian Railway Service of Signal Engineers, Indian Railway Service of Mechanical Engineers and Indian Railway Stores Service.

(a) *Probation* :—Candidates recruited to these Services will be on probation for a period of three years during which they will undergo training for two years and put in a minimum of one years' probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case, due to the training having not been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended. Even if the work during the period of probation in the working post is found not to be satisfactory, the total period of probation will be extended as considered necessary by the Government.

(b) *Training* :—All the probationers will be required to undergo training for a period of two years in accordance with the prescribed training syllabus for the particular Service/post at such places and in such manner and pass such examinations during this period as the Government may determine from time to time.

(c) *Termination of appointment* :—(i) The appointment of probationers can be terminated by three months' notice in writing on either side during the period of probation. Such notice is not, however, required in cases of dismissal or removal as a disciplinary measure after compliance with the provisions of clause (2) of Article 311 of the Constitution and compulsory retirement due to mental or physical incapacity. The Government, however, reserve the right to terminate the services forthwith.

(ii) If in the opinion of the Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(iii) Failure to pass the departmental examinations may result in termination of services. Failure to pass the examination in Hindi of an approved standard within the period of probation shall involve liability to termination of services.

(d) *Confirmation* :—On the satisfactory completion of the period of probation and on passing all the prescribed departmental and Hindi examinations, the probationers will be confirmed in the Junior Scale of the Service if they are considered fit for appointment in all respects.

(e) *Scales of pay* :

- (i) *Junior Scale* :—Rs. 700-40 900-EB-40-1100-50-1300.
- (ii) *Senior Scale* :—Rs. 1100 (5th year or under)-50-1600.
- (iii) *Junior Administrative Grade* :Rs. 1500-60-1800-100-2000.
- (iv) *Senior Administrative Grade-Level II*—Rs. 2250-125/2-2500.
- (v) *Senior Administrative Grade-Level I*—Rs. 2500-125/2-2750.

In addition, there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2500 and Rs. 3500 to which the officers of the above Services are eligible.

A probationer will start on the minimum of Junior Scale and will be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension and increments in time scale.

Dearness and other allowances will be admissible in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time.

Failure to pass the departmental and other examinations during the period of probation may result in stoppage or postponement of increments.

(f) *Refund of the cost of training* :—If for any reasons, which, in the opinion of the Government, are not beyond the control of the probationer, a probationer wishes to withdraw from training or probation, he shall be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation. The probationers permitted to apply for examination for appointment to Indian Administrative Service, Indian Foreign Service etc. will not, however, be required to refund the cost of the training.

(g) *Leave* :—Officers of the Service will be eligible for leave in accordance with the Leave Rules in force from time to time.

(h) *Medical attendance* :—Officers will be eligible for medical attendance and treatment in accordance with the Rules in force from time to time.

(i) *Passes and Privilege Ticket Orders* :—Officers will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(j) *Provident Fund and Pension* :—Candidates recruited to the Service will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(k) Candidates recruited to the Services/posts are liable to serve in any Railway or Project in or out of India.

(l) *Liability to serve in Defence Services* :—The probationers appointed shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :—

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

2. Central Engineering Service, Group A and Central Electrical & Mechanical Engineering Service, Group A.

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be

considered for confirmation or continuance in their appointment if permanent posts are available. Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of opinion that the officer is not fit for permanent employment/retention or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that the officer will not be fit for permanent appointment/retention on the expiration of such period or extension they may discharge the officer or pass such order as they think fit.

(b) As things stand at present, all officers appointed to Central Engineering Services, Group A have a reasonable chance of promotion to the grade of Executive Engineer after completion of five years' service in the grade of Assistant Executive Engineer subject to the condition that they are otherwise found fit for such promotion.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training if any :

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment :
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Senior Scale.—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Administrative (Selection) Posts :

Superintending Engineers—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Chief Engineers (i)—Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii)—Rs. 2,500—125/2—2,750.

Engineer-in-Chief.—Rs. 3,000—100—3,500— (for Central Engineering Service Group A).

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in Central Engineering Service (Group A) and Central Electrical & Mechanical Engineering Service (Group A).

(i) *Central Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works (of Central Government) comprising residential buildings, office buildings, institutional and research centres, industrial buildings, hospitals and development schemes, aerodromes, highways and bridges etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

(ii) *Central Electrical & Mechanical Engineering Service Group A*

Candidates recruited to this Service through Engineering Services Examination are employed in the Central Public Works Department on Planning, Designing, Construction and Maintenance of electrical components of various civil works (of Central Government) comprising of electrical installations, electric substations and power houses, air conditioning and refrigeration, runway lighting of aerodromes, operation of mechanical workshops procurement and upkeep of construction machinery etc. The candidates start their service in the Department as Assistant Executive Engineers (Electrical) and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the Department.

3. *Military Engineering Services Group A :—*

(a) The selected candidates will be appointed on probation for two years. They would be required to pass the prescribed departmental examination during the period of probation. On satisfactory completion of their probation they would be

and language tests as Government may prescribe. If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient or if the probationer fails to pass the prescribed tests during the period Government may discharge him. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further periods as Government may consider fit.

Probationers will be required to pass the MFS Procedure Supdts. (B/R & F/M) Grade I Examination and Hindi Test during their probationary period of two years. The standard for Hindi Test should be "PRAGYA" (equivalent to Matriculation standard).

(b) (i) The selected candidates shall if so required be liable to serve as commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any provided that such a candidate

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment,

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules of 1957 published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Pay Scale	
Asstt. Executive Engineer	Rs. 700-40-900-FB-40
Asstt. Surveyor of Works	1,100-50-1,300.
Executive Engineer	Rs. 1,100 (6th year or under) 50-1,600.
Surveyor of Works	
Superintending Engineer	Rs. 1,500-60-1,800-100
Superintending Surveyor of Works	2,000.
Deputy Chief Engineer	Rs. 15,000-60-1,800-100
	2,000-plus special
	Pay Rs. 200/-.
Chief Engineer	Rs. 2,250-125/2-2,500.
Chief Surveyor of Works	Under Consideration.

4. Indian Ordnance Factories Service, Group A :—

(a) Selected candidates will be appointed as Assistant Managers (Probationers). The period of probation will be three years. The period of probation may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General Ordnance Factories. An Assistant Manager (Probationer) will undergo such practical training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language test will include a test in Hindi.

On the conclusion of his period of probation Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may enter discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit.

(b) (i) Selected candidates shall if so required be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training if any; provided that such persons (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Service (Field Liability) Rules, 1957, published under S.R.O. No. 92, dated 9th March, 1957. They will be

medically examined in accordance with the medical standard laid down therein.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Junior Scale	
Assistant Manager/Technical Staff Officer	Rs. 700-40-900-FB-40-1,100-50-1,300.
Senior Scale	
Deputy Manager/Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories.	Rs. 1,100 (6th year or under)-50-1,600.
Manager/Senior Deputy Director General of Ordnance Factories.	} Rs. 1,500-2,000.
Deputy General Manager/General Manager, Grade II/Assistant Director General Ordnance Factories Gr. II.	
General Manager Grade I/Assistant Director General, Ordnance Factories Grade-I.	Rs. 2,000-125/2-2250.
General Manager (Selection Grade)	(i) Rs. 2,250-125/2-2,250
Deputy Director, General Ordnance Factories.	(ii) Rs. 2,500-125/2-2750.
Additional Director General, Ordnance Factories.	Rs. 3,000 (Fixed)
Director General, Ordnance Factories.	Rs. 3,500 (Fixed)

Pre-revised scales of pay, Revised pay scales are under consideration.

NOTE : The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provisions of Ministry of Defence O.M. No. 15(6)/64/D(Appts)/1051/D(Civ-I), dated the 25th November 1965 as amended from time to time.

(d) Probationers are required to undergo Foundational course at Mussoorie/Nagpur.

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

5. Indian Tele-Communication Services, Group A :—

(a) Appointment will be made on probation for a period of two years. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available or if his work or conduct has in the opinion of the Government been satisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(h) Officers will also be required to pass professional and language tests.

(c) Any person appointed on the results of this competitive examination shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any :—

Provided that such person—

(i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Scale :	Rs. 700—40—900—40—1,100—50—1,300.
Senior Scale :	Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.

Junior Administrative Grade.—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.

Senior Administrative Grade—

(i) Rs. 2,250—125/2—2,500.

(ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.

NOTE.—The pay of a Government Servant who held a permanent post other than tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(I).

In case the substantive pay is or exceeds Rs. 780 an officer in the Junior Scale of Indian Telecommunication Service Group A will not draw any increment till he passes the departmental examination.

(e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Indian Telecommunication Service (Group A).

Assistant Divisional Engineers Telegraphs

Assistant Divisional Engineers Telegraphs will be in charge of a Telegraphs/Telephone Engineering Sub-Division. In charge of Carrier VFT, Coaxial, Microwave Long Distance, Electrical and Wireless and will work generally under a Divisional Engineer. They may also attend to Project Organisation to carry out installation/construction job of various Telecommunication works.

Divisional Engineer

Divisional Engineers are placed in charge of Telegraphs/Telephones Engineering Division including Long Distance, Coaxial, Microwave maintenance Divisions and Wireless Divisions. They will be fully responsible for the maintenance of the Telegraphs and Telephones equipments in their charge and will also execute work within their Division. When Divisional Engineers are attached to Projects Organisations, they will be required to do construction/installation job in the unit.

Junior Administrative Grade

Responsible for administration of Telecommunication assets in the Telecommunication Circles and Telephone Districts and administration and Planning of Telecommunication installations research and development in telecommunication systems etc. Over all in charge of management and administration of Minor Telephone Districts, Telecommunication Circles etc.

Senior Administrative Grade

Head of Telecommunication Circle/Telephone District/Projects Circle/Telecommunication Maintenance Region responsible for the overall management and administration of his charge. Deputy Director General in the P&T Board—Provides the top level assistance to the P&T Board in Framing policy and in overall administration. Director Telecommunication Research Centre and Additional Director Telecommunication Research Centre responsible for over all research activities of the Telecommunication Research Centre.

6. Central Water Engineering (Group A) Service.

(i) Persons recruited to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the Central Water Commission shall be on probation for a period of two years :

Provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation the candidates may be required by the Government to undergo such course of training and instructions and to pass such examination and tests as it may think fit as a condition to satisfactory completion of probation.

(ii) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of

India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) The officers appointed to the post of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to higher grade of Deputy Director/Executive Engineer/Superintending Engineer/Director (ordinary grade)/Director/Superintending Engineer (Selection Grade) and Chief Engineer after fulfilling the prescribed conditions.

(iv) The scales of pay for Group 'A' Engineering posts in Central Water Commission are as follows :—

(Civil and Mechanical Posts in the Central Water Commission).

(1)	(2)
1. Assistant Director/Assistant Executive Engineer.	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2. Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1,100 (6th year or under)-50-1,600.
3. Superintending Engineer/Director (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4. Director Selection Grade Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250.
5. Chief Engineer	(i) 2500-125/2-2750. (Level I) (ii) 2250-125/2-2500. (Level II).

(v) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in the Central Water Engineering (Group A) Service.

Assistant Director (Civil and Mechanical) :

Planning, Surveys, investigation and design of projects including preparation of estimates, reports etc. for the conservation and regulation of water resources for the development of irrigation, navigation, power, domestic water supply, flood control and other purposes.

Assistant Executive Engineer (Civil and Mechanical) :—

Responsible for the Sub-Division or other units of works allotted to him. He is required to maintain accounts records of cash and stores under his charge as well as work abstracts with certain accompaniments for each work in progress in the Sub-Division. He is responsible for the correct maintenance of measurement books, muster rolls and other records under his charge in accordance with the prescribed rules, etc. etc.

7. CENTRAL POWER ENGINEERING (GROUP A) SERVICE

(i) Description of the Organisation

The Central Electricity Authority was constituted under Section 3(1) of the Electricity (Supply) Act, 1948, and is vested with the responsibility to develop a strong, adequate and uniform national Power Policy to co-ordinate the activities of the Planning agencies in relation to the control and utilization of the National Power resources. All the Power Schemes (Generation, Transmission, Distribution and Utilization of Power Supply) in the country are scrutinised in the Central Electricity Authority in respect of feasibility, technical analysis, economic viability, etc. to ensure that these schemes would fit into the overall development of the States as well as the Regions and will confirm the overall context of National economy. The organisation occupies pivotal position in the development of national economy, power providing its main motive force.

(ii) Description of the grade to which the recruitment is made through the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission.

Sixty per cent of posts in the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer in the scale of Rs. 700—1300

are filled by direct recruitment on the results of the Combined Engineering Services Examination held by the Union Public Service Commission annually.

Persons appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer of the Central Power Engineering (Group A) shall be on probation for a period of two years provided that the Government may, where necessary, extend the said period of two years for a further period not exceeding one year.

If on the expiration of the period of probation referred to above or any extension thereof, as the case may be, the Government are of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if at any time during such period of probation or extension, they are satisfied that he will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation or extension, they may discharge or revert him to his substantive post or pass such order as they think fit.

During the period of probation, the candidates may be required by the Government to undergo such courses of training and instruction and to pass such examinations and tests as it may think fit, as a condition to satisfactory completion of probation.

Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any. Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(iii) Promotion to higher grades

The officers appointed to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer can reasonably look forward for promotion to higher grades of Deputy Director/Executive Engineer, Director/Superintending Engineer, (Ordinary Grade), Director/Superintending Engineer (Selection Grade), Deputy Chief Engineer, Chief Engineer (Level II) and Chief Engineer (Level I) after fulfilling the conditions laid down in the Central Power Engineering (Group A) Service Rules, 1965, as amended from time to time.

(iv) Scale of Pay

The scales of pay for the posts of the Central Power Engineering (Group A) Service in the Central Electricity Authority are as follows :—

Electrical, Mechanical and Tele-communication posts in the Central Electricity Authority.

S. No.	Name of post	Scale of Pay
1.	Assistant Director/Assistant Executive Engineer	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.
2.	Deputy Director/Executive Engineer	Rs. 1100 (sixth year or under)-50-1600.
3.	Director/Superintending Engineer (Ordinary Grade)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.
4.	Director/Superintending Engineer (Selection Grade)	Rs. 2000-125/2-2250.
5.	Deputy Chief Engineer	Rs. 2000-125/2-2250.
6.	Chief Engineer (Level II)	Rs. 2250-125/2-2500.
7.	Chief Engineer (Level I)	Rs. 2500-125/2-2750.

NOTE : For purpose of fixation of pay on promotion from the grade of Assistant Director/Assistant Executive Engineer to that of Deputy Director/Executive Engineer, Concordance Tables adopted on the recommendations of the Third Pay Commission, are applicable to the members of this Service.

(v) Duties and responsibilities

Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Director/Assistant Executive Engineer are :—

Collection, compilation and co-relation of technical information required for dealing with various types of problems in the fields of power development. He is also required to deal with cases and handle matters in relation thereto including erection, operation, maintenance of Hydro and Thermal Power Projects as well as Transmission and Distribution/Power Systems studying project reports, providing assistance in preparation of power plans, designs of projects, etc. While working in field Units, he is responsible for the Sub-Division or other works allotted to him.

8. Central Engineering Service (Roads) Group A :—

(a) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineer on probation for two years. On the completion of the period of probation, if they are considered fit for permanent appointment, they will be confirmed as Assistant Executive Engineer if permanent vacancies are available. The Government may extend the period of probation of two years.

If on the expiration of the period of probation or of any extension thereof, Government are of the opinion that an Assistant Executive Engineer is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension they are satisfied that an Assistant Executive Engineer will not be fit for permanent appointment on the expiration of such periods or extension, they may discharge the Assistant Executive Engineer or pass such orders as they think fit.

The officers will also be required to pass a test in Hindi before confirmation.

(b) Any person appointed on the results of this competitive examination shall, if so required, be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years;
- (c) the following are the rates of pay admissible :
 - Assistant Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
 - Executive Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600.
 - Superintending Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
 - Chief Engineer (Roads/Bridges/Mechanical)—
 - (i) Rs. 2,250—15/2—2,500.
 - (ii) Rs. 2,500—125/2—2,750.
 - Additional Director General (Roads/Bridges)—Rs. 2,500—125/2—3,000.
 - Director General (Roads Development)—Rs. 3,000—100—3,500.

NOTE : The pay of Government Servant, who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer in the Central Engineering Services, Group A Group B will be regulated subject to the provision of F. R. 22-B(I).

(d) Nature of duties and responsibilities attached to the post in Central Engineering Service (Roads) Group A.

To assist the senior technical officers at Headquarters and in the Regional Offices, etc. of the Roads Wing Ministry of Shipping and Transport in planning preparing designs and estimates of Roads—Bridge works and scrutiny of proposals for such works received from the States.

9. Posts in the Geological Survey of India—

Persons recruited to the posts of Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) (Group A posts) and Assistant Mechanical Engineer (Group B posts) in the Geological Survey of India in a temporary capacity will be on

probation for a period of two years. Retention in service for a further period over two years will depend on assessment of their work during the period of probation. This period may be extended at the discretion of the Government. They will receive pay in the time scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 and Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200 respectively. On completion of their period of probation satisfactorily, if they are considered fit for permanent appointment they will be considered for confirmation according to rules subject to the availability of substantive vacancies.

The persons appointed to the posts of Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) and Assistant mechanical Engineer in the Geological Survey of India, shall, if so, required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period of training, if any;

Provided that such a person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as Assistant Drilling Engineer/Mechanical Engineer (Junior) or Assistant Mechanical Engineer, Geological Survey of India, and
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The following is the field of promotion open to those found fit according to the rules and instructions on the subject :—

A—For Assistant Drilling Engineer (Group A)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

- (i) Deputy Drilling Engineer—Rs. 1,100—50—1,600.
- (ii) Drilling Engineer—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
- (iii) Deputy Chief Engineer (Drilling)—Rs. 1,500—100—2,000.

B—For Mechanical Engineer (Junior) Group A—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

Assistant Mechanical Engineer (Group B) (Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200)

- (i) Mechanical Engineer (Senior)—Rs. 1,100—50—1,600.
- (ii) Superintending Mechanical Engineer—Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000.
- (iii) Deputy Chief Engineer (Mechanical)—Rs. 1,800—100—2,000.

The Officers recruited in the Geological Survey of India will be required to serve anywhere in India or outside the country.

NOTE.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F. R. 22-B(I).

Nature of duties & responsibilities attached to the posts in Geological Survey of India

Mechanical Engineer (Junior)

Maintenance & repairs of drills, vehicles & other equipment allotment of drivers & vehicles for various field duties and assignment, scrutiny and maintenance of P. S. L. issues and records, log books, history sheets etc.

Assistant Drilling Engineer

Carrying out drilling operation in connection with mineral exploration with one or more drilling rigs, ensuring optimum percentage of core recovery, upkeeping of machinery and vehicles deployed in good order security of Government Stores and imprest placed at his disposal, maintaining stores and cash accounts and looking after the welfare of staff employed under him.

Assistant Mechanical Engineer

Attending to the repairs and maintenance of vehicles, drilling and other equipment, supervision of mobile workshop for attending to repairs in the field.

10. Posts of Assistant Manager (Factories), Group A in the P&T Telecom Factories Organisation.

(i) Persons recruited to the post of Assistant Manager (Factories) shall be on probation for a period of two years.

(ii) During the period of probation, the candidates shall be required to undergo practical training in accordance with the programme of training that may be prescribed by the Central Government from time to time and are required to pass a professional examination and a test in Hindi.

(iii) Any person appointed to the post of Assistant Manager (Factories) shall if so required be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India, for a period not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

The scales of pay for engineering posts in the P&T Telecom. Factories Organisation are as follows :—

- (1) Assistant Manager (Factories)—Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (2) Assistant General Manager/Senior Engineer—Rs. 1,100—50—1,600.
- (3) Deputy General Manager/Manager of Telecom. Factories—Rs. 1,500—60—1,800.

11. Engineers (Group A) in the Wireless, Planning and Coordination Wing/Monitoring Organisation, Ministry of Communications :—

- (a) Scale of pay Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

- (b) The incumbent of the post of Engineer is eligible for promotion against 100% of the vacancies in the grade of Assistant Wireless Adviser, Wireless Planning and Coordination Wing/Engineer-in-Charge, Monitoring Organisation (Scale of pay Rs. 1,100—50—1,600—plus Rs. 100/- per month as special pay for the post of Assistant Wireless Adviser) after putting in five years service in the grade. Promotion to the grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge will be on the basis of their selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee as constituted for Group A posts.

All Assistant Wireless Advisers and Engineers-in-charge with 5 years service in the Grade of Assistant Wireless Adviser/Engineer-in-charge are eligible for being considered for promotion as Deputy Wireless Adviser (Scale Rs. 1,500—60—1,800). The vacancies in the grade of Deputy Wireless Adviser are filled 100% by promotion on the basis of selection on the recommendations of the DPC as constituted for Group A posts.

- (c) The persons appointed to the post of Engineer is liable to be posted any where in India.
- (d) Any person appointed to the post of Engineer shall, if so required, be liable to serve in any Defence service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years, including the period spent on training, if any.

Provided that such person :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment;
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) NATURE OF DUTIES AND RESPONSIBILITIES ATTACHED TO THE POST(S).

- (i) To be in charge of monitoring stations, supervise the work of technical assistants, radio technicians and other staff placed under him;
- (ii) Assuming charge of installation, operation and maintenance of specialised monitoring equipment including Frequency measuring equipment, Radio Direction Finders, ionospheric recorders, noise recorders etc.;
- (iii) Determination of frequency requirements of different user departments and services;

- (iv) Administration of international Radio Regulations and Agreements connected therewith;
- (v) Preparation and maintenance of frequency records and associated documents;
- (vi) Licensing and inspection wireless installations;
- (vii) Drawing up specification of Radio Equipments;
- (viii) Performance checks of various types of transmitters, receivers and associated apparatus;
- (ix) Assistance in the conduct of examinations for Certificate of Proficiency issued to Radio Operators;
- (x) Investigation of propagation problems and allied research; and
- (xi) Examination, analysis and coordination of data of Radio noise studies, ionospheric studies and field strength measurements etc.

12. Deputy Engineer-in-Charge (Group A), Assistant Engineer (Group B Gazetted) and Technical Assistant (Group B Non-Gazetted) in the Overseas Communications Service Ministry of Communications.

- (a) Candidates selected for appointment as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be appointed on probation for a minimum period of two years which may be extended if necessary.
- (b) An Officer appointed as Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge will be liable to serve anywhere in India.
- (c) In case of temporary appointment to the post of Technical Assistant/Assistant Engineer/Deputy Engineer-in-Charge apart from the conditions laid down in the bond which an officer may be required to execute, his service will be terminable by giving one month's notice on either side. It is, however, left to the Department to terminate the service of a temporary employee by giving one month's pay and allowances in lieu of notice but the officer has no such option.
- (d) Scales of pay :
 - (1) Technical Assistant : Rs. 550—25—750—EB—30—900.
 - (2) Assistant Engineer : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.
 - (3) Deputy Engineer-in-Charge : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.
- (e) Prospects of promotion to higher grades.

(i) Technical Assistant : All Technical Assistants with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Engineer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200, by selection on merit against 50 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(ii) Assistant Engineers : All Assistant Engineers with a minimum service of three years in the grade are eligible for promotion to the grade of Deputy Engineer-in-Charge in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300 by selection on merit against 75 per cent vacancies reserved for departmental promotion.

(iii) Deputy Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Deputy Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Deputy Engineer-in-Charge or Assistant Engineer is eligible for promotion to the post of Engineer-in-Charge (Scale Rs. 1,100—50—1,600) in the Overseas Communications Service on the successful completion of the period of probation which will be two years. The minimum service of three years in the case of officers directly recruited in the grade will be reckoned from the date of completion of training. The promotion to the grade of Engineer-in-Charge will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(iv) Engineer-in-Charge : The incumbent of the post of Engineer-in-Charge with a minimum service of three years in the grade of Engineer-in-Charge is eligible for promotion to the post of Director (Scale : Rs. 1,300—50—1,700) in

the Overseas Communications Service. Promotion to the Grade of Director will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(v) Director : The incumbent of the post of Director with a minimum service of three years in the grade of Director is eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Scale : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000) in the Overseas Communication Service. Promotion to the grade of Deputy Director General will be on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C. as constituted for the post.

(vi) Deputy Director General : The incumbent of the post of Deputy Director General with a minimum service of three years in the grade of Deputy Director-General is eligible for promotion to the post of Director General (Scale : Rs. 2,250—125/2—2,500) in the Overseas Communications Service. Promotion to the grade of Director General will be on the basis of selection on the recommendation of the D.P.C. as constituted for the post.

(f) Any person appointed to the post of Technical Assistant, Assistant Engineer, or Deputy Engineer-in-Charge shall if so required be liable to serve in any Defence service or post in connection with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

NOTE : The remaining conditions of service such as leave, travelling allowances on transfer/tours, joining time; joining time pay, medical facilities, travel concessions; pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(a) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s) :—

1. DY. ENGINEER-IN-CHARGE : The incumbent of the post of Dy. Engineer-in-Charge in O.C.S. functions as a deputy to the Engineer-in-Charge and assists the latter in all technical matters relating to operation and maintenance of International Telecommunications equipment and is also responsible for management of staff, staff colony, water supply, electric supply, engineering, and stationery stores and so on.

The incumbents of the posts have not only to supervise technical work but also to engage themselves directly in the installation and upkeep of valuable telecommunications equipment, the very intensive utilisation of equipment characteristics of O.C.S. is dependent largely upon the ability of Deputy Engineer-in-Charge to co-ordinate and execute work combining a degree of improvisation with reliability standards.

2. ASSISTANT ENGINEER : The incumbent of the post is generally incharge of shift and is responsible for operation and maintenance of equipment. He is required to take quick decision on the spot when any query is raised by foreign associates on technical matters and to rectify the faults.

The post is supervisory-cum-operational. The incumbent of the post exercises control over subordinates at the level of Technical Assistants, and Junior Technical Assistants in his shift. While some members are engaged on Development and Research involving an element of applied research, all Assistant Engineers are required to be familiar with and should comply with international telecommunication standards.

3. TECHNICAL ASSISTANTS : The duties and responsibilities of the post involve adjustment of different Telegraph/Telephone and other wireless apparatus and equipments operation, maintenance and installation of high power Transmitters/Receivers of different kinds and attend to any fault therein. The incumbent is also required to control the entire circuit of radio terminal while speech is going on between two subscribers during an overseas telephone call.

13. Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B) Directorate General, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years.
- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve anywhere in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.
- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

(d) Scale of pay :—

- (i) Assistant Station Engineer—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Assistant Engineer—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(e) Prospects of promotion to higher grades :

Assistant Engineer and Assistant Station Engineer :—

- (i) Assistant Engineers with a minimum of 3 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Assistant Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 on the basis of selection against 40% vacancies reserved for departmental promotion, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.
- (ii) Assistant Station Engineers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the grade of Station Engineer in All India Radio in the scale of Rs. 1100—50—1600 on the basis of selection on the recommendation of the Departmental Promotion Committee.
- (iii) Station Engineers having 10 years regular service in Class I, of which 4 years service should be in the grade of Station Engineer, are eligible for promotion to the grade of Senior Engineer in the pay scale of Rs. 1500—60—1800 on the basis of selection on the recommendations of the Departmental Promotion Committee.
- (iv) Senior Engineers are eligible for promotion as Deputy Chief Engineer (Rs. 1800—100—2000). Deputy Chief Engineers are eligible for promotion as Additional Chief Engineers 2000—125/2—2250 who in turn are also eligible for

promotion to the post of Chief Engineer (Rs. 2,500—125—3,000).

NOTE.—The remaining conditions of service, such as leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/ joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc., will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

(f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Station Engineer (Group A) and Assistant Engineer (Group B).

Assistant Station Engineer :

Design, installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. Responsibility for the supervision of the work of subordinate Engineers.

Assistant Engineer :

Installation, operation and maintenance of Broadcast and TV studios and transmitters. The responsibilities for supervising and carrying out duties during a shift.

14. Assistant Engineer (Group B) (Civil and Electrical), Civil Construction Wing, All India Radio, Ministry of Information and Broadcasting.

- (a) Appointments will be made on probation for a period of two years.
- (b) (i) An Officer appointed to the post will be liable to serve any where in India and also will be liable to transfer, at any time to serve under a public corporation and on such transfer, he will be liable to be governed by the conditions of service laid down for employees of the Corporation.
- (ii) Any person appointed to the post of Assistant Station Engineer or Assistant Engineer shall, if so required be liable to serve in any Defence Service or post in connection with the Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training if any;

Provided that such person :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The Government can terminate the appointment of an officer in following events without giving any notice :—(i) during or at the end of the period of probation, (ii) for insubordination intemperance, misconduct or breach or non-performance of any of the provisions of the rules pertaining to the service for the time being in force, (iii) if he is found medically unfit and is likely for considerable period to continue to be so unfit by reasons of ill health for the discharge of his duties.

In case of temporary appointments, the service of the officer can be terminated at any time without assigning any reason by giving one month's notice on either side.

- (d) Assistant Engineer (Civil & Electrical) Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(e) Prospects of Promotion to higher grades :

- (i) Assistant Engineers (Civil & Electrical), with a minimum of 8 years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Executive Engineer in the scale of Rs. 1100—50—1600.
- (ii) Executive Engineers with a minimum of 7 years of service in the grade are eligible for promotion to the grade of Superintending Engineer in the scale of Rs. 1500—60—1800—100—2000.

- (iii) Superintending Engineers with a minimum of 5 years of service in the grade are eligible for promotion to the post of Additional Chief Engineer (Civil) in the scale of Rs. 2000—125/2—2250.

Note.—The remaining conditions of service such as leave travelling allowance on transfers/tour, joining time/joining time pay, medical facilities, travel concessions, pension and gratuity, control and discipline and conduct etc. will be as applicable to other Central Government employees of similar status.

- (f) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Assistant Engineer (Civil & Electrical); To execute the works according to the norms and standards laid down for the same in designs and drawings.

15. Technical Officer (Group A) and Communication Officer (Group A) in the Civil Aviation Department, Ministry of Tourism and Civil Aviation.

- (a) The candidate selected for appointment will be appointed on a temporary basis until further orders, as Communication Officer/Technical Officer. They will be on probation for a period of two years, extendable if necessary. Their appointment may be terminated at any time during the period of probation without notice. The candidate will have to undergo a course of training at the Civil Aviation Training Centre for a duration of 16 weeks as and when it is practicable after their appointment. They will be considered for confirmation in the grade of Communication Officer/Technical Officer as and when permanent posts for their confirmation become available.
- (b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.
- (c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the Officer in his appointment subject to availability of permanent vacancies or if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.
- (d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government under this rule.
- (e) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave, increment and pension in accordance with the rules for the time being in force and applicable to Officers of the Central Government. They will also be eligible to join the Central Provident Fund in accordance with the rules regulating that Fund.
- (f) These Officers shall be liable for transfer anywhere in India for any held Service in and outside India during an emergency. They can also be asked to take up duties on board an aircraft in flight.
- (g) The relative seniority of Officers appointed through the Engineering Service Examination will ordinarily be determined by the order of their merit in the Examination. Govt. of India, however, reserve the right of fixing the seniority at their discretion in individual cases.

The seniority of direct recruits vis-a-vis departmental candidates will depend upon the quotas prescribed in the Recruitment Rules, and will be in accordance with the order that may be issued by the Government of India from time to time on the subject.

- (h) Prospects of promotion to higher grades :—

Promotion to the Grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer :

Communication Officers/Technical Officers with a minimum of three years of regular service in the grade are eligible for promotion to the grade of Senior Communication Officer/Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department subject to

occurrence of vacancies in the scale of Rs. 1,100—50—1,600 on the basis of seniority-cum-fitness.

Promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication.

Senior Communication Officers/Senior Technical Officers who have a minimum of 3 years of regular service in that cadre are eligible for promotion to the grade of Dy. Director/Controller of Communication Organization in the scale of Rs. 1,500—60—1,800 on the basis of selection on the recommendations of the D.P.C.

The next higher posts in the line of promotion in the Civil Aviation Department subject to selection by the DPC are Director of Communication; Director, Radio Construction and Development Units; Director of Training and Licensing and Regional Director in the scale of Rs. 1,800—100—2,000, Deputy Director General in the scale of Rs. 2,000—125/2—2,500 and Director General in the scale of Rs. 3000 (fixed).

- (i) These conditions of service are subject to revision according to the requirements of service. Candidates will not be entitled to any compensation if they are adversely affected by any changes in the conditions of service which may be introduced later on.

- (f) The scale of pay for the posts of Communication Officer/Technical Officer in the Department of Aviation are given below :

(i) Communication Officer (Group A) : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300

(ii) Technical Officer (Group A) : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300.

- (k) Any person appointed to the post of Communication Officer/Technical Officer shall, if so required to liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such persons :—

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointments.
- (b) shall not be ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) Nature of duties and responsibilities attached to the post(s) of Technical Officer group A and Communication Officer, Group A.

Technical Officer and Communication Officer

The above categories of officers are sometimes posted as Officer-in-Charge of Aeronautical Communication Stations which maintain a number of Radio Communication and Navigational equipments and employ a number of Technical/Operational staff to man the various equipments and operating positions.

In the larger A.C. Stations, however, the Communication and Technical Officers' work under the administrative control of a Senior Scale Officer. Under these conditions the duties performed by them would be exclusive of the day-to-day administration of the Station. They are also attached to subordinate Regional Hqrs. and other officers.

The 'Technical Officers' alone are also posted to the Radio Construction & Development Unit of the Central Radio Stores Depot, where the work will be mainly connected with Testing & Installation of equipment and allied subjects.

DUTIES OF TECHNICAL COMMUNICATION OFFICERS FUNCTIONING AS OFFICERS-IN-CHARGE

AERONAUTICAL COMMUNICATION STATIONS :—

General administration and disciplinary control over an A.C. Station, which includes—

- (i) efficient maintenance of the various radio/navigational units;
- (ii) disbursement of pay and allowances of the entire staff;

- (iii) maintenance of accounts—CPWA accounts relating to stores, submission of periodical returns to the proper authorities etc.
- (iv) provisions of adequate spare for the various equipments;
- (v) deployment of staff of various categories at the Units under his charge;
- (vi) adequate liaison with officers of the Aerodrome, Met., Airlines etc.
- (vii) in general, to keep the Aeronautical Communication Stations working at its optimum efficiency.

Duties of Technical Officer posted at a major station/Radio Construction Unit/Radio Stores Depot;

Acceptance testing, installation and subsequent day-to-day maintenance of Radio & Radar/Navigational equipments of various categories employed in the C.A.D.

Flight check of Navigational Aids of the Department according to international Standards.

Development work in connection with import substitution, fabrication of units for installation purposes, selection of sites for installation of navigational aids etc.

Procurement of spares of various categories from local and foreign agencies for the equipment in use in the Department.

Duties of "Communication Officer" posted at the major stations :

Responsible for the efficient functioning of the various operational facilities at the station including landline and radio Teletype channels. More circuits. Intercom and other local speech circuits.

If on shift, take complete charge of the entire shift to ensure that all the Technical units/Telegraph circuits function properly.

Matters pertaining to Aeronautical Information Service—dissemination of Notices to Airmen. Briefing of Air Crew and allied matters.

16. Indian Naval Armament Service.

- (a) Candidates selected for appointment to the service will be appointed as probationers for a period of two years which period may be extended at the discretion of the competent authority. Failure to complete the probation to the satisfaction of the competent authority will render them liable to discharge from service. During the period for probation, they will have to undergo a technical training course for a period of 9—12 months and are also to pass the departmental examination in not more than three attempts. In case they fail to pass in departmental examination their services will be liable to be terminated at the discretion of the Government. They will also be required to sign a bond for Rs. 15,000 (the amount may vary from time to time) prior to proceeding on training for compulsory service in the Indian Navy for a period of three years after completion of the training.
- (b) The appointment can be terminated at any time by giving the required period of notice (one month in the case of temporary appointment and three months in the case of permanent appointment) by competent authority. The Government, however, reserves the right of terminating services of the appointees forthwith or before the expiry of the stipulated period of notice by making payment of a sum equivalent to pay and allowances for the period of notice or the unexpired portion hereof.
- (c) They will be subject to terms and conditions of Service as applicable to Civilian Government Servants paid from the Defence Services Estimates in accordance with the orders issued by the Government of India from time to time. They will be subject to Field Service Liability Rules 1957 as amended from time to time.
- (d) They will be liable for transfer anywhere in India or abroad.
- (e) Scale of pay and classifications—Group A Gazetted in the scale of pay of Rs. 700—1,300.

(f) Prospects of Promotion to higher grades—

(i) Deputy Armament Supply Officer, Grade I DASOs Grade II with 5 years service are eligible for promotion to the grade of DASO Grade I in the scale of pay of Rs. 1,100—1,600, on the basis of selection on the recommendations of DPC provided that only those officers will be considered for promotion who have passed the departmental examination which may be held after technical training course or the Naval Technical Staff Officers course at the I.A.T. Kirkee. The syllabus of the Departmental examination is reproduced below :—

1. Naval Armament Depot Visakhapatnam

- (a) Shop-work (Three months)
- (b) Gunwharf Technical Course I 37 weeks
- (c) Ammunition Technical Course I
- (d) Administration and Accounts Course
- (e) Visit to Balasore, Cossipore, Ishapore and Jabalpur.

2. Gunnery School and TAS School

- 3. Visits of Heavy Vehicle Factory AVADI and Cordite Factory, ARUVANGADU 2½ weeks

4. Naval Armament Depot, Bombay

- (a) Gunwharf Technical Course II
- (b) Ammunition Technical Course II 5 weeks
- (c) Visit to Ordnance Factory, AMBAR-NATH.

5. Institute of Armament Technology, KIRKEE

- 6. Visit to HE Factory, Ammunition Factory, ADRE and ERDI, KIRKEE

- 7. Visit to Ordnance Factory & Shell Arms Factory, KANPUR Enroute Naval Headquarters, New Delhi ½ week

8. Naval Headquarters, New Delhi

- Visit to Defence Science Laboratories 1½ weeks

DELHI, FINAL EXAMINATION

(ii) **Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade)** Deputy Armament Supply Officer, Grade I with 5 years' service as such are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) in the pay scale of Rs. 1300—50—1700/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iii) **Naval Armament Supply Officer (Selection Grade).** Naval Armament Supply Officer (Ordinary Grade) with 3 years service as such, are eligible for promotion to the grade of Naval Armament Supply Officer (Selection Grade) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

(iv) Director of Armament Supply

Naval Armament Supply Officer (Selection Grade/Ordinary Grade) with 5 years' service in the grade(s) are eligible for promotion to the grade of Director of Armament Supply in the pay scale of Rs. 1800—100—2000/- on the basis of selection to be made by the appropriate DPC.

NOTE 1. The pay scale of NASO (O/G), NASO (S/G) and DAS, are likely to be revised.

NOTE 2. The pay of the Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity immediately prior to his appointment as a probationer may be regulated subject to the provision of F.R. 22B(I) and the corresponding article in CSR applicable to probationer in the Indian Navy.

- (g) Nature of duties and responsibilities attached to the post of Deputy Armament Supply Officer Grade II in the Indian Navy, Ministry of Defence.
- (i) Production, planning and direction of work relating to repair, modification and maintenance of armaments, incorporating various mechanical electronics and electrical devices and system production and productivity.
- (ii) Provision of machinery, electronic and electrical equipment for repair, maintenance and overhaul.
- (iii) Developmental work to establish import substitutes, preparation of indigenous design specifications.
- (iv) Providing of mechanical electronic and electrical spare for armaments.
- (v) periodical calibration testing/examination of sub-assemblies and assemblies of mechanical electronics and electrical items of armaments (missiles, torpedoes mines and guns) measuring instruments etc.
- (vi) Supply of armaments to fleet and Naval Establishments.
- (vii) Rendition of technical advice to the service in all matters relating to mechanical, electronic and electrical engineering in respect of armaments.

17. BORDER ROADS ENGINEERING SERVICE Group 'A'.

- (i) The selected candidates will be appointed as Assistant Executive Engineers on probation for a period of two years. The probationer during his probation period may be required to pass such departmental tests as Government may prescribe. On the conclusion of the period of probation, if his work and conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.
- (ii) The selected candidates shall be liable to serve in any part of India or outside including the field area in war and in peace. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down for the field service.
- (iii) The following are the rates of pay admissible to them :—
 Assistant Executive Engineer—Rs. 700—40—900
 EB—40—1100—50—1300.
 Executive Engineer—Rs. 1,100 (6th year or under)
 —50—1,600.
 Superintending Engineer—Rs. 1500—60—1800—
 100—2000.
 Chief Engineer (Civil) Grade II—Rs. 2000—125/
 2—2250.
 Chief Engineer (Civil) Grade I—Rs. 2250—125/
 2—2500.
- (iv) The officers appointed to the post of Assistant Executive Engineer can look forward to promotion to the higher grades of Executive Engineer, Superintending Engineer, Chief Engineer (applicable to officers on the Civil Engineering side only) after fulfilling the prescribed conditions.
- (v) The officers appointed to the service are entitled to Special Compensatory Allowance and free rations when employed in certain specified areas, besides the allowances admissible to Central Government servants. They are also entitled to outfit allowance for the uniform.

18. Assistant-Executive Engineer/Assistant Engineer (Civil)/Electrical) in P & T Civil Engineering Wing—

(a) The candidate will be appointed on probation for a period of two years. They will be required to undergo a training as prescribed. If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer appointed on probation is

unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith. On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment if permanent vacancies are available and if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

Officers will be required to pass the departmental examination or examinations that may be prescribed during the period of probation. They will also be required to pass a test in Hindi.

(b) An officer appointed on the results of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training.

Provided that such persons—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment.
- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.
- (c) The following are the rates of pay admissible :—
 Group B—AE(E/C) Rs. 650—30—740—35—810—EB
 —35—880—40—1000—EB—40—1200.
 Asstt. Executive Engineer Group A Rs. 700—40—900—
 EB—40—1100—50—1300.
 Executive Engineer/SW Rs. 100—1600.
 S. Es./SSW Rs. 1500—60—1800—100—2000.
 CF. Rs. 2250—125/2—2500.

(c) Nature of duties and responsibilities attached to the posts in P&T Civil Wing are as follows :

Candidates recruited to P & T, Civil Wing through Engineering Services Examination are employed in Planning, Designing, Construction and Maintenance of various civil works of P & T Department comprising of Residential Building, Office Buildings, Telephone Exchange Buildings, Post Office Buildings, Factories, Store and training centres etc. The candidates start their service in the department as Asstt. Executive Engineers/Asstt. Engineers and in the course of their service are promoted to various senior ranks in the department.

19. Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development :—

- (a) Persons recruited to the post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development will be on probation for a period of two years.
- (b) The scale of pay of this Group A Gazetted post is Rs. 700-40-900-EB-40-1,100-50-1,300.
- (c) Assistant Development Officers with 5 years service in the grade are eligible for promotion to the post of Development Officer in the Directorate General of Technical Development in the scale of pay of Rs. 1,100-50-1,500-EB-60-1,800. 60% of the posts in the cadre of Development Officer are filled by promotion. Development Officers are eligible for promotion as Industrial Advisers (Rs. 2,000-125/2-2,500). Industrial Advisers are eligible for promotion to the post of Deputy Director General (Rs. 2,500-125/2-3,000) and Deputy Director Generals in turn are eligible for promotion to the post of Director General Technical Development (Rs. 3,000-likely to be revised in the light of the Pay Commission's recommendation).

- (d) Any persons appointed on the result of this competitive examination shall if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than 4 years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

- (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

- (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

- (e) Nature of duties and responsibilities attached to the posts of Assistant Development Officer :—

He is required to assist the Development Officer in the development of industries in the respective divisions viz., Mechanical Engineering, Industrial Machinery, Machine Tools, Electrical Engineering, Automobile, Electronic Engineering industries etc.